শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 275 | गुवाहाटी | बुधवार, 3 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जीएसटी संग्रह में शीर्ष पर असम सहित पूर्वोत्तर — पेज 3
आतंक और आतंकवादियों का तुष्टीकरण करती है कांग्रेस : नरेंद्र मोदी — पेज 4
किसी माफिया को बुन्देलखंड के संसाधनों को लूटने नहीं देंगे : मुख्यमंत्री — पेज 5
पंजाब में अब तक 29 हजार युवाओं को दीं सरकारी नौकरियां : सीएम भगवंत मान — पेज 8

सरकार बनने पर बजरंग दल और पीएफआई पर होगी कार्रवाई : खरगे

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कर्नाटक में उनकी सरकार बनने के बाद बजरंग दल और पीएफआई जैसे संगठनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। खरगे ने मंगलवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी कर कहा कि हम जनता से किए वादों को पूरा करेंगे। इस दौरान खरगे ने बजरंग दल पर कार्रवाई की बात भी कही। जिसको लेकर विश्व हिंदू परिषद सहित भाजपा ने आपत्ति जताई है। खरगे ने अपने भाषण के दौरान कहा कि राज्य में सरकार बनने के बाद पुरानी पेंशन योजना को बहाल करेंगे। गृह ज्योति योजना के जरिए राज्य की जनता को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की योजना, नारियल -शेष पृष्ठ दो पर

पहले भगवान राम अब हनुमान की पूजा करने वालों को बंद करना चाह रही कांग्रेस : पीएम

विजयनगर। कर्नाटक में चुनावी समर अपने पूरे जोरों पर है। भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी कर्नाटक के लिए अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया है। जिसके बाद भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसपर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पहले भगवान राम को बंद किया, अब हनुमान की पूजा करने वालों को भी बंद करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर अपने चुनावी घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा करने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे हनुमान की पूजा करने वालों को बंद करने की पार्टी की कोशिश करार दिया। उन्होंने यह आरोप विजयनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लगाए। यहां उन्होंने कहा कि मैं हनुमान की भूमि पर आया हूं। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे हनुमान की भूमि पर मत्था टेकने का अवसर मिला, लेकिन दुर्भाग्य देखिए कि जब मैं यहां अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहा हूं तभी कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में भगवान हनुमान को बंद करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि पहले -शेष पृष्ठ दो पर

बजरंग दल पर प्रतिबंध को जनता नहीं करेगी स्वीकार : विहिप

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए जारी कांग्रेस के घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कहे जाने को लेकर उस पर जमकर प्रहार किया है। विहिप ने कहा है कि वह कांग्रेस के गलत मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी। कांग्रेस सिमी और पीएफआई जैसे आतंकी संगठनों को संरक्षण प्रदान करती है। विहिप इसका विरोध करती रही है और यह आगे भी जारी रहेगा। -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिमों को खुश करना चाहती है कांग्रेस : हिमंत

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के अब सात दिन बाकी है। 10 मई को जनता जनार्दन तय करेगी कि राज्य की कुर्सी पर कौन बैठेगा? हालांकि कुर्सी की लड़ाई बढ़ती जा रही है। भाजपा ने अपना विजन डॉक्यूमेंट जारी किया तो कांग्रेस ने भी आरक्षण पर दांव खेल दिया है। आज भाजपा पीएम मोदी, अमित शाह कर्नाटक की जनता से वोट की अपील कर रहे हैं वहीं कांग्रेस के लिए प्रियंका और राहुल -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

एनआरसी वक्त की जरूरत : सीएम शर्मा

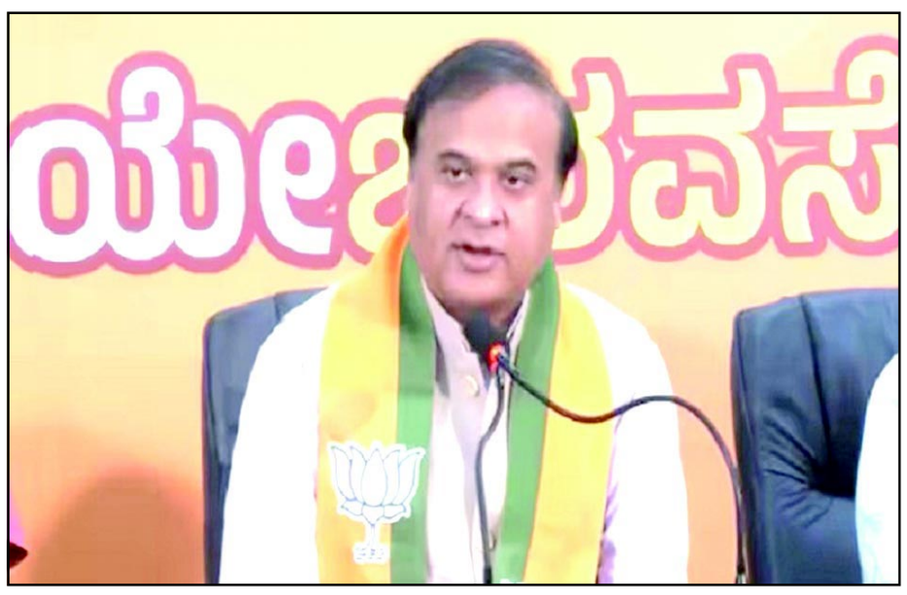

बेंगलुरु/गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र की आलोचना की तो वहीं भाजपा के घोषणापत्र की तारीफ की। जिसमें कई वादों के अलावा एनआरसी लागू करने का वादा किया गया। शर्मा ने कहा कि एनआरसी केवल एक विशेष राज्य तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसको पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम के अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि पूरे देश में 1528 आज बक्त की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज तक, हमारे पास नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर नहीं है। नागरिकता का संकेत नहीं है। हम नहीं जानते कि देश का संसाधन एक नागरिक के पास जा रहे हैं या एक गैर-नागरिक के पास। मैं एनआरसी की घोषणा करने वाले कर्नाटक भाजपा के कदम का स्वागत करता हूं। कर्नाटक चुनाव में स्टार प्रचारकों में से एक असम के मुख्यमंत्री डॉ शर्मा बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। असम के मुख्यमंत्री डॉ शर्मा बीते सोमवार से कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस बीच, कल शाम उन्होंने बेंगलुरू में उत्तर-पूर्व क्षेत्र के प्रवासी नागरिकों के साथ एक परिचर्चा कार्यक्रम में भाग लिया। सोमवार को उन्होंने कर्नाटक के तुमकुर में एक विशाल रोड शो भी किया था। इसके बाद उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में भाजपा की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने समान नागरिक संहिता कानून लागू कर लैंगिक भेदभाव खत्म करने का फैसला किया है। 24 मार्च को, भाजपा नेता बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने राज्य में पिछड़े वर्ग के रूप में मुसलमानों की मान्यता को रद्द कर दिया और उन्हें ब्राह्मणों, जैनियों, वैश्यों और अन्य गैर-पिछड़े वर्गों के साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की -शेष पृष्ठ दो पर

संयम बरतें : चुनाव आयोग की नेताओं की सख्त हिदायत

बेंगलुरु। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। 10 मई को वोट डाले जाएंगे। जनता को लुभाने के लिए सभी राजनीतिक दल जोर शोर से प्रचार में जुटे हुए हैं। एक दूसरे पर हमले करने का नेता का कोई मौका नहीं गवां रहे। प्रचार के वक्त कई बार देखा गया है कि नेता भाषा की मर्यादा भूल जाते हैं। नेताओं के जहरीले बयानों पर रोक लगाने के मकसद से चुनाव आयोग ने अब स्टार प्रचारकों और पार्टियों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। चुनाव आयोग ने कहा कि प्रचार के दौरान भाषा के गिरते स्तर के मद्देनजर एडवाइजरी जारी की जा रही है। एडवाइजरी में चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता और अन्य प्रावधानों को याद दिलाते हुए सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को सावधानी और संयम बरतने की सलाह दी है। आयोग ने सीईओ को नियमों और कानूनी ढांचे के मुताबिक कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। दिल्ली में आज भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके बेटे प्रियांक खरगे की शिकायत की है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कांग्रेस नेताओं -शेष पृष्ठ दो पर

शरद पवार ने अध्यक्ष पद छोड़ा, नहीं लड़ेंगे कोई चुनाव

मुंबई (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि वे अब राकांपा अध्यक्ष पद छोड़ रहे हैं और इसके आगे कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। शरद पवार ने कहा कि वे राकांपा की बैठकों में शामिल होकर पार्टी को उचित मार्गदर्शन करते रहेंगे। वाईबी चव्हाण सभागृह में मंगलवार को शरद पवार की लिखी पुस्तक का विमोचन हो रहा था। इसी अवसर पर शरद पवार की घोषणा के बाद पूरा सभागृह स्तब्ध रह गया। शरद पवार ने अपनी किताब के विमोचन कार्यक्रम के अध्यक्षीय भाषण में कहा कि सार्वजनिक जीवन में कहीं रुकने पर विचार करना आवश्यक है। इसलिए मैंने राष्ट्रवादी कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

जबरन वसूली के आरोप में वीर लाचित सेना का नेता गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के शिवसागर जिले में एक क्षेत्रीय संगठन के एक शीर्ष पदाधिकारी को जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने कहा कि बीर लचित सेना के श्रृंखल चालिहा को पकड़ लिया गया है और उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है। चालिहा वीर लचित सेना का एक शीर्ष पदाधिकारी है, जो कथित तौर पर राज्य के मूल निवासियों के हितों की रक्षा के लिए काम कर रहा है। डीजीपी सिंह ने एक ट्वीट में कहा, सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए दान के नाम पर शिवसागर में जबरन वसूली करने के एक और आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है और कानून के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

क्रोध मस्तिष्क के दीपक को बुझा देता है।

– इंगरसोल

न्यूज गैलरी

असम व मणिपुर के दौरे पर आज आएंगे उपराष्ट्रपति

गुवाहाटी (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आगामी 3 मई को एक दिवसीय दौरे पर असम के डिब्रूगढ़ और मणिपुर के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। धनखड़ डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में भी शिरकत करेंगे। इस मौके पर असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली और असम सरकार के मंत्री डॉ. रानोज पेगू मौजूद रहेंगे। जानकारी के अनुसार उप राष्ट्रपति धनखड़ दोपहर में मणिपुर के इंफाल में धनमंजुरी -शेष पृष्ठ दो पर

सट्टेबाजी से संबंधित होर्डिंग-बैनर पर प्रतिबंध लगाएं : केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ऑनलाइन गेमिंग में सट्टेबाजी पर रोक लगाने को लेकर अब संबंधित आउटडोर विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने के लिए कदम उठाया है। मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने मंगलवार को सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के सचिवों को पत्र लिखकर ऐसे विज्ञापनों पर रोक लगाने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग में अवैध सट्टेबाजी -शेष पृष्ठ दो पर

बोकाखात : पुलिस अधिकारी के आवास पर गोलीबारी

गोलाघाट (हि.स.)। जिले के बोकाखात में सुरक्षाकर्मी ने मामूली कहासुनी में उप-संभागीय पुलिस अधिकारी के आधिकारिक आवास पर फायरिंग की दी। अचानक गोलीबारी होने से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर मौजूद सभी चार सुरक्षाकर्मियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे चार एके-47 राइफलें भी जब्त कर ली हैं। बताया गया कि गोलीबारी की घटना बीती रात अनुमंडल पुलिस अधिकारी रेणुकुंतला शीतल कुमार के सरकारी आवास पर हुई। जानकारी मिली कि सरकारी आवास पर ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों के बीच झगड़ा होने के बाद सुरक्षा गार्ड छोटेलाल शर्मा ने अपनी सरकारी एके-47 राइफल से हवाई फायरिंग कर दी। पुलिस ने मंगलवार को बताया है कि घटना के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय विस के प्रबोधन कार्यक्रम का ओम बिरला ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को संसद परिसर में मेघालय विधानसभा के सदस्यों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मेघालय विधान सभा के अध्यक्ष थॉमस ए सांग्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि मेघालय विधान सभा की गिनती देश की सबसे अनुशासित सभाओं में होती है, जहां सार्थक वाद-विवाद के माध्यम से इस संस्था की गरिमा और प्रतिष्ठा को बनाए रखा गया है। भारतीय लोकतंत्र को विश्व का सबसे बड़ा कार्यशील लोकतंत्र बताते हुए बिरला ने विचार व्यक्त किया कि लोकतांत्रिक परंपराएं और मूल्य भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं। सहिष्णुता, राजनैतिक मतभेद के बावजूद एक दूसरे के प्रति सम्मान की भावना, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर मुद्दों का समाधान करना सदियों से भारत की पहचान तथा भारतीय राजनीतिक विचारधारा का अभिन्न अंग रहे हैं। संसदीय प्रक्रिया का जिक्र करते हुए बिरला ने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है लेकिन इन मतभेदों को चर्चा के माध्यम से सुलझाना चाहिए। यह विचार व्यक्त -शेष पृष्ठ दो पर

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक प्रदीप ब्रह्म सेवानिवृत

अधिकारियों व कर्मचारियों की सहायता के लिए प्रदीप ब्रह्म के नाम पर हेल्प डेस्क

गुवाहाटी (विभास)। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक प्रदीप ब्रह्म 33 वर्ष की कुशल सेवा के बाद 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने 1989 में अपना कैरियर शुरू किया और पिछले छह साल अतिरिक्त निदेशक के रूप में बिताए। अतिरिक्त निदेशक का औपचारिक रूप से निदेशालय -शेष पृष्ठ दो पर

फांसी के बजाए मौत के दूसरे तरीकों को अपनाएगी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि वे एक विशेषज्ञ समिति की नियुक्ति पर विचार कर रहे हैं कि क्या मौत की सजा के लिए फांसी की जगह कम तकलीफदेह तरीके पर अध्ययन के लिए सरकार एक कमिटी बना सकती है। अटॉर्नी जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में बताया है। बता दें कि सीजेआई ने मामला जुलाई में सुनवाई को लगाने का निर्देश दिया है। याचिका में कहा गया है कि फांसी एक क्रूर तरीका है और जहर का इंजेक्शन जैसे तरीकों को अपनाया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पर्दीवाला की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी की दलीलों पर ध्यान दिया कि सरकार विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने के उनके सुझाव पर विचार कर रही है और इस पर विचार-विमर्श भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित पैनल के लिए नामों को अंतिम रूप देने से संबंधित प्रक्रियाएं हैं और वह कुछ समय बाद इस मुद्दे पर जवाब दे पाएंगे। बता दें कि इसी साल मार्च महीने में मौत की सजा के लिए फांसी की जगह किसी दूसरे विकल्प की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। सुप्रीम -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

सीबीआई कार्यालय के आगे धरना देगी पीएजेएससी

इटानगर (हिंस)। पैन-अरुणाचल संयुक्त संचालन समिति (पीएजेएससी) ने आगामी 6 मई से चिम्पू, इटानगर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कार्यालय के सामने सामूहिक धरना देने की घोषणा की है। यह बात आज पीएजेएससी सदस्य तेची राणा ने प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दी। अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) द्वारा परीक्षा में गड़बड़ी के मामले में सीबीआई द्वारा की जा रही जांच प्रक्रिया पर असंतोष व्यक्त करते हुए, राणा ने दावा किया कि जब से प्रमुख जांच एजेंसी सीबीआई ने मामले को अपने हाथ में लिया है, तब से मामले में कोई प्रगति नहीं दिख रही है और न ही आरोपितों के खिलाफ मजबूत चार्टशीट बना रही है। इसको देखते हुए कमेटी को शक है कि एजेंसी

कोई जांच नहीं करा रही है। इसके अलावा, यह अक्सर पाया जाता है कि सीबीआई कार्यालय में केयरटेकर और रसोइयों को छोड़कर कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं होता है। उन्होंने कहा, जांच एजेंसी अपनी पिन-ड्रॉप साइलेंस जांच के साथ जनता की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 6 मई से इटानगर के चिम्पू स्थित सीबीआई कार्यालय के सामने धरना देने का फैसला किया है। यह तब तक जारी रहेगा जब तक मामले पर आधिकारिक रूप से प्रतिक्रिया नहीं मिलेगी। सीबीआई अधिकारियों पर एक कमजोर चार्जशीट जारी करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने बताया कि यह उन आरोपितों के खिलाफ सबूत जुटाने में विफल रही है, जो एपीपीएससी की गड़बड़ी में उनकी संलिप्तता साबित करने में विफल रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप मामले में शामिल अधिकांश आरोपित इन दिनों जमानत पर बाहर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पता चला है कि मामले में सीबीआई के साथ काम करने के लिए नियुक्त राज्य पुलिस कर्मी अब जांच में शामिल नहीं हैं। उन्होंने राज्य की पूरी जनता से एपीपीएससी पेपर-लीक मामले की जल्द से जल्द तार्किक समाधान के लिए जांच एजेंसी और राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए बड़े पैमाने पर धरने में भाग लेने की अपील की। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को इटानगर में कार्यालय स्थापित करने और इसकी जांच करने की भी अपील की।

सैमसंग ने सॉल्व फॉर टुमारो इनोवेशन प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किए आवेदन

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी विश्वविद्यालय में सैमसंग इंडिया द्वारा एक एजुकेशन एंड इनोवेशन रोड शो आयोजित किया गया। इस रोड शो में जोश से भरपूर कॉलेज के 500 युवा छात्रों ने कहा कि वे ऐसी कुछ सबसे जटिल समस्याओं को हल करना चाहते हैं, जिनका सामना इस समय राज्य और देश भर के लोग एवं समुदाय कर रहे हैं। यह रोड शो सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो प्रतियोगिता के दूसरे सीजन के तहत आयोजित किया गया था। गुवाहाटी में आईटीआई सहित विभिन्न कॉलेज से आए छात्रों ने रोडशो में भाग लिया और कहा कि वह वास्तवविक दुनिया की समस्याओं को हल करना चाहते हैं और एक अंतर लाना चाहते हैं। सैमसंग के ग्लोबल सीएसआर प्रोग्राम सॉल्व फॉर टुमॉरो के बारे में बात करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने कहा कि अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए उन्हें मार्गदर्शन और समर्थन चाहिए, इसके लिए सॉल्व फॉर टुमॉरो जैसे प्लेटफॉर्म की उन्हें बेहद जरूरत है। उन्होंने इस मौके पर उन आधुनिक तकनीकों के बारे में भी बात की, जिनकी मदद वे समस्याओं का समाधान खोजने के लिए ले सकते हैं। सैमसंग ने हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप हब तथा फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर दिल्ली के साथ नेशनल एजुकेशन एंड इनोवेशन कांपिटीशन सॉल्व फॉर टुमॉरो के दूसरे सीजन के लिए अपनी साझेदारी की घोषणा की है। सॉल्व फॉर टुमॉरो के साथ, सैमसंग का लक्ष्य देश के युवाओं के बीच नवीन सोच और समस्या समाधान की संस्कृति विकसित करना है। शीर्ष की तीन टीमों को अपने आइडिया को क्रियान्वित करने के लिए 1.5 करोड़ रुपए मिलेंगे, वहां टॉप 30 और टॉप 10 में पहुंचने वाले अन्य प्रतिभागियों को कार्यक्रम के विभिन्न चरणों में पुरस्कृत किया जाएगा। सॉल्व फॉर टुमॉरो के दूसरे सीजन के तहत भारत के 16 से 22 वर्ष की आयु के युवाओं से एजुकेशन एंड लर्निंग, एन्वायरमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी, हेल्थ एंड वैलनेस एवं डायवर्सिटी एंड इनक्लूजन थीम पर आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। युवा सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो के लिए वेबसाइट पर 04 अप्रैल, 2023 से लेकर 31 मई, 2023 को शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के बाईहाटा चाराली इलाके में हुई दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मंगलवार बाइहाटा चाराली के तिनाली में हुई सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अन्य एक सड़क दुर्घटना कमलपुर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर हुई। तेज रफ्तार बस (एएस-01एचसी-7819) द्वारा ठोकर मारे जाने से स्कूटी (एएस-01डीडब्ल्यू-4050) चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृत व्यक्ति की पहचान सेवानिवृत्त जवान परेश डेका के रूप में की गई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची कमलपुर पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल एंड कॉलेज अस्पताल में भेज दिया है। दोनों मामलों में पुलिस अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

घर में मिला महिला का शव, हत्या के शक में हिरासत में पति

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत बोको के एक अंदरूनी इलाके के गांव मकेली में एक महिला का शव उसके घर में मिला है। हत्या की आशंका में पुलिस ने उसके पति को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया है कि गांव मकेली में आईमी सुल्ताना नामक महिला का शव उसके घर में ही बिस्तर पर मिला। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला की हत्या किए जाने के संदेह में पुलिस ने उसके पति मकबूल अली को हिरासत में ले लिया है। आइमी की मौत का कारण जानने के लिए पुलिस उसके पति से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीण के घर से चार मवेशियों की चोरी

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिला के गोगामुख और इसके आसपास के इलाके में मवेशी चोरों द्वारा मवेशी चोरी किए जाने से स्थानीय ग्रामीण बेहद परेशान हैं। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गोगामुख जयपुर गांव के बिहूराम बसुमतारी के घर से चार बैल को चुराकर चोर फरार हो गए। मवेशियों के चुराए जाने से बिहुराम बसुमतारी काफी परेशान हैं। उन्होंने बताया है कि वह इन मवेशियों की मदद से खेतीबारी कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करते थे।

अवसंरचनात्मक कार्यों के लिए ट्रेनों को किया गया रद्द और नियंत्रित

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने सड़क उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लमडिंग मंडल के अधीन जागीरोड रेलवे स्टेशन पर एक रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण करने का निर्णय लिया है। रोड ओवर ब्रिज के बुनियादी ढांचे का कार्य करने के लिए पूसीरे द्वारा लगभग 18 दिनों के लिए ट्रैफिक ब्लॉक (ट्रेन नियंत्रण/रद्द/रेगुलेशन) लेना आवश्यक होगा। तदानुसार, मई माह में कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द/संक्षिप्त गंतव्य/ संक्षिप्त प्रस्थान, पुनर्निर्धारित और नियंत्रित किया जाना प्रस्तावित है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि कई ट्रेनों को लमडिंग स्टेशन के बजाय डिगारू रेलवे स्टेशन से संक्षिप्त गंतव्य/ संक्षिप्त प्रस्थान किया जाएगा। जिसमें ट्रेन संख्या 15769 (अलीपुरद्वार-लमडिंग) इंटरसिटी एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15770 (लमडिंग- अलीपुरद्वार) इंटरसिटी एक्सप्रेस 9 मई से 24 मई तक डिगारू से संक्षिप्त गंतव्य/ संक्षिप्त प्रस्थान होगी और डिगारू- लमडिंग के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। निम्नलिखित ट्रेनों को उनके वास्तविक समय से निम्नलिखित संबंधित स्टेशनों पर पुनर्निर्धारित किया जाएगा: ट्रेन संख्या 15666 (मरियानी- गुवाहाटी) बीजी एक्सप्रेस गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचने के लिए 9 मई से 24 मई तक मरियानी स्टेशन से 06.05 बजे के बजाय 08.15 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 07528 (हयबरगांव- गुवाहाटी) डेमू स्पेशल गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचने के लिए 9 मई से 24 मई तक हयबरगांव स्टेशन से 13.20 बजे के बजाय 14.20 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 07529 (गुवाहाटी-सिलघाट टाउन) डेमू स्पेशल सिलघाट टाउन रेलवे स्टेशन पहुंचने के लिए 9 मई से 24 मई तक गुवाहाटी स्टेशन से 16.30 बजे के बजाय 17.30 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 15630 (सिलघाट टाउन- ताम्बरम एक्सप्रेस) अपने गंतव्य ताम्बरम रेलवे स्टेशन पहुंचने के लिए 5, 12 और 19 मई को सिलघाट टाउन स्टेशन से 10.10 बजे के बजाय 12.30 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 12503 (एसएमवीटी बेंगलुरु- अगरतला) हमसफर एक्सप्रेस को 2, 5, 9, 12, 16 और 19 मई को 60 मिनट के लिए नियंत्रित किया जाएगा। ट्रेन संख्या 13282 (राजेन्द्र नगर-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस) को 6, 13 और 20 मई को 180 मिनट के लिए नियंत्रित किया जाएगा।

SHORT e-PROCUREMENT NOTICE / INVITATION FOR BIDS (IFB) NO. 07 OF 2023-24

On behalf of the Governor of Assam, Bids are invited on line through e-Procurement system against IFB No. 07 of 2023-24 from the eligible empanelled contractors having valid Bid ID / Unique ID under Jal Jeevan Mission Assam Public Health Engineering Deptt., Assam, in two Part viz., Part - I : Technical Bid and Part - II : Financial Bid, for "Implementation of Greater Biswanath Piped Water Supply Scheme (new) of Biswanath Chariali PHE Division under the programme Jal Jeevan Mission Assam." The detail Bid Document is available in the web portal www.assamtenders.gov.in and can be viewed from 04.05.2023 up to 16.00 Hr. of 24.05.2023. Bid is to be submitted through online and in no case manual bid shall be entertained.

Chief Engineer (PHE), Water, Assam, Cum
Addl. Mission Director, JJM Assam
Hengrabari, Guwahati - 36.

Janasanyog /C/1806/ 23

पृष्ठ एक का शेष

सरकार बनने पर ...

किसानों और अन्य के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित किया जाएगा। खरगे ने कहा कि उनकी सरकार दूध पर सब्सिडी पांच रुपए से बढ़ाकर 07 रुपए करेगी। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में महिला मुखिया को हर महीने 2000 रुपए देने, बेरोजगार ग्रेजुएट युवाओं को दो साल के लिए 3,000 रुपए प्रति माह और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपए प्रति माह भत्ता देने का वादा किया है। कांग्रेस का दावा है कि राज्य में सरकार बनने के बाद वह अन्नभाग्य योजना के तहत 10 किलो चावल प्रतिमाह देगी।

पहले भगवान राम...

उन्होंने (कांग्रेस) भगवान राम को बंद किया और अब उन्होंने *जय बजरंग बली* का नारा लगाने वालों को बंद करने की कसम खाई है। यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस को भगवान राम से दिक्कत थी और अब उसे जय बजरंगबली कहने वालों से दिक्कत है। प्रधानमंत्री मोदी ने वहां मौजूद लोगों से कहा कि भाजपा कर्नाटक को नंबर एक राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हनुमान जी के चरणों में शीश नवाकर मैं इस व्रत की सिद्धि की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने आगे संकल्प लेते हुए कहा कि भाजपा किसी को भी कर्नाटक के सम्मान और संस्कृति को नुकसान नहीं पहुंचने देगी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान विजयनगर राजवंश और उसके इतिहास की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विजयनगर राजवंश भारत का गौरव है। विजयनगर राजवंश के गौरवशाली शासक कृष्णदेवराय के नाम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने प्रयासों से इस क्षेत्र को अमर कर दिया। उन्होंने अपने समय में विभिन्न देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत किया था और कर्नाटक की संस्कृति को दुनिया भर में प्रसिद्ध किया था। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कटाक्ष कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी होने के कुछ देर बाद आया है। कांग्रेस ने अपने संकल्प पत्र में कहा कि नफरती संगठनों पर कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की तुलना संघ से जुड़े विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग दल से करते हुए कहा कि वह ऐसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाएगी, जो दुश्मनी या नफरत को बढ़ावा देते हैं। कांग्रेस ने कहा कि हमारा मानना है कि कानून और संविधान पवित्र है और बजरंग दल, पीएफआई जैसे व्यक्तियों और संगठनों द्वारा इसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता है।

बजरंग दल पर ...

विहिप के संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने मंगलवार को एक वीडियो वक्तव्य में कहा कि कांग्रेस द्वारा बजरंग दल को गलत तरीके से बदनाम करने की साजिश को देश की जनता स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने घोषणा पत्र को लेकर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर भी सीधा निशाना साधा और कहा कि उन्होंने संसद में सिमी जैसे संगठनों पर प्रतिबंध का विरोध किया था और उनकी पार्टी ने सड़क पर इसके विरोध में प्रदर्शन किया था। इससे कांग्रेस का छिपा एजेंडा सामने आ गया है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने राष्ट्रवादी बनाम देशद्रोही की विचारधारा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि इतनी दुर्गति होने के बाद भी कांग्रेस को अकल नहीं आ रही है। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस का नाटक बहुत हो चुका और ये घोषणा पत्र ही कांग्रेस के अंत का कारक बनेगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में बजरंग दल की तुलना प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से करते हुए उस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गयी है। बजरंग दल विहिप की एक इकाई है। संगठन आज कांग्रेस के घोषणापत्र के मुद्दे पर पार्टी के 24 अकबर रोड स्थित मुख्यालय पर उसके खिलाफ प्रदर्शन भी करेगा।

मुस्लिमों को खुश ...

मैदान पर हैं। इसी बीच पूर्वोत्तर के चाणक्य कहलाने वाली हिमंत विश्व शर्मा से भी कमान संभाली। उन्होंने अपने अंदाज में सिद्धारमैया सरकार पर हमला बोला। असम सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि पीएफआई पर पहले से प्रतिबंध लगा हुआ है। ये लोग मुस्लिमों को खुश करने की राजनीति कर रहे हैं। इसीलिए बजरंग दल पर बैन की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया सरकार ने पीएफआई के केस वापस लिए हैं। इसलीए वो ऐसी बातें कर रहे हैं। हिमंत ने सवाल किया कि केरल में मुस्लिम लीग से गठबंधन क्यों किया है? हिमंत ने कहा कि कांग्रेस का मैनीफेस्टो पीएफआई और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों जैसा दिख रहा है। ये लोग तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। दरअसल, बीते साल सरकार ने पीएफआई और इससे जुड़े संगठनों पर पांच साल का बैन लगा दिया था। बड़े पैमाने में गिरफ्तारियां हुईं थीं। कांग्रेस के मैनिफेस्टों में वादा किया गया है कि अगर राज्य में उनकी सरकार बनती है तो चार परसेंट मुस्लिम आरक्षण लागू किया जाएगा। भाजपा सरकार ने इसको हटा दिया था। कांग्रेस ने मैनिफेस्टों में वादा किया है कि आरक्षण की सीलिंग को 50 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी की जाएगी। एससी रिजर्वेशन को 15 से 17, एसटी आरक्षण को 3 से 4 फीसदी तक बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा महिला वोटर्स को लुभाने के लिए तीन लाख तक ब्याजमुक्त लोन का भी वादा किया गया है। कांग्रेस ने वादा किया है कि अल्पसंख्यक कल्याण का बजट 10 हजार करोड़ किया जाएगा। पीएफआई की जड़ें दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा फैली हुईं थीं। कर्नाटक और केरल से बड़े पैमानों में गिफ्तारी हुई थी। कर्नाटक चुनाव हाई वोल्टेज मोड में डायवर्ट हो गया है। कांग्रेस भाजपा के आलाकमान कर्नाटक में मौजूद हैं। जिंदाबाद-जिंदाबाद नारों से बेंगलुरु गूंज रहा है। पीएम मोदी आज रैलियां और रोड शो कर रहे हैं। अमित शाह भी रैली कर रहे हैं। हिमंत विश्व शर्मा भी लगे हुए हैं। दूसरी तरफ प्रियंका, राहुल, मल्लिकार्जुन खरगे भी रैलियां, रोड शो कर रहे हैं।

एनआरसी वक्त की...

सामान्य श्रेणी में शामिल कर लिया। इसमें वे 10 फीसदी कोटा के लिए मुकाबला करेंगे। न्याय के लिए इस नियम का क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार समान नागरिक संहिता को लागू कर लैंगिक न्याय और मुस्लिम महिलाओं के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करेगी। यह फैसला बेहद ऐतिहासिक है। इस संदर्भ में डॉ शर्मा ने कहा कि कर्नाटक भाजपा ने बहुत साहसिक कदम उठाया है। इसके जरिए पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग उठाई जाएगी। डॉ शर्मा ने कहा कि इसके अलावा पूरे देश में नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर (एनआरसी) को लागू करना समय की मांग है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अम्बेडकर ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में भारत के संविधान को तैयार किया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व का संविधान धार्मिक आरक्षण के खिलाफ था। असम के मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की विफलता के विभिन्न पहलुओं की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा शुरू की गई नीतियों के परिणामस्वरूप कर्नाटक की सामाजिक-राजनीतिक पवित्रता को नुकसान पहुंचा है कांग्रेस को घोर भ्रष्ट पार्टी बताते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक की अनुसूचित जाति और जनजाति पर विचार किए बिना धर्म आधारित आरक्षण के माध्यम से समाज में खाई पैदा करने की कोशिश की है। इसके लिए निंदा काफी नहीं है, इस पार्टी को उखाड़ फेंकना होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने महादेव शिव के गले में जहरीले सांप का उदाहरण देते हुए कहा कि हां, मोदी सांप हैं, लेकिन मोदी भ्रष्ट कांग्रेसियों के लिए सांप हैं। यह सांप उन्हें जरूर काटेगा। इसके लिए उन्हें तैयार रहना होगा। उधर कांग्रेस ने जो घोषणापत्र जारी किया है बह पूरा मुसलमान घोषणा पत्र है। जिन्ना भी जिंदा होते तो ऐसा घोषणा पत्र जारी नहीं करते। हिमंत ने कर्नाटक में मुस्लिमों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण खत्म करने के भाजपा के फैसले को *ऐतिहासिक* कदम बताया।

संयम बरतें : चुनाव ...

की ओर से पीएम नरेंद्र मोदी और संवैधानिक अधिकारियों के लिए जिस तरह की आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह उनकी हताशा को दर्शाता है। हमाने चुनाव आयोग से मांग की कि खरगे और उनके बेटे के खिलाफ कार्रवाई करे और आदर्श आचार संहिता लागू करे। वहीं, कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा चीफ जेपी नड्डा पर नफरती भाषण देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा के तीनों नेताओं ने कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान ऐसी टिप्पणियां की, जो नफरती भाषण के दायरे में आती हैं। कांग्रेस ने चुनाव आयोगी से इन तीनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शरद पवार ने ...

पार्टी के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि 1999 में एनसीपी के गठन के बाद से पिछले 24 वर्षों से एनसीपी के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हूं। यह पूरा सफर 1 मई 1960 से सार्वजनिक जीवन में शुरू हुआ और पिछले 63 सालों से लगातार चल रहा है। उन्होंने कहा कि इन 56 वर्षों में मैं किसी न किसी सदन के सदस्य या मंत्री के रूप में लगातार काम करता रहा हूं। राज्यसभा की सदस्यता के अगले 3 साल बचे हैं। इस अवधि के दौरान मैं राज्य और देश के मामलों पर अधिक ध्यान दूंगा, इसके अतिरिक्त मैं कोई अन्य जिम्मेदारी नहीं लूंगा। उन्होंने कहा कि मैं शिक्षा, कृषि, सहयोग, खेल, संस्कृति के क्षेत्र में और अधिक काम करने का इरादा रखता हूं। साथ ही मैं युवाओं, छात्र संगठनों, श्रमिकों, दलितों, आदिवासियों और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करूंगा। शरद पवार के इस एलान के बाद छगन भुजबल, जितेंद्र आव्हाड और दिलीप वलसे पाटिल सहित राकांपा नेताओं ने कहा कि हम राकांपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के आपके फैसले को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। हम चाहते हैं कि आप अपने फैसले पर पुनर्विचार करें।

बोकाखात : पुलिस अधिकारी ...

पुलिस मौके पर पहुंच गई और वहां मौजूद चारों सुरक्षाकर्मियों को हिरासत में ले लिया और उनकी एके-47 राइफलें भी जब्त कर ली हैं। पुलिस हिरासत में लिए गए सुरक्षाकर्मियों में छोटेलाल शर्मा, कंकन पातर, मधुर्ज्य बोरठाकुर और कंकन दास के रूप में हुई है। उन पर अवैध रूप से आग्नेयास्त्रों रखने और आम लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है। मामले की जांच अभी भी चल रही है और मामले के विवरण का खुलासा किया जाना बाकी है।

मेघालय विस के प्रबोधन ...

करते हुए कि नियोजित ढंग से सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालना अनुचित है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों का आह्वान किया कि उन्हें सदन में ऐसा आचरण करना चाहिए, जिससे देश और प्रदेश तक यह संदेश जाए कि राष्ट्र के समक्ष उपस्थित समस्याओं पर सदन में पूरी प्रतिबद्धता और सरोकार के साथ विचार हो रहा है। किसी भी विषय पर विरोध दर्ज करने के लिए सभा की कार्यवाही को बाधित करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इससे जनता में यह गलत संदेश जाता है कि जनसामान्य तो इतनी परेशानियों में घिरा है और उसके प्रतिनिधि सदन का कीमती समय नष्ट कर रहे हैं। बिरला ने सुझाव दिया कि सदन में सहमति हो, असहमति हो, पर व्यवधान और शोरगुल ना हो। इससे पहले मेघालय विधान सभा के अध्यक्ष थॉमस ए सांग्मा ने प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अध्यक्ष बिरला को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि इससे सदस्यों के क्षमता निर्माण में सहायता होगी। लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और अपर सचिव प्रसेनजीत सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा मेघालय विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए इस प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

जबरन वसूली के ...

कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बलपूर्वक धन संग्रह करने के संबंध में सरकार के निर्देशों को असम पुलिस द्वारा सख्ती से लागू किया जाएगा। सिंह ने कहा कि आरोपी और उसके समूह के कुछ अन्य सदस्यों ने पिछले सप्ताह शिवसागर जिले के एक व्यापारी से कथित तौर पर आर्थिक दान की मांग की थी। जब व्यक्ति ने यह कहते हुए उन्हें माना कर दिया कि वह पहले ही एक व्यापार संघ के जरिए अपने हिस्से का भुगतान कर चुका है, तो चालिहा ने उसे अपशब्द कहे और उसके चेहरे पर थूक दिया। यह घटना दुकान के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी और तब से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी। पीड़ित व्यापारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर चालिहा को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पहले पुलिस को निर्देश दिया था कि सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नाम पर दान की मांग करने वाले किसी भी व्यक्ति या संगठन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सूचना एवं जनसंपर्क...

सभागार में आयोजित बैठक में विदाई दी गई। विदाई बैठक की अध्यक्षता सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक मानवेंद्र देब राय ने की और कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने ब्रह्म के समर्पण और दक्षता के साथ-साथ उनके मजबूत नेतृत्व का उल्लेख किया। बैठक को संबोधित करते हुए निदेशक श्री राय ने कहा कि सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक के प्रति प्रेम एवं सम्मान के रूप में श्री ब्रह्म के नाम से एक हेल्प डेस्क खोला जाएगा, जो भविष्य में आपात स्थिति में सेवानिवृत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहायता करेगा। जिला एवं अनुमंडल कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं के रूप में शुगर एवं ब्लड प्रेशर मापने की मशीन उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त निदेशक ज्योतिर्मय चक्रवर्ती एवं दीननाथ लॉयिंग, डोप निदेशकद्वय प्राणजीत कुमार हजारिका एवं जाहिद अहमद तपड़ा तथा निदेशालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

फांसी के बजाए ...

कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए इस मामले में एक एक्सपर्ट कमेटी बनाने का संकेत दिया था। साथ ही कोर्ट ने एनएलयू, एम्स समेत कुछ बड़े अस्पतालों से साइंटिफिक डेटा जुटाने को कहा था। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल वेंकटरमणी ने कहा था कि अगर कोई कमेटी बनती है तो हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। दरअसल, इस याचिका में फांसी को मौत का सबसे बर्बर तरीका बताया गया है और कहा गया है कि मौत की सजा के लिए फांसी नहीं कोई और तरीका अपनाया जाए। ताकी मौत की सजा ऐसी हो, जिसमें दर्द कम हो और मौत का डर भी न सताए, क्योंकि इससे ज्यादा मौत का डर दुखदायी होता है।

असम व मणिपुर के ...

विश्वविद्यालय के छात्रों और फैकल्टी के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस सत्र में युवाओं को अपने विचारों को रखने का मौका मिलेगा। दौरे के अंतिम चरण में धनखड़ इंफाल में मणिपुर विश्वविद्यालय जाएंगे, जहां वे देशभर के विभिन्न केंद्रीय संस्थानों के संकायों व वैज्ञानिकों के साथ एक संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री डॉ राजकुमार रंजन सिंह भी उपस्थित रहेंगे। धनमंजुरी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मणिपुर सरकार के शिक्षा मंत्री बसंत सिंह भी मौजूद रहेंगे।

सट्टेबाजी से संबंधित ...

पर रोक लगाने को लेकर केंद्र सरकार ने पहले ही एडवाइजरी जारी की थी। इसके साथ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सभी मीडिया प्लेटफॉर्म को इससे जुड़े विज्ञापन नहीं दिखाने के निर्देश दिए थे, लेकिन मंत्रालय के पास कई राज्यों में सट्टेबाजी को लेकर होर्डिंग, बैनर लगाए जाने के मामले सामने आए हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल एकादश अध्याय

(ब्रह्म-वृक्ष)

ऊर्ध्व व अर्ध रहस्य को, भीतर बाहर ज्ञान।
दृश्य अलौकिक तत्व है, समझत सन्त सुजान॥ 15॥

शब्दार्थ : (ऊर्ध्व) ऊपर (अर्ध) नीचे (रहस्य) मर्म, भेद (सुजान) अनुभवी सन्त (अलौकिक) अप्राकृतिक (तत्व) पदार्थ।

भाष्य : ऊर्ध्व और अर्ध के भेद तथा बाहर-भीतर के ज्ञान को अनुभवी संत जानते हैं। वह चेतन दृश्य प्रकृति से परे है। इस अप्राकृतिक तत्व का ज्ञान योगियों को होता है।

महिमा परम विराज की, खानि सर्व विज्ञा॥
ऊर्ध्व असीम अनन्त है, अर्ध में सृष्टि महान॥ 16॥

शब्दार्थ : (परम विराज) चेतन समाधि-मण्डल (खानि) ओबरी, उत्पत्ति स्थान।

भाष्य : परम विराज अर्थात चेतन समाधि-मंडल की महिमा महान है, जो समस्त विज्ञान का उत्पत्ति स्थान है। ऊर्ध्व, असीम एवं अनंत महाप्रभु है और अर्ध में यह विशाल महान सृष्टि है। परमप्रभु ही समस्त विज्ञान का कारण है। समस्त विज्ञान का कोष चेतन समाधि-मंडल है। वहीं से ज्ञान प्रकट हो कर योगियों द्वारा संसार में फैलता है।

जीएसटी संग्रह में शीर्ष पर असम सहित पूर्वोत्तर

मिजोरम अप्रैल 2023 में सबसे कम संग्रह के साथ सबसे पीछे

गुवाहाटी। अप्रैल 2022 में 1,313 करोड़ रुपए की तुलना में अप्रैल 2023 में असम में कुल 1,513 करोड़ रुपए का माल और सेवा कर (जीएसटी) एकत्र किया गया है। एक आधिकारिक बयान में इस बात की पुष्टि गई है। अप्रैल के महीने में सकल जीएसटी राजस्व 1,87,035 करोड़ रुपए है, जिसमें सीजीएसटी 38,440 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 47,412 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 89,158 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 34,972 करोड़ रुपए सहित) और उपकर 12,025 करोड़ (माल के आयात पर एकत्रित 901 करोड़ रुपए सहित) रुपए है। हालांकि, पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में, असम जीएसटी संग्रह में पहले स्थान पर रहा, जबकि मिजोरम अप्रैल 2023 में केवल

71 करोड़ रुपए के संग्रह के साथ पीछले स्थान पर आया। अप्रैल 2022 में यह 46 करोड़ रुपए था। इसके अलावा, सिक्किम ने अप्रैल 2022 में 264 करोड़ की तुलना में अप्रैल 2023 में कुल 426 करोड़ रुपए के जीएसटी संग्रह में 61 प्रतिशत की छलांग दर्ज की। बयान के अनुसार, अप्रैल 2022 में अरुणाचल प्रदेश का जीएसटी संग्रह 196 करोड़ रुपए था, जबकि इस साल अप्रैल में राज्य ने कुल 238 करोड़ रुपए एकत्र किए, इसके बाद नागालैंड (22 अप्रैल को 68 करोड़ और 23 अप्रैल को 88 करोड़), मणिपुर (22 अप्रैल को 69 करोड़ रुपए और 23 अप्रैल को 91 करोड़ रुपए), त्रिपुरा (22 अप्रैल को 107 करोड़ रुपए और 23 अप्रैल को 133 करोड़ रुपए) और मेघालय (22 अप्रैल को 227 करोड़ रुपए और 23 अप्रैल को 239 करोड़ रुपए)। इस बीच, सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी में 45,864 करोड़ रुपए और एसजीएसटी में 37,959 करोड़ रुपए का निपटान किया है। बयान में कहा गया कि नियमित निपटान के बाद अप्रैल 2023 में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 84,304 करोड़ रुपए और एसजीएसटी के लिए 85,371 करोड़ रुपए रहा। इसने आगे कहा कि अप्रैल 2023 के महीने का राजस्व पिछले साल इसी महीने में जीएसटी राजस्व से 12 प्रतिशत अधिक है। उल्लेखनीय है कि माह के दौरान घरेलू लेन-देन (सेवाओं के आयात सहित) से प्राप्त राजस्व पिछले वर्ष इसी माह के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। पहली बार, सकल जीएसटी संग्रह ने 1.75 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार किया है। बयान में आगे कहा गया है कि मार्च 2023 के महीने में कुल 9.0 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए, जो फरवरी 2023 के महीने में उत्पन्न 8.1 करोड़ ई-वे बिलों की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है।

चंदे को लेकर व्यवसायी के मुंह पर थूकने की घटना की पूप्रमायुमं ने की निंदा

होजाई (होसं)। शिवसागर में एक शृंखल चलिहा नामक युवक द्वारा एक व्यवसायी के मुंह पर थूक फेंके जाने की घटना की पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच ने कड़े शब्दो में निंदा की हैं। पूप्रमायुम के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने इस संबंध में आज बताया कि चंदे के नाम पर एक जाति विशेष समुदाय को टारगेट कर लिया जाता हैं। परंतु बिहू असम में रहने वाले सभी समुदाय का जातीय उत्सव है और सभी समाज द्वारा बिहू आयोजित किए जाते हैं। पूप्रमायुम के शाखा स्तर से लेकर प्रांत स्तर तक बिहू का आयोजन करती आई हैं व हमेशा करती रहेगी। जबकि असम के मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की है कि बिहू उत्सव के दौरान किसी से जबर्दस्ती चंदा नही लें और अपने पैसों से बिहू का आयोजन करें। इस अपील बावजूद कुछ आयोजन समिति द्वारा जबर्दस्ती चंदा वसूले जाना व चंदा देने में अपनी असमर्थता दिखाने पर गाली-ग्लोज और अपशब्द कहना कतई जायज नही हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विगत 28 अप्रैल को शिवसागर के एक व्यवसायी के ऊपर चंदे को लेकर उनके मुंह में थूकने की घटना सामने आया है। जिसका हम पूरजोर विरोध करते हैं। साथ ही असम सरकार के साथ पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों से अपील करते हैं की ऐसी घटना की पुनरावृति न हो और दोषी को उपयुक्त सजा दी जाए।

सेवानिवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए पेंशन स्वीकृति पत्र सौंपे गए

रंगिया/अमीनगांव (विभास)। कामरूप जिले में 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के कुल 38 शिक्षकों और कर्मचारियों को आज पेंशन लाभ के विभागीय स्वीकृति पत्र सौंपे गए। यह कार्यक्रम आज कामरूप जिले के एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कामरूप जिले के विद्यालय निरीक्षक, अपूर्ब ठाकुरिया ने समारोह में भाग लिया और सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए जिला शिक्षा विभाग द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह कामरूप शिक्षा विभाग की पारदर्शी पहल है। जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे ने सेवानिवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों के बारे में बताया। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से सेवानिवृत्ति के दौरान शिक्षा व्यवस्था से जुड़े रहने का भी आग्रह किया। बैठक में आमंत्रित अतिथि के रूप में पूब कामरूप महाविद्यालय के असमिया विभाग के सेवानिवृत्त प्रमुख प्रोफेसर खगेन तालुकदार ने भाग लिया। उन्होंने सेवानिवृत्त शिक्षकों से पढ़ाई के साथ जुड़े रहने और ज्ञान के प्रकाश से समाज को रोशन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जानने और बताने की कोई सीमा नहीं होती है और उन्हें प्रेरित करने के लिए महीने में कम से कम एक बार छात्रों से मिलकर उन्हें अनुप्रेरणा प्रदान करने का आग्रह किया। बैठक में सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी रॉबिन पाठक ने संबोधित किया और सेवानिवृत्त शिक्षकों से स्वैच्छिक रूप से वीईएसपीए योजना में शामिल होने का आग्रह किया। सेवानिवृत्त शिक्षकों ने भी समारोह में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। बैठक में कामरूप जिले के अधिबिद्या परिषद के सचिव रफीकुद्दीन अहमद सहित बहुत से गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आदर्श जातीय विद्यालय में दुर्लभ प्रजाति की छिपकली मिलने से मची हड़कंप

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के सामरिया प्रखंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत पलाहरतारी के आदर्श जातीय विद्यालय में आज दोपहर एक दुलर्भ जाति की छिपकली मिला। जिससे विद्यालय के छात्रों के बीच हड़कंप मच गई। इसके बाद स्कूल के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने मिलाकर छिपकली को जाल बिछाकर उसमें में फंसा लिया। वहीं विद्यालय के प्राधानाध्यपक डॉ. रमेन बायन ने स्थानीय नागरबेड़ा राजस्व क्षेत्राधिकारी बनश्री मालाकार को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद नगरबेड़ा नदी पुलि व वन अधिकारी कार्यालय से कर्मचारियों का एक दल उक्त विद्यालय में पहुंचे। वन विभाग के कर्मचारियों ने छिपकली को अपने कार्यालय लाकर बाद में उसे बोको वन रिजर्व में छोड़ दिया।

विधायक भवेश कलिता ने शहीद भवन प्रांगण का किया मुआयना

रंगिया (विभास)। रंगिया के ऐतिहासिक राईजमेल कृषक शहीद भवन के सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से आज रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने शहीद भवन प्रांगण का निरीक्षण किया तथा इसके अंदरूनी ढाँचे के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही उन्होंने आने वाले दिनों में कृषक शहीद स्मृति को एक नए रूप में सजाने की परिकल्पना की। इस मौके पर उनके साथ रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन, रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, उपाध्यक्ष विद्युत डेका, भाजपा उत्तर कामरूप जिला अध्यक्ष सुबल पाल, लोक निर्माण विभाग के कार्यवाहक अभियंता दीपक बैश्य, रंगिया राईजमेल कृषक भवन

स्मृति रक्षा समिति के पविन कलिता सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

मणिपुर : प्रभावित जिले में रात का कर्फ्यू जारी

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सोमवार को लगातार तीसरे दिन रात का कर्फ्यू जारी है, जबकि पिछले 48 घंटों में पहाड़ी जिले में हिंसा की कोई ताजा घटना नहीं हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि एहतियात के तौर पर जिला प्रशासन ने अगले आदेश तक रात का कर्फ्यू जारी रखने का फैसला किया है। अफीम की अवैध खेती करने वालों के खिलाफ राज्य सरकार की कार्रवाई के खिलाफ आदिवासियों द्वारा नए सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू करने और वन भूमि में अफीम के खेतों को नष्ट करने के बाद, विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में आरक्षित और संरक्षित जंगलों में, सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने सहित हिंसा की घटनाएं शुरू हुई। जिला प्रशासन ने शनिवार को चुराचांदपुर जिले में शाम पांच बजे से सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू लगाया था, जो अब भी जारी है। हालांकि, दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान और बाजार फिर से खुलने के साथ ही रविवार से दिन के समय सामान्य गतिविधियां देखने को मिलीं। अज्ञात बदमाशों ने शुक्रवार को सरकारी भवन में आग लगा दी, संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया और दस्तावेजों को नष्ट कर दिया। गुरुवार की हिंसा की घटनाओं के बाद, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने चुराचांदपुर जिले का अपना शुक्रवार का दौरा रद्द कर दिया था। मुख्यमंत्री शुक्रवार को चुराचांदपुर के न्यू लमका टाउन के सद्भावना मंडप में जनसभा को संबोधित करने वाले थे और पीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ओपन जिम का उद्घाटन करने वाले थे।

समलैंगिक विवाह के विरुद्ध सचेतन नागरिक मंच, कोकराझाड़ ने सौंपा ज्ञापन

कोकराझाड़ (विभास)। आज कोकराझाड़ जिला उपायुक्त के कार्यालय में सचेतन नागरिक मंच ने समलैंगिक विवाह के विरुद्ध राष्ट्रपति को जिला उपायुक्त के जरिए एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन जिला समिति के सचिव रिकेश अग्रवाला के नेतृत्व में मंच के कार्यकर्ताओं का एक दल कोकराझाड़ जिला उपायुक्त वर्णाली डेका से मुलाकात कर सौंपा। ज्ञापन में समलैंगिक विवाह को लेकर जो कानून कार्यान्यन किया गया है। जिसका मंच ने पूरजोर विरोध किया है। इसी के विरोध में मंच ने जिला उपायुक्त के जरिए राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा गया है।

नाहरकटिया में शव मिलने से फैली सनसनी

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिला के नाहरकटिया पौर सभा कार्यालय के समीप मंगलवार की सुबह एक व्यक्ति का शव देखे जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि नाहरकटिया पौर सभा कार्यालय के समीप बाजार गृह में एक व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान नरेश प्रजा (50) के रूप में की गई है।

दररंगा फील्ड फायरिंग रेंज में धमाका, एक जवान शहीद

नई दिल्ली। असम के तामुलपुर में दररंगा फील्ड फायरिंग रेंज में ब्लास्ट के कारण एक जवान शहीद हो गया। शिल्पकार संदीप कुमार रेंज में सेंट्री ड्यूटी के दौरान ब्लास्ट में घायल हो गए थे। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि वह (कुमार) विस्पोट में गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस विस्पोट के बाद रेजिमेंट के मेडिकल अफसर से उसे तुरंत चिकित्सकीय सहायता प्रदान की गई थी। उसे गुवाहाटी के बेस अस्पताल में दाखिल किया गया, जहां उसने अपनी चोट के सामाने घुटने टेक दिए। घटना की सच्चाई जानने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं। कुमार हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले का रहने वाला था। उसके घर में उसकी पत्नी और एक साल का एक बेटा है। प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय सेना कुमार की मृत्यु पर शोक व्यक्त करती है और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी आइकॉन का पहला नॉर्थ ईस्ट हेल्थ केयर समिट 2023 संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी आइकन्स ने 28 अप्रैल 2023 को न्यूज18 असम और नॉर्थ ईस्ट के सहयोग से यहां रेडिसन ब्लू होटल में नॉर्थ ईस्ट राज्यों के मेडिकल बिरादरी की प्रतिष्ठित हस्तियों की मौजूदगी में पहले नॉर्थ ईस्ट हेल्थ केयर समिट 2023 का आयोजन किया। डॉ. सपम रंजन सिंह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, मणिपुर सरकार ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि डॉ. मोहन श्याम कोंवर, तत्कालीन पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर और डॉ. कामेश्वर सिंह एलंगबम, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2025-26, रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3240 सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। रुद्रजीत कुमार लस्कर ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि रोटरी के पास सात फोकस क्षेत्र हैं और स्वास्थ्य उनमें से एक है और पिछले 35 वर्षों में वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल के लिए अत्यधिक योगदान दिया है और पृथ्वी से पोलियो को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य इस क्षेत्र से संबंधित कुछ मुद्दों को चिन्हित करना और सामने लाना था और क्षेत्र के इस हिस्से में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में सुधार के लिए किए गए अथक कार्य और समर्पित सेवा को स्वीकार करना था। न्यूज18 असम एनई के डिप्टी एडिटर श्री

निलोय भट्टाचार्य और न्यूज18 असम एनई के सीनियर एसोसिएट एडिटर श्री पार्थ ज्योति बोरा ने पूर्वोत्तर का बदलता मेडिको परिदृश्य विषय पर पैनल चर्चा की। एम्स के कार्यकारी निदेशक प्रो. अशोक कुमार पुराणिक के साथ एक नई आशा और पैनलिस्ट के रूप में मणिपुर के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. सपम रंजन सिंह शामिल थे। पैनलिस्ट ने वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के उत्थान के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण भी पेश किया। जूरी सदस्यों की एक टीम डॉ. जदुनाथ बुरगोहाईं, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ. चंदन नाग चौधरी, कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक-जॉइंट रिप्लेसमेंट एंड हैंड सर्जन; श्री महादेव डेका, बॉडीबिल्डर, फिटनेस विशेषज्ञ, मिस्टर यूनिवर्स; डॉ. गीतारॉयमेधी, हेल्थकेयर मैनेजमेंट विशेषज्ञ द्वारा पूरी तरह से जांच के बाद संस्थान और व्यक्तियों को सम्मान के लिए चुना गया है। इवेंट के प्रायोजक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, ऑयल इंडिया लिमिटेड, एसोसिएट पार्टनर्स रिलायंस इंडिया लिमिटेड, एन एच नारायणा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बाफना, स्पेशल पार्टनर्स डायरेक्टोरेट ऑफ हेल्थ सर्विसेज असम थे। इस अवसर पर जिन लोगों को सम्मानित किया गया है, उनमें आपातकालीन देखभाल में उत्कृष्टता : एफ अपोलो अस्पताल गुवाहाटी, ऑर्थो और ट्रॉम में सुपरस्पेशलिस्ट हेल्थकेयर संस्थान- सीओआरएएस प्रतीक्षा आर्थोपेडिक अस्पताल, रोगी सुरक्षा में उत्कृष्टता के लिए एनएच नारायणा सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल, बाफना।

गरीब बच्चों के चेहरों पर लायंस उमंग ने लाई मुस्कान

गुवाहाटी (विभास)। समाजसेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से श्रमिक दिवस के मौके पर उनके बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषि सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में लायंस जिला 322जी के वन डिस्टिक वन एक्टिविटी कार्यक्रम के तहत क्लब की ओर से दो अलग-अलग स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों के बच्चों के बीच खिलौने सहित चॉकलेट व अन्य वस्तुएं बाटी गई। अध्यक्ष श्रीमती सोनी ने बताया कि बच्चों के चेहरे पर मुस्कान

देखकर श्रमिक भाइयों के चेहरे भी खिल उठे। उन्होंने बताया कि पहला कार्यक्रम एटी रोड स्थित कोल गली बस्ती पाड़ा तथा दूसरा तरुण राम फुकान पार्क में किया गया। साथ ही बच्चों को पार्क की सैर कराते हुए झुले का भी सभी बच्चों ने जमकर आनंद उठाया। इस कार्य को संपादित करने में सचिव कंचन पोद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन, सुजाता जैन, संगीता मित्तल सहित सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

TO SHORT NIT No. 1 of 2023-24

Memo No, RBDI/TECH/23/2021-22/37

Sealed tenders in prescribed forms, affixing non refundable court fee stamps of Rs. 8.25 (Rupees eight and paise twenty five) only are invited by the Undersigned from Registered Contractors of this Department/Firms for the following work under this Division The tenders will be received at the office of the Undersigned Up to **2:00 PM of 04 May /2023** and will be opened at **2.30 PM** on the same date in presence of the intending contractors or their authorized agents if any. If the date of opening, of the tender falls on holiday or 'bandh', the same will be received and opened on the next working day at the same place and time.

Detail specifications of the works, terms 4 conditions etc. may be collected from the office of the Undersigned on written request during office hours on all working days up to **12' O Clock of 04 May/2023** on payment of **Rs. 200.00 (Two hundred) only** in the form of cash to the undersigned.

Group	Name of the Work	Estimated Value	Earnest Money	Time of Completion
A	Compount filling, Goat proof Net & installlation of Signboard at Raha Batadrava Division (Irrigation) Kachamari Office under SOPD for the year 2021-22	Rs. 1.94151L	2% for Est. value (1% for SC, ST, OBC etc.)	30 (Thirty) days from the date of issue of final work order
B	INTD. I.S. for KRB & SRB-Repairing & Restoration of Flood Damage works at DAKHINPAT (R/B) ILP Scheme under SOPD-FDR for the year 2022-23	Rs. 5.10000L	2% for Est. value (1% for SC, ST, OBC etc.)	30 (Thirty) days from the date of issue of final work order

Executive Engineer
Raha Batadrava Division
(Irrigation) Batadrava

-- Janasanyog /C/1797/ 23

अंग्रेजी और इतिहास विभाग के फैकल्टी स्टूडेंट्स एकादमिक एक्सचेंज प्रोग्राम संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के गीतानगर स्थित कन्या महाविद्यालय में महाविद्यालय के अंग्रेजी और इतिहास विभाग तथा पूर्व बोंगसर महाविद्यालय के अंग्रेजी व इतिहास विभाग के सहयोग से फैकल्टी/स्टूडेंटस अकादमिक एक्सचेंज प्रोग्राम पर एक बैठक हुई। बैठक में कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सत्यजीत कलिता ने कहा कि दोनों कॉलेज के समन्वय से एक सुंदर वातावरण पैदा होगा। पूर्व बोंगसर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रणिता वैश्य ने शिक्षा पर महत्वपूर्ण वक्तव्य रखा। पूर्व बोंगसर महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक व अंग्रेजी विभाग के सहायक अध्यापक डॉ. ध्रुवज्योति मालाकार ने दोनों कॉलेज के विद्यार्थियों की उपस्थिति में सांस्कृतिक और शिक्षा विषय पर अपने विचार रखे। इतिहास विभाग के प्रमुख अध्यापक गुप्तजीत पाठक के संचालन में हुए कार्यक्रम में कन्या महाविद्यालय के अंग्रजी विभाग की हाथों से लिखी गई पत्रिका का लोकार्पण किया गया। पूर्व बोंगसर कॉलेज के इतिहास विभाग की सहायक अध्यापक गीतारानी दास और आहादुल खंडकर और कन्या महाविद्यालय के विभिन्न विभाग के सहायक अध्यापक तथा दोनों कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी अपने अपने विचार रखे।

बिलासीपाड़ा के शिमलाकांदी में आग से तीन घर जलकर खाक

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिलांतर्गत बिलासीपाड़ा के शिमलाकांदी गांव में अचानक लगी भयावह आग के चलते अफरा-तफरी मच गई। गांव में आग लगने से अफजल अली नामक एक व्यक्ति के तीन घर जलकर राख हो गए। आग में कई मवेशियों की भी जलकर मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि बीती मध्य रात हुए हादसे में लगभग 15 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति और 50 हजार रुपए नकद जलकर राख हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आतंक और आतंकवादियों का तुष्टीकरण करती है कांग्रेस : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर आतंक और आतंकवादियों के तुष्टीकरण का आरोप लगाया। उन्होंने दिल्ली के बाटला हाउस में हुई मुठभेड़ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सुनकर कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता की आंखों में आंसू आ गए थे। यह लोग सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक में देश की सेनाओं के सामर्थ्य पर सवाल खड़ा करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एक चुनावी जनसभा में कहा कि आजादी के अमृतकाल में कर्नाटक का यह पहला चुनाव है। यह चुनाव तय करेगा कि अगले 25 वर्षों में कर्नाटक विकास की किस ऊंचाई को छू लेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कांग्रेस पर जनता से झूठे वादे करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी भी उनकी पार्टी द्वारा किए गए कार्यों का मुकाबला नहीं कर सकती। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में किए गए कार्यों का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने आदिवासियों के लिए 400 से अधिक एकलव्य मॉडल स्कूल बनाए। वहीं कांग्रेस सरकार ने बच्चों के यूनिफॉर्म में भी घोटाला कर दिया। विपक्षी कांग्रेस और जनता दल सेक्यूलर की प्राथमिकता में राज्य का विकास ना होने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों दलों से जनता को सावधान रहना चाहिए। यह दिखावे के लिए दो हैं जबकि इनकी करतूतें एक जैसी हैं। यह दोनों ही भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति करते हैं और समाज को बांटते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार का संकल्प अपर भद्रा सिंचाई परियोजना को पूरा करना है। इसके लिए साढ़े 5 हजार करोड़ का बजट तय किया गया है। कांग्रेस और जनता दल सेक्यूलर ने हमेशा इस परियोजना को नजरअंदाज किया है। असल में ये दोनों दल किसानों की चिंता नहीं करते। प्रधानमंत्री ने भाजपा के संकल्प पत्र की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसमें कर्नाटक को देश का नंबर वन राज्य बनाने, आधुनिक ढांचागत सुविधा तैयार करने और महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया गया है।

गृहमंत्री शाह आज एनडीएमसी के 4400 कर्मियों को सौंपेंगे नियमितीकरण का पत्र

अजय कुमार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के 4400 कर्मियों को नियमितीकरण का आज नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार बुधवार शाम 04:30 बजे तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में गृहमंत्री शाह 4400 कर्मियों के नियमितीकरण का पत्र उन्हें सौंपेंगे। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल सरकार ने इन 4400 लोगों को पक्की नौकरी देने के संबंध में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा था, जिसे गृहमंत्री ने स्वीकार करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री को बीते फरवरी महीने में पत्र लिखकर अवगत कराया था। अब शाह एनडीएमसी के 4,400 कर्मचारियों को नियमितीकरण का पत्र देने जा रहे हैं।

राज्य में सरकार बनने पर बजरंग दल और पीएफआई जैसे संगठनों पर होगी कार्रवाई : खड़गे

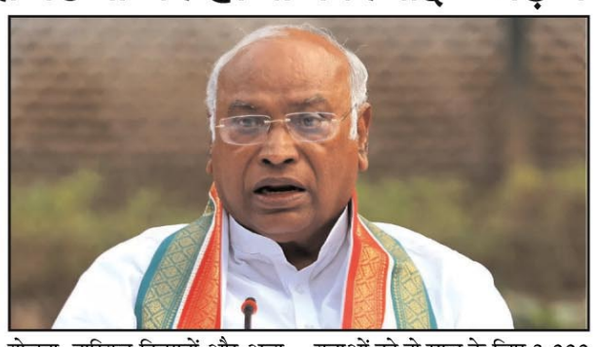

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कर्नाटक में उनकी सरकार बनने के बाद बजरंग दल और पीएफआई जैसे संगठनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। खड़गे ने मंगलवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी कर कहा कि हम जनता से किए वादों को पूरा करेंगे । इस दौरान खड़गे ने बजरंग दल पर कार्रवाई की बात भी कही। जिसको लेकर विश्व हिन्दू परिषद सहित भाजपा ने आपत्ति जताई है। खड़गे ने अपने भाषण के दौरान कहा कि राज्य में सरकार बनने के बाद पुरानी पेंशन योजना को बहाल करेंगे। गृह ज्योति योजना के जरिए राज्य की जनता को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की योजना, नारियल किसानों और अन्य के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित किया जाएगा। खड़गे ने कहा कि उनकी सरकार दूध पर सब्सिडी पांच रुपये से बढ़ाकर 07 रुपये करेगी। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में महिला मुखिया को हर महीने 2000 रुपये देने, बेरोजगार ग्रेजुएट युवाओं को दो साल के लिए 3,000 रुपये प्रति माह और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपये प्रति माह भत्ता देने का वादा किया है। कांग्रेस का दावा है कि राज्य में सरकार बनने के बाद वह अन्नभाग्य योजना के तहत 10 किलो चावल प्रतिमाह देगी।

रोजगार मेले का आयोजन 16 को, पीएम मोदी फिर देंगे नौकरी की सौगात

नई दिल्ली (ईएएमस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर 70 हजार युवाओं को नौकरी देने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री रोजगार मेले का पांचवां संस्करण 16 मई को आयोजित किया जाएगा। इस दौरान 22 राज्यों के 45 केंद्रों पर इस दिन रोजगार मेले का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री मोदी युवाओं को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र बांटेंगे। रोजगार मेले का अगला संस्करण मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर आयोजित हो रहा है। गौरतलब है कि साल 2014 के 16 मई को ही भाजपा की अगुवाई में एनडीए ने केंद्र में सरकार बनाई थी। इस दिन पीएम मोदी 70 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे। पीएम मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को ज्वाइनिंग लेटर जारी करेंगे। वहीं बीजेपी इस दिन को अहम बनाने के लिए अलग-अलग राज्यों में तैयारी भी शुरू कर दी है। वरिष्ठ मंत्रियों को अलग-अलग केंद्रों पर रोजगार मेले में उपस्थित रहने को कहा गया है। पीयूष गोयल मुंबई, धर्मेंद्र प्रधान भुवनेश्वर,अश्विनी वैष्णव जयपुर, हरदीप सिंह पुरी कपूरथला में रहेंगे निर्मला सीतारामन चेन्नई, नरेंद्र सिंह तोमर रतलाम, ज्योतिरादित्य सिंधिया भोपाल, अनुराग सिंह ठाकुर शिमला में रहेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक केंद्र के सभी मंत्रालय और विभाग ये भर्तियां करेंगे। हर एक मंत्रालय और विभागों में नियुक्तियों और रिक्तियों को भरने की निगरानी केंद्रीय मंत्री कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रोजगार मेले में आयकर निरीक्षक, कर सहायक, कनिष्ठ अभियंता, लोको पायलट, टेक्निशियन, डाक सहायक, सहायक प्रोफेसर, शिक्षक, निरीक्षक, उप-निरीक्षक, कॉन्सटेबल, क्लर्क, आशुलिपिक, निजी सहायक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिल बल के कर्मी और लाइब्रेरियन शामिल हैं। गौरतलब है कि बीते साल अक्टूबर माह में प्रधानमंत्री ने रोजगार मेला योजना लॉन्च किया था। पहला रोजगार मेला 22 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया गया था। जिसमें 75 हजार नए नियुक्ति प्रमाण पत्र सौंपे गए थे। वहीं दूसरा मेला 22 नवंबर, 2022 को देश के कई केंद्रों पर आयोजित किया गया था। इसमें 71,000 ज्वाइनिंग लेटर सौंपे गए थे। इसके अलावा तीसरा मेला 20 जनवरी, 2023 को और चौथा रोजगार मेला 13 अप्रैल, 2023 को 70 हजार से अधिक नियुक्ति प्रमाण पत्र बांटे गए थे।

एम्स में देश का पहला रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र खुला

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली में मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह देश का पहला रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र है। एम्स के अधिकारियों के अनुसार, यह सुविधा एम्स नई दिल्ली के वेट लैब, एसईटी (कौशल, ई-लर्निंग, टेलीमेडिसिन) सुविधा और कन्वर्जेंस ब्लॉक में उपलब्ध होगी। इस केंद्र की स्थापना इंडिया मेडट्रॉनिक प्राइवेट लिमिटेड की साझेदारी में की गई है। यह केंद्र सर्जनों को रोबोटिक सर्जरी में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इसमें सिमुलेशन के साथ वेट लैब प्रशिक्षण भी शामिल है। यहां एम्स के अलावा दूसरे अस्पतालों के डॉक्टर भी रोबोटिक सर्जरी का प्रशिक्षण ले सकेंगे। अब डॉक्टरों को रोबोटिक सर्जरी के प्रशिक्षण के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

केंद्र सरकार मौत की सजा के लिए कम तकलीफदेह तरीकों का अध्ययन करने के लिए कमेटी बनाने को तैयार

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने कहा है कि वो मौत की सजा के लिए फांसी की जगह कम तकलीफदेह तरीकों पर अध्ययन के लिए सरकार एक कमेटी बना सकती है। मंगलवार को अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने ये बातें सुप्रीम कोर्ट को बताई। केंद्र की इस जानकारी के बाद चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई जुलाई में करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने 21 मार्च को केंद्र सरकार से आधुनिक विज्ञान और तकनीक का फांसी की सजा के बारे में राय पूछी थी। इस मामले में केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा है कि मौत की सजा के लिए फांसी देना सबसे तेज और सुरक्षित तरीका है। हलफनामा में कहा गया है कि लीथल इंजेक्शन के जरिये मौत की सजा फांसी के मुकाबले ज्यादा नृशंस है। पहले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा था कि दूसरे देशों में क्या व्यवस्था है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 6 अक्टूबर, 2017 को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने कहा था कि मौत की सजा के लिए फांसी की सजा को हमने 1983 में सही ठहराया था, लेकिन 34 साल बाद काफी कुछ बदलाव हुआ है। कोर्ट ने कहा कि भारत का संविधान काफी बदलाव वाला और दयालु किस्म का है। दरअसल, वकील ऋषि मल्होत्रा ने 20 सितंबर, 2017 को याचिका दायर कर कहा है कि जीवन के मौलिक अधिकारों में सम्मान से मरने का अधिकार शामिल किया जाए। याचिका में कहा गया है कि फांसी की जगह मौत की सजा के लिए किसी दूसरे विकल्प को अपनाया जाना चाहिए। याचिका में फांसी को मौत की सजा का सबसे दर्दनाक और बर्बर तरीका बताते हुए जहर का इंजेक्शन लगाने, गोली मारने, गैस चैंबर या बिजली के झटके देने जैसी सजा देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि फांसी से मौत में 40 मिनट तक लगते हैं, जबकि गोली मारने और इलेक्ट्रिक चेयर पर केवल कुछ मिनट में। लॉ कमिशन ने यही कहा है विकासशील और विकसित देशों ने फांसी के बजाय इंजेक्शन या गोली मारने के तरीकों को अपनाया है। किसी कैदी को कम से कम दर्द और सहने का आसान मानवीय और स्वीकार्य तरीका है। लॉ कमिशन ने 1967 में 35वीं रिपोर्ट में कहा था ज्यादातर देशों ने बिजली का करंट, गोली मारने या गैस चैंबर को फांसी का विकल्प चुन लिया है। याचिका में मांग की गई है अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 354 (5) के तहत कहा गया है कि मौत होने तक लटकाया जाए, इसलिए इसे संविधान के जीने के अधिकार का उल्लंघन करार दिया जाना चाहिए। साथ ही सम्मानजनक तरीके से मरने को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया जाए।

दसवें दिन पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ छेड़ा पोस्टर वॉर

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का प्रदर्शन लगातार दसवें दिन भी जारी है। मंगलवार को यहां पर पहलवानों की तरफ से नए पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरों में एक तरफ बृजभूषण शरण सिंह के आपराधिक रिकॉर्ड है, तो वहीं दूसरी तरफ पहलवानों के रिकॉर्ड को दिखाया गया है कि उन्होंने देश के लिए किन-किन चैंपियनशिप में मेडल जीते है। जंतर-मंतर पर लगे तीन पोस्टरों में से एक पर विनेश फोगाट और बृजभूषण शरण सिंह का नाम है तो दूसरे पोस्टर में बजरंग पूनिया और बृजभूषण शरण सिंह का नाम लिखा हुआ है। वहीं तीसरे पोस्टर में साक्षी मलिक और बृजभूषण शरण सिंह का नाम है। पोस्टर के द्वारा यह तुलना की गई है कि एक तरफ बृजभूषण के आपराधिक रिकॉर्ड है और दूसरी तरफ देश के लिए पदक जीतने वाले पहलवानों के रिकॉर्ड हैं। मंगलवार को दसवें दिन भी पहलवान बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं। उनकी यह भी मांग है कि वह अपने पद से इस्तीफा दें। उल्लेखनीय है कि अभी तक हर राजनीतिक दल की तरफ से पहलवानों को समर्थन मिल रहा है। साथ ही रोज नए-नए राजनीतिक दलों के द्वारा जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। पहलवानों का कहना है कि जब तक बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार नहीं जाता तब तक वे जंतर-मंतर से हटने नहीं हटेंगे। साथ ही उनका इस्तीफा लिया जाए तभी न्यायिक जांच संभव है।

लाड़ली लक्ष्मी योजना ने किया लाखों बेटियों की जिंदगी बदलने का काम: शिवराज

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेरी लाड़ली बेटियों, मैं बहुत खुश हूं। आज लाड़ली लक्ष्मी योजना को सोलह साल पूरे हो गए हैं। इस योजना ने लाखों बेटियों की जिंदगी बदलने का काम किया है। हमारे प्रदेश में बेटियां लाड़ली हैं, लक्ष्मी हैं, इनके जीवन का हर दिन उत्सव हो, खुशियों से भरा हो, सफलता के पथ पर आगे बढ़ती रहें, यही शुभेच्छा है। मुख्यमंत्री चौहान मंगलवार को अपने आवास पर आयोजित लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौक उन्होंने बेटियों से संवाद भी किया। दरअसल, मध्य प्रदेश में मंगलवार को लाड़ली लक्ष्मी धूमधाम से मनाया गया। राज्यस्तरीय कार्यक्रम भोपाल में मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित किया गया, जिसमें भोपाल, सीहोर, विदिशा, राजगढ़ और रायसेन जिले की लाड़ली लक्ष्मी बेटियां शामिल हुईं। प्रदेशभर में ग्राम पंचायत से लेकर राज्यस्तर तक यह उत्सव मनाया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री चौहान ने मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में कन्या पूजन और दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में शामिल हुई बेटियों का मुख्यमंत्री ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर, विधायक कृष्णा गौर, महापौर मालती राय समेत अनेक गणमान्य जन मौजूद रहे। मुख्यमंत्री शिवराज ने कार्यक्रम में लाड़ली लक्ष्मियों से संवाद करते हुए कहा कि मेरी मां भी मुझे ज्यादा प्यार करती थी और बहन को कम। इस तरह भेदभाव होता था। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री बना था, तभी सोच लिया था कि प्रदेश की धरती पर लाड़ली लखपति हो पैदा होगी। लाड़ली बेटियों की आईआईटी, एनएलआईयू, प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कालेज, मेडिकल कालेज की फीस सरकार भरेगी।

उन्होंने कहा कि नौ मई से 15 मई तक विभिन्न कार्यक्रम लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के तहत आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाली लाड़ली बेटियों और लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली पंचायतों को सम्मानित भी किया गया। लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का संचालन लाड़ली बालिकाओं द्वारा किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर में 12 से ज्यादा जगहों पर एनआईए का छापा

जम्मू-कश्मीर (ईएमएस)। टेरर लिंक पर एनआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर में 12 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को कैडर और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओडब्ल्यूजी) द्वारा रची गई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आपराधिक साजिश का पता लगाने के लिए पिछले साल दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में जम्मू-कश्मीर में 12 स्थानों पर तलाशी ली। एनआईए की कई टीमों ने केंद्र शासित प्रदेश और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सुरक्षाकर्मियों के साथ मिलकर संदिग्धों और ओडब्ल्यूजी के परिसरों की तलाशी ली। पिछले साल 23 दिसंबर को एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर तलाशी ली थी, जो इस इनपुट के आधार पर दर्ज किया गया था कि तत्कालीन राज्य में विभिन्न प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आतंकवादी गतिविधियों को फैला रहे हैं। एजेंसी ने इसके बाद कुलगाम, पुलवामा, अनंतनाग, सोपोर और जम्मू जिलों में स्थानों की तलाशी ली। यह मामला अपने पाकिस्तानी कमांडरों और संचालकों के इशारे पर विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों और उनके सहयोगियों और ऑफ-शूट्स के कैडरों और ओजीडब्ल्यू द्वारा रची गई आतंकवादी और विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की आपराधिक साजिश से संबंधित है। इसमें कहा गया है, वे जम्मू-कश्मीर में साइबर स्पेस का इस्तेमाल कर आतंकवादी हमले करने, अल्पसंख्यकों, सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने और सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने में शामिल हैं। एनआईए ने पिछले साल 21 जून को स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था।

गैंगस्टर टिल्लू ताजपूरीया की जेल में हत्या

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले स्थित तिहाड़ जेल में एक बार फिर गैंगवार की वारदात को अंजाम दिया गया। दिल्ली का शातिर और कुख्यात बदमाश टिल्लू ताजपुरिया (33) की चार कैदियों ने लोहे की ग्रिल से प्रहार कर हत्या कर दी। घटना मंगलवार सुबह 6:10 बजे की है। टिल्लू तिहाड़ जेल की हाई रिस्क में बंद था। जेल प्रवक्ता अरविंद कुमार ने बताया कि तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर टिल्लू ताजपूरीया पर जेल नंबर-8 में बंद योगेश टूंडा, दीपक उर्फ तितर, राजेश और रियाज खान ने लोहे की ग्रिल से हमला किया। जिसमें टिल्लू के साथ एक अन्य कैदी रोहित भी घायल हो गया। दोनों को दीनदयाल अस्पताल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल लाया गया, जहां टिल्लू को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल रोहित का उपचार चल रहा है। पश्चिमी जिले के एडिशनल डीसीपी अक्षत कौशल ने मंगलवार को बताया कि पुलिस को सुबह डीडीयू अस्पताल से जानकारी मिली थी कि तिहाड़ जेल के दो कैदी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें टिल्लू ताजपुरिया की हालत बहुत नाजुक है। कुछ देर बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरा कैदी रोहित घायल है। जेल सूत्रों की माने तो दिल्ली के रोहिणी कोर्ट शूटआउट के आरोपित गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया पर प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों योगेश टुंडा और अन्य ने तिहाड़ जेल में हमला कर उसे मार गिराया।

रक्षा मंत्री ने मालदीव को तेज गश्ती जहाज और लैंडिंग क्राफ्ट आक्रमण जहाज सौंपा

- राष्ट्रपति से मुलाकात करके रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की
- राजनाथ सिंह ने विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली

नई दिल्ली, (हि.स.)। मालदीव की तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बलों (एमएनडीएफ) को एक फास्ट पेट्रोल वेसल और लैंडिंग क्राफ्ट आक्रमण जहाज सौंपा। राजनाथ सिंह ने कहा कि मालदीव को भारत की ओर से दो जहाज सौंपना हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने मालदीव के राष्ट्रपति से मुलाकात करके रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की उपस्थिति में रक्षा मंत्री मारिया दीदी को 360 टन अपतटीय गश्ती पोत सीजीएस हुरवी और लैंडिंग क्राफ्ट के लिए एक आक्रमण जहाज सौंपा। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद भी भारत सरकार की ओर से दोनों जहाजों के हैंडओवर समारोह में शामिल हुए। ये 'मेड इन इंडिया' पोत मालदीव तट रक्षक की अपतटीय और तटीय निगरानी की क्षमता को बढ़ाएंगे। साथ ही मानव और मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के मुद्दों से निपटने में मदद करेंगे। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने दो 'मेड इन इंडिया' प्लेटफार्म सौंपे जाने को हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में शांति और सुरक्षा के प्रति भारत और मालदीव की साझा प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में वर्णित किया।

उन्होंने कहा कि भारत ने मजबूत रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से मित्र देशों को समर्थन देने के लिए अपनी विनिर्माण क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम न केवल अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, बल्कि निर्यात के लिए भी विश्व स्तरीय उपकरणों का उत्पादन करते हैं। मालदीव को समर्थन देने की भारत की प्रतिबद्धता समय के साथ और मजबूत होती जाएगी। रक्षा मंत्री ने मौजूदा समुद्री चुनौतियों का समाधान करने के लिए आईओआर में राष्ट्रों के बीच सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि की प्राथमिक जिम्मेदारी उन लोगों की है, जो इस क्षेत्र में रहते हैं। जलवायु परिवर्तन पर रक्षा मंत्री ने कहा कि इसका समुद्री पर्यावरण पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है, जिससे आने वाले समय में और चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ काम करने की इच्छा जताते हुए कहा कि भारत पिछले कई वर्षों से इस क्षेत्र में मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) पहुंचा रहा है। इससे पहले दिन में राजनाथ सिंह ने मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह से मुलाकात की। वार्ता में मौजूदा परियोजनाओं और रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में मालदीव को भारत की सहायता राष्ट्र के लिए नई दिल्ली के विशेष सम्मान का एक वसीयतनामा है। उन्होंने इस संबंध को मजबूत करने की दिशा में मालदीव की प्रतिबद्धता से भी अवगत कराया। रक्षा मंत्री ने मालदीव में भारत द्वारा शुरू की गई विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की प्रगति के बारे में बात की और निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

बहकावे में न आएं मतदाता, विकास के लिए बसपा को करें मतदान : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने ट्वीट कर जनता से अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान की अपील की है। उन्होंने कहा कि मतदाता किसी के बहकावे में न आएं। प्रदेश में विकास के लिए सभी लोग बसपा के पक्ष में मतदान करें। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि उप्र. निकाय चुनावों के तहत चार मई को होने वाले पहले चरण के मतदान के लिए विरोधी पार्टियों ने साम, दाम, दंड, भेद आदि अनेकों हथकंडों का लगातार इस्तेमाल किया है। लोगों को अपने बहुमूल्य संवैधानिक हक व दायित्व के प्रति वफादार व ईमानदार रहकर ही वोट डालना है। आगे उन्होंने कहा कि इस चुनाव के लिए भी भाजपा व अन्य विरोधी पार्टियों ने लुभावने वादों, हवा हवाई बातों एवं कागजी दावे करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी हैं। वोटरों को इनके बहकावे में न आकर अपने व अपने क्षेत्र के हित एवं विकास के लिए बसपा उम्मीदवारों को ही वोट दें। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में नगरी निकाय चुनाव के प्रथम चरण का मतदान चार मई को होगा। मंगलवार की शाम पांच बजे प्रथम चरण के होने वाले चुनाव को लेकर प्रचार-प्रसार थम जाएगा।

किसी माफिया को बुन्देलखण्ड के संसाधनों को लूटने नहीं देंगे : मुख्यमंत्री

कहा, कुछ को जेल भेज दिया है, कुछ को भेजने की तैयारी

झांसी, (हि. स.)। निकाय चुनाव 2023 के प्रथम चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झांसी पहुंचे। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के केंद्र व प्रदेश द्वारा संचालित की तमाम उपलब्धियों का बखान किया। साथ ही राजनीतिक दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें सभी वार्डों में उम्मीदवार भी नहीं मिले। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से भाजपा के सभी उम्मीदवारों को विजय दिलाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि अब किसी माफिया को या उसके गुर्गे को बुन्देलखण्ड के संसाधनों को लूटने नहीं दिया जाएगा। कुछ को जेल भेज दिया गया है । कुछ को जेल भेजने की तैयारी है। जिनके हाथों में स्वतंत्रता के बाद विकास कार्य आया। उनके गुर्गों ने यहां डाका डालना शुरू किया। एक समय लगता था कि बुन्देलखण्ड की इज्जत भी लुट जाएगी। आज क्या नहीं है बुंदेलखंड में। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस वे बुन्देलखण्ड की लाइफ लाइन है। अब हर प्रकार का उद्योग यहां लगेगा। यहां का नौजवान अब पलायन नहीं करेगा। अन्य स्थानों से लोग यहां रोजगार के लिए आएंगे। आरओ से शुद्ध पेयजल प्रदान करेंगे। अब यहां पानी की कमी नहीं होगी। अब किसी गुर्गे को बुन्देलखण्ड के संसाधनों को लूटने नहीं दिया जाएगा। कुछ को जेल में भेज दिया है। कुछ को भेज दिया जाएगा। उप्र में 1 लाख 21 लाख गांवों में बिजली पहुँचाई। जो कार्य बहन-भाई व बुआ- बबुआ की सरकार नहीं कर पाई। 5 वर्षों में भाजपा ने वह कर दिखाया। किसी गरीब को छेड़ना नहीं है और माफियाओं को सीना तान कर चलने नहीं देना है। विपक्ष की सरकारों में युवाओं के हाथों में तमंचे थमाए जाते थे। हमने उन्हें टेबलेट दिया। अब हमारे शहर स्मार्ट सिटी बन रहे हैं। झांसी की रानी के किले का लाइट एंड साउंड शो हमें स्वतंत्रता समर की याद दिलाता है। बिहारी लाल की शालीनता के चलते हुए उन्हें प्रत्याशी बनाया। आपसे अपील करने आया हूं कि आप उन्हें जिताएंगे। जैसे रामतीर्थ सिंघल ने विकास कार्य किया वैसे ही ये भी कार्य करेंगे। फूल मैजोरिटी का बोर्ड बनाइए। उन्होंने जनता से कहा कि आपको आश्वासन देता हूं कि इनके नेतृत्व में होने वाले विकास के लिए मैं खजाने खोल दूंगा।

नगर निकायों में भी हो भाजपा की सरकार तभी विकास कार्यों में आएगी तेजी : मेनका गांधी

-सांसद मेनका संजय गांधी ने लंभुआ कोइरीपुर में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में मांगा वोट

सुलतानपुर, (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व जिले की सांसद मेनका संजय गांधी ने कहा कि हर मां चाहती है कि उसका घर साफ सुथरा व सौंदर्य भरा हो, जिसके लिए मतदाताओं को भाजपा उम्मीदवारों को जिताना जरूरी है।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य की सरकार के बाद नगर निकायों में भाजपा की सरकार होने से विकास कार्यों में तेजी आएगी। अपने दौरे में मंगलवार को जिले के लंभुआ व कोइरीपुर नगर पंचायत में भाजपा उम्मीदवार प्रवीण अग्रवाल, विजय प्रताप त्रिपाठी एवं सीमा साहू के समर्थन में वोट मांगने के दौरान श्रीमती गांधी ने ये बातें कहीं। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा माफियाओं के सफाई के अभियान पर श्रीमती गांधी ने कहा कि पूर्वांचल में माफिया हर जिले में हुआ करते थे, जो अब डरे- सहमे हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के अभियान से सभी माफिया अपने घरों में दुबक गए हैं। श्रीमती गांधी ने कहा कि आम जनमानस चाहता है कि वह अपराधियों व बदमाशों से भय मुक्त हो, जिसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार बखूबी काम कर रही है।

भाजपा के स्टार प्रचारक वसीम कुरैशी मुस्लिमों में है लोकप्रिय

बिजनौर, (हि.स.)। जनपद बिजनौर के नजीबाबाद निवासी फिल्म प्रोड्यूसर- डायरेक्टर व भाजपा कार्यकर्ता वसीम कुरैशी की दीवानगी युवा वर्ग में काफी देखने को मिल रही है। इसी को देखते हुए भाजपा ने वसीम कुरैशी को स्टार प्रचारक बनाकर जनपद में प्रचार की जिम्मेदारी सौपी है। गौरतलब है कि वसीम कुरैशी नगर निकाय चुनाव में नजीबाबाद से अध्यक्ष पद के लिए भाजपा टिकट पर दावेदार थे पर पार्टी से उन्हें टिकट नही मिला। अब प्रचार की जिम्मेदारी मिलने के बाद वसीम कुरैशी जिले में भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील कर रहे है। इस हफ्ते वे किरतपुर, अफजलगढ़, मण्डावर, बढापुर, व नगीना में प्रचार कर चुके है। वसीम कुरैशी की एक झलक पाने के लिए लोगों की सभी जगह भीड़ देखी जा रही है। जिसमें युवाओं की दिलचस्पी उनके साथ सैल्फी लेने में दिखाई दी।

वसीम कुरैशी का मुस्लिम में व्यापक प्रभाव देखा गया है। खासकर कुरैशी बिरादरी में काफी प्रभाव रखते है। भाजपा के लिए वसीम कुरैशी मुस्लिमों को जोड़ पाते है या नही ये तो बाद में ही पता चलेगा।

चौराहों पर यातायात स्पीकर से मतदान की अपील कर रहे जिलाधिकारी

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ के चौराहों पर यातायात स्पीकर से जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने मंगलवार से निकाय चुनाव के मतदान में बड़ी संख्या में भागीदारी करने की अपील करना शुरू किया। लखनऊ के नागरिकों को जिलाधिकारी की आवाज सुनायी दी तो वे भी कुछ देर ठहर कर मतदान से संबंधित संदेश को सुनते नजर आए। 04 मई को निकाय चुनाव के प्रथम चरण में मतदान होना है और इसमें लखनऊ जनपद भी शामिल है। इसके मद्देनजर बड़ी संख्या में मतदान कराने की जिम्मेदारी जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार के कंधों पर आ गयी है और इसके कारण ही मतदान की अपील करते हुए वाहन को उन्होंने रवाना किया है। इसके साथ ही वह स्वयं भी यूट्यूब, ट्वीटर के माध्यम से जनता से मतदान दिवस पर मतदान करने की अपील कर रहे हैं। मतदान की अपील में ही जिलाधिकारी ने यातायात माध्यमों को भी उपयोग में लिया है। चौराहों पर जेब्रा क्रासिंग लाइन पार न करने की अपील के बीच जिलाधिकारी अपनी आवाज में लोगों से मतदान करने का आग्रह करते सुने जा रहे हैं।

इससे एक रोचक वातावरण बन रहा है। वहीं, जिलाधिकारी की अपील का असर यह है कि बहुत सारे लोगों ने मतदान पर्ची की तलाश अभी से करनी शुरू कर दी है। उधर, जिलाधिकारी ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम से मतदाता रैली को हरी झंडी दे कर रवाना किया। मोटरसाइकिल और बाइक पर बैठकर सैकड़ों लोग मतदान करने की अपील करते हुए सड़क पर उतरे और शहर के कई हिस्सों में होते हुए रैली को सफल बनाया। मतदान दिवस के दिन सरकारी अवकाश की घोषणा कर दी गयी है। स्कूल, कॉलेज, सरकारी भवन खोलने की अनुमति नहीं है। जिला निर्वाचन की टीमें मतदान दिवस के दिन किसी प्राइवेट संस्था या संस्थान के कर्मचारी को मतदान करने से रोकने पर उसके विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत संवारे जाएंगे इत्र नगरी के 24 गांव

-योजना में अनुसूचित जाति बाहुल्य अति पिछड़े 24 गांव हुए चयनित

कन्नौज, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत इत्र नगरी कन्नौज के 24 गांवों को आधुनिक तरीके से विकसित करने के लिए चयनित किए गए हैं। योजना में विशेष रूप से उन गांवों को चुना गया है जिनमें अनुसूचित जाति व जनजाति समाज के लोगों की संख्या अधिक है। इन गांव को अन्य विकसित गांवों के समकक्ष करके मुख्य धारा में लाना ही इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। इस योजना के तहत कन्नौज जिले में सभी तहसीलों में कुल 24 गांव चयनित किए गए हैं। इन गांवों को सभी योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। हर एक सुविधा प्रदान की जाएगी। समाज कल्याण विभाग इन गांवों का विकास करेगा। इसके लिए सरकार से 20 लाख रुपये का बजट भी आवंटित किया गया है। जिले के इन गांवों को मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, सड़कें आदि देकर आधुनिक आदर्श गांव की तरह विकसित किया जाएगा। इन गांवों में मुख्यतः आरओ प्लांट लगाने की भी योजना है। इससे गांव वालों को पीने के लिए शुद्ध पानी मिल सके। गांव में सड़कों पर स्ट्रीट लाइट लगाई जाएगी। वहीं प्रत्येक गांव में एक जन सेवा केंद्र भी खोला जाएगा। इसमें इंटरनेट कैफे सुविधा होगी। समाज कल्याण अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र के 24 गांव को चयनित किया गया है। इस योजना में बुनियादी सुविधाओं से गांव को आदर्श और समृद्ध बनाया जाएगा। हर विभाग अपने-अपने हिसाब से इन गांवों का विकास करेगा। जैसे बिजली की समस्या होने पर बिजली विभाग, पानी की समस्या होने पर जल निगम और जो अन्य समस्याएं होंगी, उन पर समाज कल्याण विभाग प्राथमिकता के आधार पर निदान कराएगा। समाज कल्याण विभाग को इस गांव में दो आरओ प्लांट और स्ट्रीट लाइट सुविधाएं देने के लिए कहा गया है। इनके लिए सरकार की तरफ से 20 लाख का बजट भी आवंटित हो गया है। 16 गांव में टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है। जिसमें यूपी सिडको को पूरा काम दे दिया गया है। बाकी आठ गांवों में जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और उन पर काम चालू हो जाएगा।

पोलिंग पार्टियों के लिए लगाए गए 750 वाहन : रोशन जैकब

लखनऊ, (हि.स.)। नगरी निकाय निर्वाचन को लेकर सोमवार को मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने स्मृति उपवन पार्क पहुंची। यहां पर पोलिंग पार्टियों के रवाना होने की तैयारियों का जायजा लिया और उपस्थित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने फायर सिस्टम, मेडिकल हेल्थ पंडाल, पेयजल, फूड कोर्ट और शौचालय की व्यवस्था अच्छे से कराये जाने को कहा है। इस पर अधिकारियों ने उन्हें बताया कि सभी व्यवस्था करा ली गई हैं। 750 वाहन पोलिंग पार्टियों के रवाना होने के लिए लगाए गए हैं। इस दौरान मंडलायुक्त ने रमाबाई में बने स्ट्रांग रूम और काउंटिंग रूम का निरीक्षण किया और समस्त तैयारियों का जायजा लिया। मंडलायुक्त ने आदेश दिए कि एनाउंसमेंट सिस्टम अच्छा रखा जाए। ताकि मतदान कर्मियों को किसी प्रकार की समस्या न हो। लाइटिंग और कारपेट की व्यवस्था अच्छे से करा लें। एक बार पुनः लाइटिंग भी चेक करा लिया जाए। कैंपस में गंदगी दिखने पर तत्काल साफ- सफाई और कूड़े के ढेर हटाने के निर्देश संबंधित को दिए।

सिल्ली के पूर्व विधायक अमित महतो अब लड़ सकेंगे चुनाव

- सिविल कोर्ट से मिली थी दो साल की सजा, झारखंड हाई कोर्ट ने एक साल कम की

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस रत्नाकर भेंगरा की खंडपीठ ने सिल्ली के पूर्व विधायक अमित महतो की सजा एक साल कम कर दी है। इसके बाद वह अगला चुनाव लड़ सकेंगे। सिविल कोर्ट से एक आपराधिक मामले में दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद वह चुनाव लड़ने के अयोग्य हो गए थे, लेकिन मंगलवार को उन्हें बड़ी राहत मिली है। दरअसल, साल 2006 में सोनाहातू में सीओ कार्यालय का घेराव किया गया था। इसमें पूर्व विधायक अमित महतो भी अपने लोगों के साथ मौजूद थे। उसी दौरान तत्कालीन सीओ आलोक कुमार घायल हो गये थे। फिर इसे लेकर सोनाहातू थाना में अधिकारी संग मारपीट और सरकारी काम में बाधा का मामला दर्ज कराया गया था। इसमें सिविल कोर्ट ने अमित महतो को दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उनकी विधान सभा की सदस्यता चली गई थी। सजा सुनाए जाने के बाद पूर्व विधायक ने सिविल कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई में कोर्ट ने माना कि निचली अदालत से दी गई अधिकतम सजा की कोई मुख्य वजह नहीं थी, जिसके बाद हाई कोर्ट ने उनकी सजा एक साल कम कर दी। अमित महतो की ओर से हाई कोर्ट के अधिवक्ता जयशंकर तिवारी ने पक्ष रखा। इसके साथ ही अदालत ने सिल्ली के तत्कालीन अंचल अधिकारी आलोक कुमार की याचिका भी खारिज कर दी। आलोक कुमार ने पूर्व विधायक अमित महतो को निचली अदालत से मिली सजा को बढ़ाने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

सरयू राय ने हेमंत सोरेन को आधे कैबिनेट का मुख्यमंत्री बताया

हजारीबाग, (हि.स.)। बीमार चल रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा से मुलाकात करने पहुंचे निर्दलीय विधायक सरयू राय ने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए उन्हें आधे कैबिनेट का मुख्यमंत्री बताया है। साथ ही कहा कि आधी कैबिनेट कांग्रेस चला रही है। दरअसल, सरयू राय इन दिनों राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का एक महिला के साथ वायरल अश्लील वीडियो और प्रतिबंधित पिस्टल को लेकर प्रखर हैं। परिसदन में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को लेकर जारी अश्लील वीडियो को लेकर प्राथमिकी दर्ज करायी गई है लेकिन इस पर आगे जांच नहीं हो रही है। साथ ही कहा कि मंत्री के कार्यालय से जारी महिला का सफाई वीडियो में उसका नाम पता और कुछ भी जानकारी नहीं दी गई है। राय ने कहा कि कि पांच दिन पूर्व उन्होंने इस विषय को लेकर जमशेदपुर में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग डीसी से की है लेकिन इस दिशा में भी एक भी कदम आगे कार्रवाई नहीं हुई। इससे यह प्रमाणित होता है कि यह वीडियो और अवैध पिस्टल दोनों सत्य है। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास पर तंज कसते हुए कहा कि जमशेदपुर में रघुवर दास के कब्जे में भाजपा है। पिस्टल से लेकर अश्लील वीडियो प्रकरण में निशिकांत दूबे के अलावा एक मात्र ट्वीट बाबूलाल मंराडी ने किया है।

झारखंड हाई कोर्ट में सातवीं जेपीएससी मामले की हुई सुनवाई

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की अदालत में मंगलवार को सातवीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा के अभ्यर्थी सूरज कुमार रजक और अन्य की दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट में जेपीएससी से जुड़ी अलग-अलग छह रिट याचिकाओं पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता सूरज कुमार रजक के अधिवक्ता सुभाशीष रसिक सोरेन ने हाई कोर्ट में पक्ष रखा। जेपीएससी के अधिवक्ता संजोय पिपरवाल और अधिवक्ता प्रिंस कुमार ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने जेपीएससी द्वारा दाखिल किए गए जवाब का प्रतिउत्तर (रिजवाइंडर) दाखिल करने के लिए समय देने की मांग गई। इसके बाद कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 14 जून की तिथि निर्धारित की है।

असामाजिक तत्वों ने दर्जनों फायर कर घर को नेस्तनाबूद कर लाखों की संपत्ति लूटी

सहरसा, (हि.स.)। जिले के पतरघट ओपी के गोलमा पश्चिमी के बासा टोला में सोमवार की रात जमीन कब्जा करने की नियत से हथियारबंद अपराधियों ने दर्जनों चक्र गोली फायर कर घर को ध्वस्त कर लूटपाट घटना का अंजाम दिया गया। विरोध करने पर दिवाकर ठाकुर की पत्नी अनिता देवी एवं पुत्र बाबूल कुमार को जख्मी कर दिया।जख्मी को इलाज के लिए पतरघट पीएचसी में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार गोलमा बासा टोला निवासी कपिलेश्वर ठाकुर एवं दिवाकर ठाकुर करीब छह दशक से बिहार सरकार की जमीन पर घर बना कर सपरिवार गुजर बसर करते आ रहा है। पिछले कई वर्षो से पड़ोसी राजेन्द्र साह एवं रमेश साह आदि द्वारा उक्त बिहार सरकार की जमीन को दखल करने के लिए विवाद चला आ रहा है। उपरोक्त दोनों आरोपित ने असामाजिक तत्वों के सहयोग से दर्जनों चक्र हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाते कपिलेश्वर ठाकुर एवं दिवाकर ठाकुर के ईट चदरा की घर को तोड़ने लगा। घर में दिवाकर की पत्नी अनिता देवी एवं पुत्र बाबूल कुमार को मारपीट कर जख्मी करते करीब तीन लाख रुपये के साथ जेवरात लूट ली। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना पतरघट पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस के घटना स्थल पर पहुंचते ही सभी बदमाश भाग गये। तब तक बदमाशों ने घर को क्षतिग्रस्त कर उसमें रखा सामान बर्बाद किया। पुलिस कार्रवाई देख सभी आरोपी घटना स्थल से फरार हो गया।आक्रोशित ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पुलिस से की है। घटना को लेकर स्थिति तनावपूर्ण है। पुलिस द्वारा छापेमारी जारी है।ओपी अध्यक्ष ज्ञानानंद अमरेन्द्र ने बताया कि घटना स्थल से सुनील साह को पूछताछ के लिए लाया गया है।

दरभंगा एयरपोर्ट के स्थायी टर्मिनल का ले-आउट तैयार, राज्य सरकार ने दी जमीन

दरभंगा, (हि.स.)। बिहार का दूसरा और उत्तर बिहार का पहला सबसे व्यस्तम हवाई अड्डा दरभंगा के स्थायी टर्मिनल को लेकर लेआउट तैयार हो गया है। इस एयरपोर्ट के विकास के लिए उड़ान योजना के तहत लगातार दूसरे साल नबंर वन पर बने रहने के बाद राज्य सरकार ने जमीन दी है। अब इस जमीन पर सुविधाओं का विकास केंद्र सरकार करने जा रही है। दरभंगा एयरपोर्ट के लेआउट प्लान के तैयार हो गया है जिसके अनुसार दरभंगा एयरपोर्ट का स्थायी सिविल टर्मिनल 54 एकड़ में बनेगा। जो एयरपोर्ट के दक्षिण होगा और नार्थ-ईस्ट कोरिडोर से जुड़ेगा। बता दे राज्य सरकार की ओर से दी गयी 24 एकड़ अतिरिक्त जमीन पर रनवे का विस्तार और रात में टेकआफ और लैंड करने की सुविधा के लिए आइएलएस सिस्टम लगाया जायेगा। 66 हजार वर्ग मीटर में बननेवाले इस नये टर्मिनल भवन की ब्लू प्रिंट के अनुसार दरभंगा एयरपोर्ट का मुख्य टर्मिनल दो फेज में बनेगा। टर्मिनल की पूरी क्षमता सालाना 42.5 लाख यात्रियों की होगी। व्यस्ततम अवधि में यहां से एक साथ 2000-500 यात्रियों की आवाजाही हो सकती है।

रावण भी बजरंग के दल पर नहीं लगा सका था प्रतिबंध, कांग्रेस क्या चीज है : बजरंग दल

बेगूसराय, (हि.स.)। कांग्रेस द्वारा कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले अपने मेनिफेस्टो में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात का जबरदस्त विरोध हो गया है। विहिप के युवा आयाम बजरंग दल ने इसकी कड़ी निंदा की है। बजरंग दल के उत्तर बिहार प्रदेश सह संयोजक शुभम भारद्वाज ने बेगूसराय में कहा है कि बजरंग दल एक गैर राजनीतिक संगठन है। अगर कांग्रेस हमें राजनीति में खींचना चाहती है तो हम उस क्षेत्र में भी उसको माकूल जवाब देना जानते हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में सबसे ज्यादा रक्तदान करने वाला संगठन बजरंग दल है। देशभर में सबसे ज्यादा लव जिहाद पीड़ितों को बचाने वाला संगठन बजरंग दल है। देश में कहीं प्राकृतिक आपदाएं आती हैं तो सबसे पहले बजरंग दल का कार्यकर्ता जमीन पर आकर सहयोग करते हैं। कांग्रेस अब बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाकर सीधे तौर पर मुसलमानों का तुष्टीकरण कर रही है। जिसका जवाब देशभर में राष्ट्रभक्त समाज कांग्रेस को अवश्य देगा। जब सीमी पर प्रतिबंध लगाने की बात आई थी तो सबसे पहले सोनिया गांधी ने ही संसद में इसका विरोध किया था। रामायण काल में जब रावण बजरंगी पर प्रतिबंध नहीं लगा सका तो यह कांग्रेस क्या चीज है। आज बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात मेनिफेस्टो में जारी कर कांग्रेस ने यह सिद्ध कर दिया है कि पीएफआई के साथ कांग्रेस का अप्रत्यक्ष रूप से गठबंधन चल रहा है।

संपादकीय

प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक बयानबाजी पर पुनर्विचार करे कांग्रेस

प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस की ओर कहे जानेवाले अपशब्दों को जिस रचनात्मक ढंग से अपने पक्ष में रखा है, उससे कांग्रेस की चिंता बढ़ना स्वभाविक है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को जहरीला सांप बताया तो प्रधानमंत्री ने कह दिया कि सांप तो भगवान शंकर का श्रृंगार है, उनके गले का हार है। बता दें कि कर्नाटक के चुनाव के दौरान कलबुर्गी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अपमानजनक भाषा का उपयोग किया है। हालांकि जनाक्रोश को देखते हुए उन्होंने अपने निंदनीय बयान के लिए खेद भी जताया लेकिन कांग्रेस के जो कर्ताधर्ता नेता हैं, वे उल्टा यह कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री खुद को मिलनेवाली गालियों को क्यों गिना रहे हैं? जबकि उन्हें खुद से प्रश्न करना चाहिए कि उनकी ओर से प्रधानमंत्री को अपशब्द क्यों कहे जा रहे हैं? बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी के लिए हो रही बदजुबानी को देखकर एक बार फिर इस बात को बल मिला है कि कांग्रेस में नेताओं पर दबाव है कि वे प्रधानमंत्री मोदी को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करें। ऐसा प्रतीत होता है कि जो प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध जितनी अधिक घृणित भाषा-शैली का उपयोग करेगा, उसे शीर्ष नेतृत्व के सामने उतना ही अधिक महत्व मिलेगा। इस बात को समझने के लिए याद करें कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में तत्कालीन कांग्रेस कार्य समिति के स्थायी सदस्य आरपीएन सिंह ने राहुल गांधी को सलाह दी कि प्रधानमंत्री मोदी पर व्यक्तिगत हमले करने से बचना चाहिए। इस सलाह के बाद आरपीएन सिंह को लेकर उस बैठक में ऐसा वातावरण बनाया गया कि आखिर में उन्हें कांग्रेस छोड़नी पड़ गई। राहुल गांधी ने साफ कह दिया था कि प्रधानमंत्री मोदी पर कोई हमला करे या न करे, वे पीछे नहीं हटेंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी राहुल गांधी के इस रुख का समर्थन किया था। संभवतः उसके बाद से प्रत्येक नेता को स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करके ही नेतृत्व की निगाहों में आया जा सकता है। हालांकि इस घटनाक्रम के पहले से ही प्रधानमंत्री मोदी के लिए कांग्रेसी नेता बदजुबानी करते आ रहे थे। यदि वाकई कांग्रेस में इस प्रकार का वातावरण बन गया है, तब यह एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के लिए चिंताजनक स्थिति है। और यदि ऐसा नहीं हैं, तब क्यों बार-बार घृणा और नफरत से भरे इस प्रकार के बयान प्रधानमंत्री मोदी के लिए आते रहते हैं? जबकि कांग्रेस का सामान्य कार्यकर्ता भी जानता है कि प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध निजी हमले और अपमानजनक भाषा-शैली से पार्टी का काफी नुकसान होता है। अपमानजनक बयानबाजी के कारण ही कई चुनावों में कांग्रेस के हाथ से जीत फिसल गई। देश की जनता भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बहुत प्यार करती है, जब वह अपने नायक के प्रति इस प्रकार की अपमानजनक बयानबाजी सुनती है, तब उसका सीधा असर कांग्रेस पर दिखायी देना ही है। गुजराज के चुनाव में मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना रावण से कर दी थी। परिणाम सबके सामने है। गुजरात में कांग्रेस मुकाबले में दिख रही थी लेकिन एक गलत बयानी के कारण भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में जीत का कीर्तिमान बना दिया। क्या कर्नाटक में ऐसा हो पाएगा, यह तो आनेवाला समय ही बताएगा।

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अपमानजनक भाषा का उपयोग किया है। हालांकि जनाक्रोश को देखते हुए उन्होंने अपने निंदनीय बयान के लिए खेद भी जताया लेकिन कांग्रेस के जो कर्ताधर्ता नेता हैं, वे उल्टा यह कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री खुद को मिलनेवाली गालियों को क्यों गिना रहे हैं? जबकि उन्हें खुद से प्रश्न करना चाहिए कि उनकी ओर से प्रधानमंत्री को अपशब्द क्यों कहे जा रहे हैं? बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी के लिए हो रही बदजुबानी को देखकर एक बार फिर इस बात को बल मिला है कि कांग्रेस में नेताओं पर दबाव है कि वे प्रधानमंत्री मोदी को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करें। ऐसा प्रतीत होता है कि जो प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध जितनी अधिक घृणित भाषा-शैली का उपयोग करेगा, उसे शीर्ष नेतृत्व के सामने उतना ही अधिक महत्व मिलेगा।

अमृत कलश

रहस्यवाद

मैं स्वप्न बेहोशी में बुनी हुई कल्पना है। कुछ लोगों ने कई बार सपनों का प्रयोग अपने मन के उन विभिन्न आयामों में जाने के लिए किया है, जिन तक सामान्य रूप से उनकी पहुंच नहीं होती। तो वहां प्रवेश करने के लिए उन्हें स्वप्न अच्छे साधन के रूप में लगते हैं। विशेष रूप से कुछ संस्कृतियों में, जैसे कि ऑस्ट्रेलिया की एबओरिजिन जन–जाति तथा उत्तर अमेरिका की कुछ जन–जातियों ने सपनों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया, लेकिन उन सपनों का उपयोग वे केवल तांत्रिक प्रक्रियाओं में ही कर सके। असल रहस्यवाद हुआ ही नहीं। रहस्यवाद वह है जिसे आप अपने भौतिक शरीर या मन से छू नहीं सकते। आपके मन की इतनी योग्यता है ही नहीं। आपके शरीर की भी ये योग्यता नहीं है। आपके अंदर एक नये आयाम को जागृत होना होगा, जिससे आप रहस्यवाद के आयाम को छू सकें। स्वप्न एक तरह का साधन है लेकिन बहुत ही नाजुक साधन है। हमारे पास और भी बेहतर साधन हैं पर उनका उपयोग करने के लिए मनुष्य को अपने अंदर बेहतर ढंग से व्यवस्थित होना होगा। उदाहरण के लिए मैं इस तरह से हूं, अगर अपनी आंखें बंद कर लेता हूं तो मेरे लिए दुनिया गायब हो जाती है। लोग पूछते हैं, 'यह कैसे संभव है?' बस, यही तो पलकों का काम है। ये आप को इसीलिए दी गई हैं। जब आप इन्हें बंद कर लेते हैं, तो सब कुछ खत्म हो जाना चाहिए। जैसे, आपके घर में एक खिड़की है। जब आप उसे बंद करते हैं, तो इतना शक्तिशाली सूर्य भी बाहर बंद हो जाता है, उसका प्रकाश अंदर नहीं आ सकता। अगर एक खिड़की ये काम कर सकती है तो पलकें क्यों नहीं कर सकतीं? ये इसलिए ऐसा नहीं कर पातीं क्योंकि आप ने अपने अंदर एक झूठी दुनिया बना रखी है। जब आप अपनी आंखें बंद करते हैं तो बाहरी दुनिया दूर चली जाती है, लेकिन आप के पास अपनी एक झूठी दुनिया भी है, जो चलती रहती है। अगर आपके पास, अंदर एक झूठी दुनिया न हो, अगर आप सिर्फ इसी दुनिया में जीते हों तो अपनी आंखें बंद करने पर ये तुरंत चली जाएगी।

बोध कथा

मां की महिमा

एक बार बैंकाक में सुभाष चन्द्र बोस जी विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे तो वहां रह रहे प्रवासी भारतीयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। नेता जी ने परतंत्र भारत की दयनीय स्थिति का वर्णन करते हुए मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए प्रवासी भारतीयों को प्रेरित किया। इसी से प्रेरित होकर अल्पसंख्यक प्रवासी भारतीय मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के लिए संकल्पित हो उठे, परंतु नेता जी का उद्देश्य वहीं समाप्त नहीं हो जाता था। उन्हें तो आजाद हिंद फौज के संगठन के लिए धन की आवश्यकता थी, परंतु वे समझ नहीं पा रहे थे कि इस बात को कैसे कहें? कुछ महिलाओं ने नेता जी के इस संकोच को समझ लिया और उन्होंने मंच पर चढ़कर अपने आभूषण उनके हाथों में रख दिये। देखते ही देखते वहां अपने आभूषण देने वाली महिलाओं की एक बड़ी पंक्ति लग गई। यह देखकर नेता जी भावविभोर होते हुए बोले, 'पुत्र, कुपुत्र हो सकता है, पर माता, कभी कुमाता नहीं हो सकती। मुझे यहां निराश और दुखी देखकर मेरी मां ही मेरी लाज बचाने आ गई। भारत माता की आजादी का दर्शन मेरे भाग्य में है या नहीं, मैं नहीं जानता, परंतु आजादी के इस अभियान में मुझे मां की महिमा के दर्शन हो गए, और मैं कृतार्थ हो गया।' उनके मुख से इन शब्दों को सुनकर प्रत्येक श्रोता की आंखें सजल हो उठीं।

वास्तविक और समाज हित के समाचार को नजरअंदाज किया जा रहा है

स्वतंत्रता खो रही पत्रकारिता

प्रियंका सौरभ

> मीडिया को लोकतांत्रिक देशों में विधामनंडल, कार्यकारी और न्यायपालिका के साथ "चौथा स्तंभ" माना जाता है। पाठकों को प्रभावित करने में इसकी अहमयित का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जो भूमिका निभाई थी, वह राजनीतिक परू से उन लाखों भारतीयों को शिक्षित कर रही थी, जो ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में शामलि हुए थे। पत्रकारिता एक पेशा है जो सेवा तो करता ही है। यह दूसरों से प्रश्न का विशेषाधिकार भी प्राप्त करता है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य निष्पक्ष, सटीक, निष्पक्षः और सभ्य तरीके और भाषा में जनहित के मामलों पर मसाचारों, विचारों, टिप्पणियों और सूचनाओं के साथ लोगों की सेवा करना है।

मीडिया लोकतंत्र में जनहित के प्रहरी के रूप में कार्य करता है। यह एक लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और लोगों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं की सूचना देने का काम करता है। मीडिया को लोकतांत्रिक देशों में विधानमंडल, कार्यकारी और न्यायपालिका के साथ "चौथा स्तंभ" माना जाता है। पाठकों को प्रभावित करने में इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जो भूमिका निभाई थी, वह राजनीतिक रूप से उन लाखों भारतीयों को शिक्षित कर रही थी, जो ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में शामिल हुए थे। पत्रकारिता एक पेशा है जो सेवा तो करता ही है। यह दूसरों से प्रश्न का विशेषाधिकार भी प्राप्त करता है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य निष्पक्ष, सटीक, निष्पक्षः और सभ्य तरीके और भाषा में जनहित के मामलों पर समाचारों, विचारों, टिप्पणियों और सूचनाओं के साथ लोगों की सेवा करना है। प्रेस लोकतंत्र का एक अनिवार्य स्तंभ है। यह सार्वजनिक राय को शुद्ध करता है और इसे आकार देता है। संसदीय लोकतंत्र मीडिया की चौकस निगाहों के नीचे ही पनप सकता है। मीडिया न केवल रिपोर्ट करता है बल्कि राज्य और जनता के बीच एक सेतु का काम करता है। निजी टीवी चैनलों के आगमन के साथ, मीडिया ने जीवन के हर क्षेत्र में मानव जीवन और समाज की बागडोर संभाली है। मीडिया आज चौथे एस्टेट के रूप में संतुष्ट नहीं है, इसने समाज और शासन में सबसे महत्वपूर्ण महत्व ग्रहण किया है। मुखबिर की भूमिका निभाते हुए, मीडिया एक प्रेरक और एक नेता का रूप भी लेता है। मीडिया का ऐसा प्रभाव है कि यह किसी व्यक्ति, संस्था या किसी विचार को बना या बिगाड़ सकता है। इसलिए सभी व्यापक और सर्व-शक्तिशाली आज समाज पर इसका प्रभाव है। इतनी शक्ति और शक्ति के साथ, मीडिया अपने विशेषाधिकारों, कर्तव्यों और दायित्वों की दृष्टि नहीं खो सकता है। आज पेड न्यूज, मीडिया ट्रायल, गैर-मुद्दों को वास्तविक समाचार के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि वास्तविक मुद्दों को दरकिनार किया जा रहा है, वास्तविक और समाज हित के समाचार को नजरअंदाज किया जा रहा है और मुनाफे और राजनीतिक पक्ष के लिए तथ्य विरूपण, फर्जी समाचार, पीत पत्रकारिता की जा रही है पेड न्यूज़ के मामलों में वृद्धि के पीछे भारत में अधिकतर

मीडिया समूह कॉरपोरेट के बड़े घरानों वाले हैं जो मात्रा लाभ के लिये इस क्षेत्र में है और लाभ के लिए ही कार्य करते हैं। पत्रकारों की कम सैलरी तथा जल्दी मशहूर होने की चाहत भी पीत पत्रकारिता के पीछे एक कारण है। आँकड़े ये राज भी खोलते है कि अधिकतर राजनीतिक दलों के कुल बजट का लगभग 40 प्रतिशत मीडिया संबंधी खर्चों में जाया होता है । चुनावों में प्रयुक्त होने वाला धन बल, शराब तथा पेड न्यूज़ की अधिकता आज बेहद गंभीर चिंता का विषय है। भारतीय प्रेस परिषद के अनुसार, ऐसी खबरें जो प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में नकद या अन्य लाभ के बदले में प्रसारित किये जा रहे हों पेड न्यूज़ कहलाते हैं। मगर सांठ-गाँठ कि गुच्छी को खोलकर ये साबित करना अत्यंत कठिन कार्य है कि किसी चैनल पर दिखाई गई विशेष खबर या समाचारपत्र में छपी न्यूज़, पेड न्यूज़ ही है। वस्तुनिष्ठ पत्रकारिता की अनुपस्थिति एक ऐसे समाज में सत्य की झूठी प्रस्तुति को जन्म देती है जो लोगों की धारणा और विचारों को प्रभावित करती है। जैसा कि कैंब्रिज एनालिटिका मामले में देखा गया था, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पक्षपातपूर्ण समाचार कवरेज ने अमेरिकी चुनावों को प्रभावित किया। सनसनीखेज वाले और उच्च टीआरपी दरों का पीछा करने के लिए जैसा कि भारत में 26/11 के आतंकवादी हमलों के कवरेज में देखा गया था, ने राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा को जोखिम में डाल दिया था। सनसनीखेज चालित रिपोर्टिंग ने न्यायालय के दिशानिर्देशों के बावजूद बलात्कार पीड़ितों और बचे लोगों की पहचान से समझौता किया। पेड न्यूज और फर्जी खबरें जनता की धारणा में हेरफेर कर सकती हैं और समाज के भीतर विभिन्न समुदाय के बीच नफरत, हिंसा, और असहमति पैदा कर सकती हैं। सोशल मीडिया, तकनीकी परिवर्तनों के आगमन के साथ, मीडिया की पहुंच गहराई से बढ़ी है। जनमत को प्रभावित करने में इसकी पहुंच और भूमिका ने पत्रकारिता नैतिकता के प्रवर्तन के लिए अपनी निष्पक्षता, गैर-पक्षपातपूर्ण कॉल को सुनिश्चित करने के लिए इसे और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि मीडिया अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रभावी ढंग से और कुशलता से निभाने के लिए, मीडिया को अपनी स्वतंत्रता और संपादकीय स्वतंत्रता को बनाए रखते हुए एक अच्छी तरह से परिभाषित आचार संहिता के भीतर काम करना चाहिए। चूंकि गैर-जिम्मेदार पत्रकारिता प्रतिबंध को आमंत्रित करती है, मीडिया को अपनी स्वतंत्रता को लूटना, पेशेवर आचरण और नैतिक अभ्यास मीडिया की स्वतंत्रता की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि मीडिया में निवेशित जनता का विश्वास कायम है। बदलते दौर में मीडिया संबंधित शिक्षण संस्थानों में 'नैतिकता' को बढ़ावा दिया जाना चाहिये। एक 'स्वतंत्र जांच दल' का गठन किया जाना चाहिए जो पत्रकारिता के निष्पक्ष प्रसारण एवं संवेदनशील सूचनाओं के प्रसारण संबंधी कार्यों पर निगरानी रखे। नियमित अंतराल पर समाजविदों तथा मीडियाकर्मियों की बैठक होनी चाहिये जिससे सब मिलकर सामाजिक समस्याओं से संबंधित समाधान खोज सकें एवं रणनीति बना सकें। मीडिया को राजनीतिक दबाव से मुक्त किया जाना चाहिए साथ ही 'पत्रकारिता से संबंधित आचार-संहिता' का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिये। वर्तमान दौर में खेमों में बंटी पत्रकारिता समाज को गलत दिशा में ले जा रहे है, चौथा खम्भा गिर चुका है। कुछ लोग पत्रकारिता/साहित्य में है क्यूंकि उनको इसकी अपनी स्वार्थ सीधी के लिए जरूरत है। जबकि कुछ लोग इसलिए है कि पत्रकारिता और साहित्य को उनकी जरूरत है, तभी आज समाज बचा हुआ है। ऐसे बहुत से है जो सच और संतुलित लिखने की बजाय सालों से घिस रहे है बस; उनको अपनी प्राथमिक इच्छा के साथ तो न्याय करना चाहिए। बाकी देखा जायेगा, आने वाली पत्रकार पीढ़ी को संतुलित फैसला करके आगे बढ़ना होगा तभी ते स्तम्भ मजबूती से खड़ा होकर तीन अन्यों की बराबरी कर सकता है। मीडिया ने एक-तरफ जहाँ लोगों की जागरूकता का सशक्त माध्यम है, वहीं दूसरी तरफ सरकार को देश की समस्याओं से रूबरू भी करवाती है।

अंबेडकर और राव का 'संयुक्त राज्य भारत'

> भारत की संविधान सभा की एक उपसमिति के मसक्ष यह विचार मार्च 1947 में प्रस्तुत किया था। परंतु कुछ माह बाद जब वह संविधान की प्रापरूण समिति के अध्यक्ष नियुक्त किए गए, उन्होंने अपनी परिकल्पना का अनुसरण करने के बजाय कांग्रेस पार्टी का दृष्टिकोण आगे बढ़ाना आरंभ कर दिया। मैं पहले ही अंबेडकर की योजना के विषय में लिख चुका हैं और यह भी कि इसे कैसे सभा में चर्चा के लिए भी नहीं लाया गया। यह केवल अंबेडकर की ही परिकल्पना नहीं थी। उनके पूर्ववर्ती सर बेनेगल नरसिंह राव, जिन्होंने संविधान का प्रमथ प्रापरू लिखा था, ने भी ''संयुक्त राज्य भारत'' नामक संघ प्रस्तावित किया था। राव का प्रस्ताव एक वर्ष से भी पहले जनवरी 1946 में प्रस्तुत किया गया था, जब वह ब्रिटिश सरकार में ही अफसर थे। बाद में वह संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किए गए और उन्होंने संविधान निर्माण में जवाहर लाल नेहरू और अन्यों के साथ निकटता से कार्य किया। अंबेडकर और राव, दोनों ही दूरदर्शी थे। वे जानते थे कि एक विभक्त भारत के बजाय संयुक्त भारत अधिक मजबूत और खुशहाल होगा। राव एक विख्यात संविधानविद थे। ''वर्ष 1935 से राव भारत में प्रमुख संवैधानिक घटनाक्रमों के मध्य में थे। वर्ष 1946 आते-आते वे सभी प्रमुख भारतीय राजनीतिक दलों और ब्रिटिश सरकार के सबसे चहेते संवैधानिक विशेषज्ञ बन चुके थे।'' यह कहना है उनकी जीवनी लिखने वाले अरविंद इलांगोवान का। कैंब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक के बाद – जहां खबरों के अनुसार नेहरू उनकी विधवता की सराहना करते थे – राव भारतीय सिविल सर्विसेज में चले गए, और जल्द ही गवर्नर जनरल के सचिवालय में नियुक्त हो गए। बाद के जीवन में राव ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दी। यह राव ही थे जिन्होंने वर्ष 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत भारतीयों को वास्तविक अधिकार देने के लिए ब्रिटिश सरकार को मनाया था। इस कानून ने भारतीयों को पहली बार अपनी प्रांतीय सरकारें बनाने की अनुमति दी, परंतु अंग्रेज उन्हें कोई संप्रभु अधिकार देने के प्रति अनिच्छुक थे। राव का तर्क था कि 1935 के कानून को संविधान की तरह मानना चाहिए, न कि मात्र एक कानून। यही एक्ट बाद में भारत के अपने संविधान का आधार बना। राव ने अपना ''संयुक्त राज्य भारत'' का प्रस्ताव देश में निराशा के अंतिम क्षणों में तैयार किया, जब मुस्लिम लीग और कांग्रेस स्वतंत्र भारत के लिए संविधान की किसी भी प्रकार पर सहमति बनाने में असफल रहे थे। वर्ष 1946 में भारत में एक विचित्र और शर्मनाक स्थिति थी। चार वर्षों से एक विदेशी शक्ति स्वतंत्रता देना चाहती थी, परंतु वह ऐसा करने में असफल थी क्योंकि भारतीय स्वयं अपनी सरकार की प्रणाली पर सहमत नहीं हो रहे थे। राव ने देश को प्रांतीय सरकारों के संघ के रूप में संयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जहां हर प्रांत को स्वशासन का अधिकार हो पर स्वाधीनता का नहीं। उनका ''संयुक्त राज्य भारत'' तीन प्रकार के प्रांतों से बना था : ब्रिटिश भारतीय प्रांत, सीमावर्ती प्रांत, और रियासतें व जनजातीय क्षेत्र। सीमावर्ती प्रांत उन क्षेत्रों के अनुरूप थे जिन्हें मुस्लिम लीग पाकिस्तान के रूप में देखती थी। राव ने प्रांतों को स्थानीय मुद्दों पर स्वायत्तता दी, परंतु रक्षा, विदेशी मामलों, संचार और संबंधित वित्त पर नहीं। उनकी योजना ने ब्रिटिश और सीमावर्ती प्रांतों को केंद्रीय कार्यपालिका और विधायिका में समान प्रतिनिधित्व दिया। ''इस योजना का सार यह है'', राव ने लिखा कि ''एक समुदाय का प्रभुत्व दूसरों पर न हो। भारत की एकता इस प्रकार बचानी होगी कि वह सभी के लिए समान रूप से लाभदायक हो।'' राव ने संघ की एक ही संघीय विधायिका प्रस्तावित की, परंतु इसे तीन भागों में बिठाने की योजना बनाई, ताकि ''हर समूह के कार्य... केवल उसी समूह के सदस्य निपटाएं।'' उनके ''संयुक्त राज्य भारत'' की कार्यपालिका इस प्रकार व्यवस्थित की गई : ''संघ का कार्यकारी प्राधिकरण एक गवर्नर जनरल चलाए और उसे सलाह देने के लिए भारत की एक प्रिवी काउंसिल हो... तीनों समूहों के लिए प्रिवी काउंसिल की अलग-अलग कार्यकारी समितियां हों।'' अंबेडकर के ''संयुक्त राज्य भारत'' ने भी समान दृष्टिकोण अपनाया, जिसमें स्थानीय सरकारों को स्थानीय मुद्दों पर स्वायत्तता दी गई, परंतु रक्षा आदि राष्ट्रीय मसलों पर कोई नियंत्रण नहीं दिया गया। उनकी योजना का जोर कार्यकारी शाखा पर था। उन्होंने तर्क दिया कि संसद में बहुमत वाले दल का प्रधानमंत्री और कैबिनेट भारत की विविधता के अनुरूप नहीं। अंबेडकर ने कहा, ''ब्रिटिश प्रकार की कार्यपालिका भारत के अल्पसंख्यकों के जीवन, स्वतंत्रता और प्रसन्नता के प्रति खतरों से भरपूर होगी।'' उनकी योजना ने कार्यकारी शाखा को इस प्रकार समायोजित किया कि यह बहुमत वाली पार्टी की समिति नहीं थी। ''कार्यपालिका इस प्रकार गैर-संसदीय होनी चाहिए कि यह हटाई न जा सके'', उन्होंने लिखा। दुर्भाग्यवश, अंबेडकर और राव के दोनों दूरदर्शी प्रस्ताव नजरअंदाज कर दिए गए। राव का ''संयुक्त राज्य भारत'' जल्द ही इतिहास बन गया, जब 1946 में मुस्लिमों ने मोहम्मद अली जिन्ना के समर्थन और पाकिस्तान के निर्माण को बढ़-चढ़ कर मतदान किया। इसने अंबेडकर के प्रस्ताव के लिए भी कोई उम्मीद नहीं छोड़ी, क्योंकि हिंदू बहुमत अब भारत के अल्पसंख्यकों के साथ शक्ति बांटने का इच्छुक नहीं था। परंतु भारत अभी भी एकजुट होने के रास्ते तलाश रहा है। समय आ गया है कि अंबेडकर और राव के मूल प्रस्तावों को सही सम्मान दिया जाए और उन पर विचार हो।

देश दुनीया से

पाकिस्तान को दर्द का एहसास कराना होगा

मजहब के नाम पर वजूद में आया पाकिस्तान आज तक ऐसा कोई मुकाम हासिल नहीं कर सका जिसमें वो भारत का मुकाबला कर सके। चार युद्धों में शर्मनाक शिकस्त का दंश झेल कर आलमी सतह पर बेआबरू हो चुका पाक अपनी कायराना हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। 20 अप्रैल 2023 को पुंछ जिले के संगयोट क्षेत्र में आंतकियों ने सेना के वाहन पर हमले को अंजाम दिया था। उस हमले में 49 राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए। सेना के वाहन पर यह आतंकी हमला ऐसे वक्त में हुआ जब कई सियासतदान ईद के जश्न में इफ्तार पार्टियों में मशगूल थे। देश आईपीएल के खुमार में डूबा है। इसलिए सेना के पांच जवानों का बलिदान न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बना। सशस्त्र सेनाएं किसी एक राज्य या सियासी दल की नहीं होती हैं। मुल्क की सालमियत व मोहिब्बे वतन की प्रतीक सेना भारत की शान है। देशरक्षा के लिए शहादत देशभक्ति की पराकाष्ठा है तथा शौर्य पराक्रम का सबसे बड़ा सबूत। पुंछ हमले में पंजाब के शहीद सिपाही कुलवंत सिंह के पिता बलवंत सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में इसी कश्मीर के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। दरअसल भारत के खिलाफ जेहाद पाकिस्तान की विचारधारा बन चुका है। 22 अक्तुबर 1947 को कश्मीर पर किए गए हमले को पाक सिपहसालारों ने जेहाद का ही नाम दिया था। 1947 के उस हमले में घुसपैठिया युद्धकला के मास्टरमांइड मेजर अकबर खान ने 'आपरेशन गुलमर्ग' नामक सैन्य मिशन की कयादत करके श्रीनगर का फातिम बनने का जहालत भरा ख्वाब देखा था मगर भारतीय सेना के पलटवार के बाद अकबर खान को युद्धभूमि से भाग कर जान बचानी पड़ी थी। कश्मीर के महाज पर जिल्लत भरी शिकस्त व नाकामी के बदनुमां दाग से अफसुर्दा होकर अकबर खान ने 1950 में रावलपिंडी में पाक सैन्य बगावत को अंजाम दिया था। अपनी किताब 'रेडर्स इन कश्मीर' में अकबर खान ने खुद इसका जिक्र किया था। सन् 1965 में जनरल अयूब खान ने 'आपरेशन जिब्राल्टर' के तहत कश्मीर को हथियाने का दुस्साहस किया था। पांच सितंबर 1965 को 'तीन डोगरा' बटालियन के 17 जवानों ने अपना बलिदान देकर इसी पुंछ के मोर्चे पर पाक फौज को धूल चटाकर कश्मीर को बचाया था। 'तीन डोगरा' के हिमाचली शूरवीर कैप्टन प्रेम सिंह 'वीर चक्र' तथा सिपाही सुखराम 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) ने उस आपरेशन जिब्राल्टर के खिलाफ अहम किरदार अदा किया था। 1971 के युद्ध में इसी पुंछ के मोर्चे पर हिमाचली सूरमा कर्नल कश्मीरी लाल रतन 'महांवीर चक्र' तथा कर्नल पंजाब सिंह 'वीर चक्र' ने सिख बटालियन का नेतृत्व करके पाक फौज की पेशकदमी को ध्वस्त करके पुंछ को महफूज रखने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। जनरल याहिया खान के दौरे हुकूमत में दुनिया की चश्म ए पलक ने वो नजारा भी देखा जब बांग्लादेश के रामना रेसकोर्स गार्डन में भारतीय सेना ने 16 दिसंबर 1971 को पाक फौज को पाकिस्तान की गैरत को नीलाम करने पर मजबूर कर दिया था। कश्मीर पर तमाम नाकामियों तथा तीन युद्धों में पाक सेना की करारी शिकस्त का हिस्सा रहे पाकिस्तान की सैन्य हुकूमत का सफ्फाक चेहरा जनरल 'जिया उल हक' मार्च 1976 को पाक सेना के आठवें सिपहसालार बने थे।

> चार युद्धों में मर्शनाक शिकस्त का दंश झेल कर आमली सतह पर बेआबरू हो चुका पाक अपनी कायराना हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। 20 अप्रैल 2023 को पुंछ जिले के संगयोट क्षेत्र में आंतकियों ने सेना के वाहन पर महले को अंजाम दिया था। उस महले में 49 राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए। सेना के वाहन पर यह आतंकी महला ऐसे वक्त में हुआ जब कई सियासतदान ईद के जश्न में इफ्तार पार्टियों में मशगूल थे। देश आईपीएल के खुमार में डूबा है। इसलिए सेना के पांच जवानों का बलिदान न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बना। सशस्त्र सेनाएं किसी एक राज्य या सियासी दल की नहीं होती हैं। मुल्क की सालमियत व मोहिब्बे वतन की प्रतीक सेना भारत की शान है। देशरक्षा के लिए शहादत देशभक्ति की पराकाष्ठा है तथा शौर्य पराक्रम का सबसे बड़ा सबूत।

नागरिक बोध

राजस्थान में कांग्रेस भाजपा के अपने अपने दावे की बढ़ी रफ्तार

राजस्थान में इस वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव होने जा रहे है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार की रिपीट थ्योरी पर प्रचार कर रही है। इस बार महंगाई राहत कैम्प लगाकर जनता से जुड़ने का सलीका राजस्थान कांग्रेस में देखने को मिल रहा है। जिस रफ्तार से योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजनाओं को धरातल स्थल पर लागू करने की कांग्रेस की रफ्तार है। उससे कांग्रेस फिर से रिपीट सरकार बनाने के लिए लालायित है। ग्रामीण विस्तार में जनांदोलन के माध्यम से लोगो को योजनाओ की विस्तृत जानकारी देने की कार्यकर्ताओ में होड़ जमी हुई है। राजस्थान में भाजपा को मुख्यमंत्री का चेहरा नही मिलने से पार्टी की बैचेनी बरकरार है। भाजपा इस बार कांग्रेस को मात देने के लिए अलग गणित लगा रही है। भाजपा शोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले का आधार बनाकर प्रचार किया जा रहा है। भाजपा ने जनआक्रोश रैली निकाल कर कांग्रेस के के विकास के वादे की पोल खोलकर रख दी। कांग्रेस ने इस बार हर वर्ग को बिजली,पानी और गैस सिलिंडर में राहत देकर राजस्थान में हाथ को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन इस बार भाजपा की बारी के भरोसे कांग्रेस को हटाने के मूड में है। कांग्रेस के बोल से भाजपा के दिग्गज नेताओं के दिल पर ठेस पहुंची है। भाजपा के दिग्गज नेताओं का राजस्थान का असमय दौरा इस बात की गवाही है कि भाजपा में कुछ छूट रहा है। लेकिन पार्टी का जनमत विचारधारा से चलता है। राजस्थान में कांग्रेस भाजपा के विकास के फार्मूले की देखादेखी कर सरकार बनाने निकली है। वही भाजपा की द्विदाभरी स्थिति मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर है। कुछ असंतुष्ट विधायकों ने वसुंधरा राजे का विरोध भी जताया गया था। राजस्थान में वसुंधरा राजे बड़ी नेता है। इसबार विधानसभा में वसुन्धरा का चेहरा प्रमोट नही कर मोदी के नाम चुनाव लड़ने के ऐलान किया गया। यह भी कयास है कि वसुंधरा राजे को पीछे छोड़कर नए चेहरे को आगे लाने की चर्चा भाजपा का इस पर मंथन चल रहा है। राजस्थान में वसुंधरा राजे के पास बड़ा जनाधार है। उसके लिए राजे की अगवानी भाजपा के सुखद पहलू का केंद्र रहेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भाजपा के राजेंद्र राठौड़ पर हमलावर है,वही भाजपा भी कांग्रेस को निशाने पर ले रही है। उसके पहले कर्नाटक के चुनाव में भाजपा ने बाजी मार दी तो कांग्रेस के लिए राजस्थान की डगर मुश्किल भरी हो सकती है। राजस्थान में दोनों पार्टियों की जीत की दावेदारी पर मतदाता छुपी साधे हुए है लेकिन मतदाता ही अंत मे निर्णायक साबित होंगे। राजस्थान में नए चेहरे की तलाश में भाजपा मंथन कर रही है।वही ओम बिरला के नाम की मोहर लग जायेतो भाजपा मुख्यमंत्री के नाम पर प्रोजेक्ट कर सकती है। जिस हार जीत की गणित के आसपास घूमने वाली दोनों पार्टियों के जनमत और जनाधार की गणित वोटरों के हाथों में है।

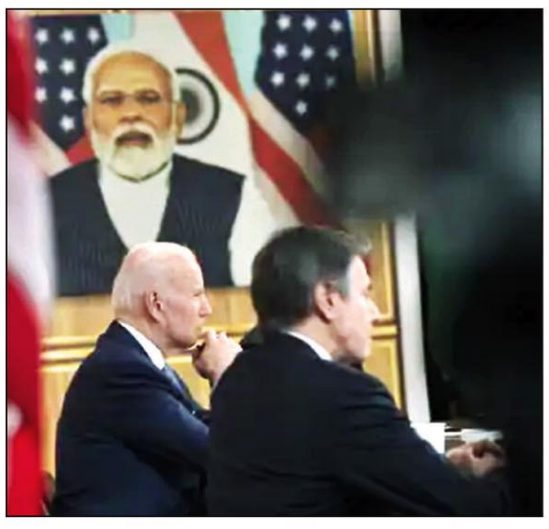

भारत को ब्लैकलिस्ट करवाना चाहता है अमेरिकी कमिशन : बीजेपी सरकार पर लगाए मुस्लिमों से भेदभाव के आरोप, पिछले 3 सालों से ये सुझाव दे रहा

वॉशिंगटन।

अमेरिका में एक कमिशन ने भारत को धार्मिक स्वतंत्रता के मामले में ब्लैक लिस्ट करने का सुझाव दिया है। कमिशन ने भाजपा सरकार पर अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करने के आरोप लगाए हैं। अमेरिका के इंटरनेशनल रीलिजस फ्रीडम ने लगातार चौथी साल ऐसा करने का सुझाव दिया है। 2022 की सालाना रिपोर्ट में कमिशन ने कहा है कि भारत को विशेष चिंता वाले देशों की सूची में डाला जाना चाहिए। इस सूची में डाले जाने के बाद भारत पर आर्थिक पाबंदियां भी लग सकती हैं।

सरकार अल्पसंख्यकों से भेदभाव करने वाले पॉलिसी बना रही - कमिशन ने कहा है कि भारत सरकार न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि राज्य और लोकल स्तर पर भी ऐसे कानून बना रही है जिससे अल्पसंख्यकों के भेदभाव हो रहा है। अमेरिका की रिपोर्ट में गौ हत्या ,धर्म परिवर्तन और हिजाब पर बने कानूनों का जिक्र है। बताया गया है कि इन कानूनों की वजह से मुस्लिमों, ईसाईयों, सिखों, दलितों और आदिवासियों पर नेगेटिव असर पड़ा है। रिपोर्ट में ये भी कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली भाजपा सरकार विरोधियों की आवाज को दबा रही है। खासकर उनकी जो अल्पसंख्यक समुदाय के हैं और अपने हकों की आवाज उठाते हैं।

बाइडेन भारत पर कार्रवाई करने में फेल - अमेरिका का इंटरनेशनल रीलिजस फ्रीडम कमिशन केवल सुझाव दे सकता है। ये सरकार की मंशा पर निर्भर करता है कि वो इसे मानेगी या नहीं। कमिशन ने पहले भी 3 बार भारत को ब्लैक लिस्ट करने का सुझाव दिया था जिसे वहां की सरकार ने स्वीकार नहीं किया। इस पर कमिशन ने बाइडेन की सरकार पर सवाल उठाए हैं। कमिशन ने कहा है कि बाइडेन भारत के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकामयाब रहे हैं। अमेरिका हमारे सुझावों के बावजूद भारत से रिश्ते मजबूत कर रहा है।2022 में दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार 98 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। बाइडेन भी कई मौकों पर प्रधानमंत्री मोदी से मिल चुके हैं।

भारत ने कहा था- ये पुर्व नियोजित सोच का नतीजा - अमेरिकी आयोग ने पिछले साल जून में भी भारत को इस सूची में रखने का सुझाव दिया था। इस पर सरकार ने अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट को गलत बताया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि अफ़सोस की बात है, यूएससीआईआरएफ अपनी रिपोर्ट में बार-बार तथ्यों को गलत तरीके से पेश करती है। भारत ने कहा था कि हम अपील करेंगे कि पहले से बनाई गई सोच और पक्षपातपूर्ण नजरिये के आधार पर किए जाने वाले मूल्याकंन से बचा जाना चाहिए।

ब्लैक लिस्ट किए गए देशों में चीन और पाकिस्तान भी शामिल - रिपोर्ट के मुताबिक कमिशन ने भारत के अलावा अफगानिस्तान, नाइजिरिया, सीरिया और वियतनाम को भी ब्लैक लिस्ट करने की मांग की है।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में मिशन मिलेट एवं स्वराज एक गाथा का आयोजन, भारतीय राज्यों के पारंपरिक व्यंजन शामिल

टोरोंटो । कनाडा के शहर टोरोंटो में रेडियो ढिशुम और कॉउंसलेट जनरल ऑफ इंडिया, टोरोंटो के सहयोग से पहली बार मिलेट मेला' और स्वराज - स्वतंत्रता की गाथा' का आयोजन बड़े पैमाने पर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत तरीके से दीप प्रवलित कर की गई। कार्यक्रम में भारत के 28 राज्यों और दो केंद्रीय शासित प्रदेशों की 40 प्रकार के मिलेट से बने पारंपरिक व्यंजन शामिल थे। सभी होम कुकस अपनी परंपरागत पोशाक में सुसज्जित थे और सभी के खाने की प्रस्तुति में क्षेत्रीय प्रभाव दिखाई दिया। लगभग 500 से ज्यादा आमंत्रित अतिथियों ने खाने-पीने की चीजों का आनंद लिया। सभी लोग मिलेट से बने व्यंजन और विभिन्न राज्यों की इतनी सारी डिशेज देख और खा कर बहुत ही हैरान थे। इसके बाद सभी होम कुकस ने एक अनूठा और निराला फैशन शो किया। लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट और उनके शोर से जाहिर था कि वे सभी बहुत उत्साहित थे। इस कार्यक्रम में दो वर्ष से लेकर 65 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने अनोखी भारत के 'स्वतंत्रता संग्राम एक गाथा' की प्रस्तुति की, जिसका निर्माण और निर्देशन लखनऊ की सौम्या मिश्रा ने किया। लोग मंत्रमुग्ध हो पूर्ण निस्तब्धता से इस नाट्य मंचन को देख भाव-विभोर हो उठे। पूरा हॉल भारत माता और वंदे मातरम के जयकारे से गूंजने लगा। इस नाटकीय-कथा के संपादन में लगभग तीन साल का समय लगा। इसमे 80 स्वतंत्रता सेनानियों का उल्लेख था और अधिकतर वह अगेय संग्राम के हीरो शामिल थे, जिनके बारे में लोगों ने कभी भी नहीं सुना था। इसके बाद मिलेट रेसपी बुक का डिजिटल अनावरण भारत की प्रधान कौंसलाधीश, अपूर्वा श्रीवास्तव और कार्यक्रम की आयोजक सौम्या मिश्रा ने किया।

जी-7 कारोबारी समूह का भारत के जी-20 के विषय को समर्थन, एक धरती एक परिवार को सतत विकास के लिए जरूरी बताया

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर देशों के समूह जी-7 के कारोबारी अधिकारियों ने भारत की जी-20 थीम 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' का समर्थन किया है। इस समूह के कारोबारी अधिकारियों ने कहा है कि सतत विकास हासिल करना जरूरी है जो वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के अनुकूल हो। जी-7 दुनिया की सात सबसे बड़ी और उन्नत अर्थव्यवस्था वाले देशों का समूह है, जिसमें जापान, इटली, कनाडा, फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इस माह के अंत में जापान में जी-7 शिखर सम्मेलन की बैठक से पहले 19-20 अप्रैल को टोक्यो में विदेश मंत्रियों का शिखर सम्मेलन भी आयोजित किया। वसुधैव कुटुम्बकम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' महा उपनिषद के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है। भारत को अध्यक्षता मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे जी-20 का विषय घोषित किया था। भारत की प्राचीन संस्कृति पर आधारित यह विषय जीवन के सभी मूल्य- मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीवों का पृथ्वी ग्रह पर और व्यापक ब्रह्मांड में उनकी परस्पर संबद्धता की पुष्टि करता है। भारत ने एक दिसंबर, 2022 से 30 नवंबर, 2023 तक एक वर्ष के लिए जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की। जी-20 शिखर सम्मेलन इस वर्ष 9-10 सितंबर को दिल्ली में होगा। भारत-अमेरिका वार्षिक बायोफार्मा एवं स्वास्थ्य देखभाल शिखर सम्मेलन से पहले, शीर्ष भारतीय अधिकारी अमिताभ कांत ने जी-20 देशों से साक्ष्य-आधारित अनुसंधान पर सहयोग करने और ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया है।

रूसी सैनिकों को यूक्रेन में लड़ाई करने से इनकार करना पड़ रहा भारी, दी जा रही खौफनाक सजा

मॉस्को । ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के एक ट्वीट के अनुसार, रूसी सैनिकों को मध्यकालीन तकनीकों का उपयोग करके दंडित किया जा रहा है, क्योंकि कमांडर खराब अनुशासन पर कायम हैं। सैनिकों को क्रेमलिन के साथ अपने अनुबंधों को समाप्त करने का प्रयास करने और यूक्रेन में लड़ने से इनकार करना भारी पड़ रहा है। सजा के तौर पर उन्हें जिंदान कहे जाने वाले पिंजरे में डाला जा रहा है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा कि उसने जिंदान के उपयोग में होने की कई रिपोर्टें सुनी हैं। इसमें जमीन में छेद होते हैं जो धातु की जाली से ढके होते हैं। मंत्रालय ने अपने दैनिक खुफिया अपडेट में कहा, हाल के महीनों में रूसी कमांडरों ने जिंदान में सैनिकों को हिरासत में लेकर अनुशासन के उल्लंघन की सजा देना शुरू कर दिया है। जिंदान प्राचीन सजा का हिस्सा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस में यह सजा दी जाती थी। इसके अलावा 20वीं सदी की शुरुआत में मध्य एशिया के कुछ हिस्सों में भी जिंदान की सजा दी जाती थी।

पाकिस्तान में कपूर हवेली पर मालिकाना हक वाली याचिका खारिज : वकील का दावा- राज कपूर यहां रहे इसका कोई सबूत नहीं

पेशावर।

पाकिस्तान की एक अदालत ने दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता राज कपूर की हवेली पर मालिकाना हक को लेकर याचिका खारिज कर दी है। राज कपूर की इसी हवेली को 2016 में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा की सरकार ने राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था। पेशावर हाईकोर्ट की दो सदस्यीय बेंच ने हवेली पर मालिकाना हक को लेकर याचिकाकर्ता की याचिका खारिज की। इस बेंच में जस्टिस इश्तियाक इब्राहिम और अब्दुल शकूर शामिल थे।

2014 में नवाज सरकार ने राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था

कोर्ट ने ये फैसला दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार की हवेली पर कब्जे से जुड़े एक आदेश को ध्यान में रखते हुए सुनाया। दिलीप कुमार की ये हवेली पेशावर के लोकप्रिय किस्सा ख्वानी बाजार में स्थित है। इस हवेली को नवाज शरीफ की सरकार 2016 में ही राष्ट्रीय धरोहर घोषित कर चुकी है।

जज ने पूछा- क्या कभी इस हवेली में रहे राज कपूर

इस पर जस्टिस शकूर ने आर्कियोलॉजी विभाग से पूछा कि क्या उनके पास कोई दस्तावेज या सबूत हैं, जिससे पता चल सके कि राज कपूर का परिवार कभी इस हवेली में रहा था पेटीशन दायर करने वाले सईद मुहम्मद के वकील सबाहुद्दीन खत्ताक ने कोर्ट में जवाब देते हुए कहा- याचिकाकर्ता के पिता ने 1969 की एक नीलामी के दौरान इस हवेली को खरीद लिया था। तब से वो ही इसके मालिक हैं। वकील खत्ताक ने दावा किया कि किसी भी विभाग के पास ऐसा कोई सबूत मौजूद नहीं है जिससे साबित हो सके कि राज कपूर या उनका परिवार कभी इस हवेली में रहा था। हालांकि, जजों की बेंच ने फिर भी मामला सिविल कोर्ट में ले जाने की बात कही।

2005 के भूकंप के बाद जर्जर हुई थी हालत

राज कपूर की ये हवेली अब बहुत ही जर्जर हालत में है। 40 से 50 कमरे वाली शानदार पांच मंजिला इमारत का टॉप और चौथा फ्लोर ढह चुका है। इसके मौजूदा मालिक इस हवेली को ढहाकर यहां एक कॉमर्शियल प्लाजा बनाना चाहते हैं। हालांकि, आर्कियोलॉजी विभाग इसके खिलाफ है।. वो इस हवेली के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए इस धरोहर को सहेजकर रखना चाहता है। राज कपूर की हवेली के बारे में मशहूर है कि 1947 में पार्टीशन से पहले शादी की पार्टी देने के लिए लोगों की पहली पसंद होती थी। हवेली में बुकिंग नहीं मिलने के चलते 6-6 महीने डेट्स आगे बढ़ानी पड़ती थीं। लेकिन भूकंप के बाद इसकी हालत खराब होती गई। 2016 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने इन घरों को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था पर इसे संरक्षित करने के लिए कोई झांकने तक नहीं पहुंचा था।

100 साल पुरानी है कपूर हवेली

यह हवेली पृथ्वीराज कपूर के पिता और ऋषि कपूर के परदादा दीवान बशेश्वरनाथ कपूर ने 1918-1922 के बीच बनवाई थी। हवेली के बाहर लगी लकड़ी की प्लेट के मुताबिक, बिल्डिंग का बनना 1918 में शुरू हुआ और 1921 में यह तैयार हो गई। इस हवेली में 40-50 कमरे हैं और हवेली के बाहरी हिस्से में खूबसूरत मोटिफ उकेरे हुए हैं। इसमें आलीशान झरोखे बने हुए हैं। इसी हवेली में राज कपूर और उनके चाचा त्रिलोक कपूर का जन्म हुआ था। 1990 में ऋषि कपूर और रणधीर कपूर हवेली देखने पहुंचे थे। दिलीप कुमार की पुश्तैनी हवेली भी कपूर हवेली के पास ही है। दोनों हवेलियों के मालिकों ने कई बार इन्हें गिराकर कॉमर्शियल प्लाजा बनाने की कोशिश की थी, लेकिन सरकार ने इसकी मंजूरी नहीं दी।

2022 में अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ी, चीन से आने वालों की संख्या घटी

वाशिंगटन । भारतीय छात्रों के पढ़ने लिए अमेरिका सबसे लोकप्रिय जगह है। वहीं एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भारत से पिछले वर्ष की तुलना में अधिक छात्रों संयुक्त राज्य अमेरिका आए जबकि चीन से आने वालों की संख्या में कमी आई है। यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि चीन और भारत के छात्रों की संख्या ने एशिया को सबसे लोकप्रिय मूल महाद्वीप बना दिया। कैलेंडर वर्ष 2020 से 2021 में चीन ने 2022 में 2021 (-24,796) की तुलना में कम छात्रों को भेजा, जबकि भारत ने अधिक छात्रों को भेजा लगभग (+64,300)। स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर प्रोग्राम के अनुसार, 12 वीं कक्षा के माध्यम से किंडरगार्टन में नामांकित अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या 2021 से 2022 (+3,887) तक 7.8 प्रतिशत बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी भी के-12 स्कूल ने कैलेंडर वर्ष 2022 में कैलेंडर वर्ष 2021 के समान 700 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मेजबानी नहीं की। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के सभी चार क्षेत्रों में 2021 से 2022 तक अंतरराष्ट्रीय छात्र रिकॉर्ड में वृद्धि देखी गई, जिसमें संबंधित वृद्धि 8 से 11 प्रतिशत तक थी। कैलेंडर वर्ष 2021 में 115,651 की तुलना में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में, कैलिफोर्निया में 225,173 अंतरराष्ट्रीय छात्र आए, जो किसी भी अमेरिकी राज्य के अंतरराष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा प्रतिशत (16.5 प्रतिशत) है।

बिलावल भुट्टो की बहन ने निकाह के बाद कराची के हिंदू मंदिर में जाकर किए दर्शन, सोशल मीडिया पर हलचल

कराची ।

लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता और पाकिस्तान के दिवंगत प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की पोती फातिमा भुट्टो ने अपने निकाह के बाद हिंदू मंदिर के दर्शन कर नई मिसाल कायम की। फातिमा के इस कदम से सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। कुछ लोगों ने उनकी तारीफ की तो कई लोगों ने पूछा कि वह वहां क्या करने गई थीं। फातिमा (40) पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की बहन हैं। वह पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत बेनजीर भुट्टो की भतीजी और मुर्तजा भुट्टो की बेटी हैं। यहां उनके दादा के पुस्तकालय में सादगी से उनका निकाह हुआ। फातिमा और उनके पति ग्राहम जिब्रान ने कराची में ऐतिहासिक महादेव मंदिर जाकर सोशल मीडिया पर हलचल पैदा कर दी। वह हिंदू सिंधियों के सम्मान में मंदिर पहुंचे थे, जिनकी जड़ें प्राचीन काल से कराची से जुड़ी हुई हैं। मीडिया में आईं खबरों के अनुसार, फातिमा के पति ग्राहम ईसाई हैं और अमेरिकी नागरिक हैं। फातिमा के साथ उनके भाई जुल्फिकार अली भुट्टो जूनियर और हिंदू नेता भी मौजूद थे। उन्होंने और उनके पति ने देवता पर दूध चढ़ाया। फातिमा और उनके पति के इस कदम को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों लोगों ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी। ट्विटर अकाउंट 'सिंधी अर्जक' ने तस्वीर पर टिप्पणी की, तस्वीरें देखकर बहुत अच्छा लगा। एक अन्य यूजर ने लिखा, बहुत बढ़िया। हालांकि कई यूजर ने पूछा कि वह वहां क्या करने गई थीं। कुलसुम मुगल नामक यूजर ने ट्वीट किया, इस रस्म का मतलब क्या है। एक अन्य यूजर ने लिखा, अच्छा, सिंधी धर्मनिरपेक्षता का मतलब हिंदूवाद का अनुसरण करना होता है। उनके भाई ने एक ट्वीट में कहा कि हमारे देशवासियों और महिलाओं द्वारा महसूस की गई कठिन परिस्थितियों के कारण, हम सभी को लगा कि भव्य रूप से जश्न मनाना अनुचित होगा। उन्होंने कहा, कृपया फातिमा और ग्राहम जिब्रान को अपनी प्रार्थनाओं में शामिल करें। भुट्टो परिवार पाकिस्तान की राजनीति में एक जबरदस्त ताकत बना हुआ है, लेकिन उनका इतिहास त्रासदियों से भरा रहा है। बता दें, जुल्फिकार अली भुट्टो को सैन्य तख्तापलट के बाद अप्रैल 1979 में तत्कालीन सैन्य तानाशाह जिया उल हक ने फांसी पर चढ़वा दिया था।

मां काली की आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट करने पर यूक्रेन ने मांगी माफी, उप विदेश मंत्री ने कही ये बात

कीव ।

रूस से जारी युद्ध के बीच मां काली को लेकर किए गए एक पोस्ट ने यूक्रेन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दरअसल, हाल ही में यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने एक ट्वीट किया था, जिसमें उसने देवी मां काली की आपत्तिजनक तस्वीर साझा की थी। इसे लेकर भारत समेत पूरी दुनिया के हिंदू समुदाय ने नाराजगी जाहिर की थी। अब इस पूरे वाकये को लेकर यूक्रेन की तरफ से खेद जताया गया है। खुद यूक्रेन की उप विदेश मंत्री ने माफी मांगते हुए इस घटना पर ट्वीट किया है। यूक्रेन की प्रथम उप-विदेश मंत्री एमिने झेपर ने ट्वीट में लिखा, हम यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय की ट्वीट, जिसमें देवी काली को गलत तरह से दिखाया गया था, उसके लिए खेद जताते हैं। यूक्रेन और यहां के लोग भारत की अद्वितीय संस्कृति का सम्मान करते हैं और उसके समर्थन की प्रशंसा करते हैं। इस फोटो को पहले ही हटा लिया गया है। यूक्रेन आपसी सम्मान की भावना के साथ भारत के साथ दोस्ती और सहयोग बढ़ाने

के लिए संकल्पित है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय द्वारा पोस्ट किए गए एक ट्वीट में धुएं के गुबार के ऊपर कथित तौर पर देवी काली की एक तस्वीर दिखाई गई। तस्वीर में जीभ बाहर दिख रही है। साथ ही माता काली के गले में खोपड़ियों की माला है। ट्विटर हैंडल ने वर्क ऑफ आर्ट कैप्शन के साथ छवि को पोस्ट किया था। इसके बाद भारतीयों का यूक्रेन की इस नापाक हरकत पर गुस्सा फूटा है। हालांकि, भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स के रोष जताए जाने के बाद यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट हटा दिया। फोटो 30 अप्रैल को पोस्ट किया गया था। वहीं डिलीट करने के बाद भी यूक्रेन द्वारा शेयर की गई तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। कई भारतीय ट्विटर उपयोगकर्ताओं ने गुस्से में प्रतिक्रियाएं दी थी और फोटो को हटाने की बात कही थी। लोगों ने यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय पर असंवेदनशीलता और भारतीयों की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया।

अमेरिका ने कहा- इस समय क्वाड में नए सदस्य जोड़ने की कोई योजना नहीं, मजबूती पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा

वाशिंगटन (यूएस)।

अमेरिका ने कहा कि इस समय क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग में नए सदस्यों को जोड़ने की कोई योजना नहीं है। क्वाड के विस्तार पर एक मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने कहा, क्वाड की स्थापना दो साल पहले हुई थी। क्वाड अभी भी एक अपेक्षाकृत युवा साझेदारी है। नए सदस्यों को शामिल करने के लिए इस समय कोई योजना नहीं है। क्वाड सदस्यों ने सहमति व्यक्त की है कि फिलहाल क्वाड की कई ताकतों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, हालांकि क्वाड इंडो-पैसिफिक साझेदारों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ समुद्री डोमेन जागरूकता पर अपने इंडो-पैसिफिक साझेदारों के माध्यम से काम करने के अवसरों का स्वागत करता है, जो क्षेत्र के चारों ओर अत्याधुनिक समुद्री डोमेन जागरूकता तकनीक प्रदान कर रहा है। चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) चार लोकतंत्रों का एक समूह है। जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान शामिल

है। जिसका उद्देश्य मुक्त, खुला और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करना और उसका समर्थन करना है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने घोषणा की थी कि वह 24 मई को सिडनी में क्वाड लीडर्स समिट की मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा था कि यह अमेरिका, जापान और भारत के सहयोग से काम करने का मौका होगा।

क्वाड लीडर्स समिट के बारे में बात करते हुए पियरे ने कहा, 24 मई को होने वाला सिडनी शिखर सम्मेलन क्वाड के लिए जलवायु, वैश्विक स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अन्य क्षेत्रों में साझेदारों के लिए अन्य अवसरों का प्रदर्शन करेगा। क्वाड की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि यह वर्तमान में इंडो-पैसिफिक को मुक्त रखने के लिए अच्छी स्थिति में है और इसलिए इस समय इसके विस्तार पर कोई बातचीत नहीं हो रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मई में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करेंगे। यह घोषणा मार्च में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस के साथ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान की गई थी, जब वह भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आए थे। पीएम मोदी ने कहा था, भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों क्वाड के सदस्य हैं। मई में क्वाड लीडर्स समिट के लिए मुझे ऑस्ट्रेलिया में आमंत्रित करने के लिए मैं पीएम अल्बनीस को धन्यवाद देता हूं। मैंने उन्हें सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत आमंत्रित किया है। क्वाड समूह के नेता इससे पहले चार मौकों पर मिल चुके हैं और उनकी अगली बैठक ऑस्ट्रेलिया में होगी।

इमरान की शहबाज सरकार को दो टूक, कहा-

सुप्रीम कोर्ट का फैसला ना माना गया तो सड़कों पर उतरेगी जनता

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने लाहौर में एक रैली को संबोधित करते हुए सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान को चेतावनी दी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि 14 मई को पंजाब प्रांत में चुनाव कराने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ तो उनकी पार्टी इसके विरोध में सड़कों पर उतरेगी।

इमरान ने दी सरकार को चेतावनी

इमरान खान की रैली के लिए बड़ी संख्या में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ता लिबर्टी चौक पर मौजूद रहे। इस रैली को संबोधित करने के लिए इमरान बुलेट बम प्रूफ वाहन में पहुंचे थे।उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वे पीएमएलएन सरकार के चुनावों में देरी करने की साजिश में नहीं फंसेंगे। उन्होंने कहा- पूरे देश में एक साथ ही चुनाव कराने के लिए सरकार को 14 मई को नेशनल असेंबली भंग करना होगा। यदि वह ऐसा नहीं करती है तो फिर उनसे कोई बात नहीं होगी और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के

अनुसार 14 मई को पंजाब में चुनाव कराया जाएगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ तो वे इसके विरोध में सड़कों पर उतरेंगे। सरकार और पीटीआई के बीच आखिरी बातचीत होगी। इमरान ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा- मैं चोरों (शरीफ और जरदारी) और उनके संचालकों को चेतावनी देता हूं कि अगर वो संविधान का विरोध करते हैं और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करेंगे पूरा राष्ट्र मेरे साथ शीर्ष अदालत का समर्थन करने सड़कों पर उतर आएगा।

सरकार पर लगाया आरोप

इमरान खान ने सरकार पर चुनाव से भागने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि सरकार को चुनाव में पीटीआई से हारने का डर है। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान ने बताया कि शीर्ष अदालत ने 14 मई को पंजाब में चुनाव कराने का आदेश दिया है।

संयुक्त चुनाव के लिए पीटीआई की ओर से शर्त रखते हुए इमरान ने कहा कि विधानसभाओं को 14 मई तक भंग करना होगा। इसके लिए पार्टी केवल मुख्य न्यायाधीश के कहने पर सरकार से बातचीत कर रही है। अगर सरकार बजट पास होने के बाद यानी की सितंबर में चुनाव कराने की बात कहती है तो पार्टी उनकी इस योजना पर नहीं फंसने वाले हैं। फिर वे इस मामले में कानूनी सहारा भी लेंगे।

रैली में भारी संख्या में मौजूद जनता का किया धन्यवाद

ट्वीट की श्रृंखला में इमरान ने कहा- मैं अपने कार्यकर्ता और लाहौर के लोगों का इस रैली में आने के लिए धन्यवाद करता हूं। वे इस रैली से जुड़कर हमारा समर्थन कर रहे हैं। वो जो हमारे कानून और नियमों का उल्लंघन और सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवमानना कर रहे हैं, यह जान लें कि इस कोर्ट के फैसले का बचाव करने के लिए पाकिस्तान की जनता सड़कों पर उतरेगी।

सुप्रीम कोर्ट की सलाह पर सरकार और पीटीआई के बीच पिछले हफ्ते से इस मुद्दे पर बातचीत हो रही है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई जहां प्रांतीय विधानसभाओं में चुनाव कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है, वहीं सरकार पूरे प्रांत में एक साथ चुनाव कराना चाहती है।

बता दें कि नेशनल असेंबली का पांच साल का कार्यकाल इस साल अगस्त में पूरा होगा। संविधान के अनुसार, निचले सदन के विघटन के 90 दिन के भीतर चुनाव होता है। इस हिसाब से चुनाव अक्तूबर के मध्य तक होना चाहिए। बता दें कि पिछला आम चुनाव जुलाई 2018 में हुआ था।

पंजाब में अब तक 29 हजार युवाओं को दीं सरकारी नौकरियां : सीएम भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि मार्च 2022 से अब तक नौजवानों को 29 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं। अभी भी अलग-अलग विभागों में भर्ती प्रक्रिया चल रही है। मंगलवार को चंडीगढ़ में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान और सहकारिता विभाग के नए चुने दो सौ उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपने के मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने नौजवानों को रोजगार देने की गारंटी दी थी और यह बहुत संतोषजनक बात है कि अब तक 29 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं, जबकि पिछली सरकार के समय पढ़े-लिखे नौजवान बेरोजगारी का दुख भोगते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस म्यूनिस्पिल भवन में मैं हफ्ते में दो बार नौजवानों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आता हूं, जिस कारण इस भवन को *नियुक्ति भवन* भी कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विभागों में भर्ती चल रही है, जिससे और नौजवानों को भी जल्दी ही नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। नए चुने उम्मीदवारों

को सरकार के परिवार का हिस्सा बनने के लिए बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने उनको अपनी ड्यूटी तन-मन और लगन के साथ निभाने के लिए कहा जिससे कामकाज के लिए उम्मीदों के साथ उनके पास आने वाले लोगों को किसी किस्म की परेशानी का सामना न करना पड़े। नौजवानों को क्रमवार नियुक्ति पत्र सौंपने का जिक्र करते हुए भगवंत मान ने कहा कि समूची भर्ती प्रक्रिया केवल मेरिट, निष्पक्षता और पारदर्शी ढंग से पूरी की जा रही है जिससे किसी तरह की कानूनी रुकावट न आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक एक भी नौकरी के लिए किसी तरह की अदालती चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि एक नौजवान पहले क्लर्क भर्ती हुआ, उसके बाद मेहनत करके ऐसिस्टैंट लाईनमैन बना और उसके बाद एसडीओ नियुक्त हुआ है। स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने की वचनबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में स्टाफ बहुत काबिल है परंतु अपेक्षित साजो-सामान न होने के कारण लोगों को स्वास्थ्य सहूलतें नहीं मिल रही थीं परंतु अब सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र को प्रमुखता दी जा रही है। *सरकार तुहाडे द्वार* प्रोग्राम को पंजाब भर में लागू करने का ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हफ्ते में दो बार डिप्टी कमिशनर और अन्य स्टाफ गांवों के दौरे करके लोगों की समस्याओं का मौके पर निपटारा करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने जिलों में पायलट प्रोजैक्ट के तौर पर इसको लागू किया था और इसकी सफलता के बाद अब व्यापक स्तर पर लागू किया जा रहा है।

बीएसएफ ने भारत पाक सीमा से बरामद की हेरोइन

चंडीगढ़ (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल ने भारत-पाक सीमा से हेरोइन बरामद की है। यह हेरोइन पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सीमा में गिराई गई थी। बीएसएफ ने इस मामले में सीमावर्ती क्षेत्र थाना ममदोट में मुकदमा दर्ज कराया है। बीएसएफ के जवान सामान्य की भांति सोमवार रात सीमावर्ती क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान गांव सेंठा हिठाड़ में पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन द्वारा भेजी गई हेरोइन के पैकेट को बीएसएफ की 182 बटालियन के जवानों सर्च ऑपरेशन के दौरान पकड़ लिया। पैकेट से 2.740 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। थाना ममदोट को दी शिकायत में बीएसएफ 182 बटालियन के कमांडर मोनू ने बताया है कि पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में भेजी गई हेरोइन का सफेद रंग का कपड़े से बंधा हुआ पैकेट बरामद हुआ जिसमें से 2.740 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने मामला दर्ज करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

दुनियाभर में अस्थमा से होने वाली मृत्यु में भारत के 42 प्रतिशत लोग शामिल

बीकानेर (हिंस)। दुनिया भर में विश्व अस्थमा दिवस हर साल मई के पहले मंगलवार को मनाया जाता है। इस वर्ष दो मई को विश्व अस्थमा दिवस मनाया गया। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक तथा श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गुंजन सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में भारत में तीन करोड़ 43 लाख लोग अस्थमा से पीड़ित है, दुनिया भर में अस्थमा से होने वाली मृत्यु में भारत के 42 प्रतिशत लोग शामिल है। राजस्थान में 26 प्रतिशत लोग वर्तमान में अस्थमा से पीड़ित है, जिसमें बीकानेर जिले में करीब चार लाख लोग अस्थमा रोग से ग्रसित है। प्राचार्य सोनी के अनुसार एसपी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध पीबीएम अस्पताल के श्वसन रोग विभाग की ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों में हर चौथे व्यक्ति को अस्थमा की शिकायत है। इस वर्ष विश्व अस्थमा दिवस 2023 की थीम *अस्थमा केयर फॉर ऑल* है। इस थीम का भारत सहित दुनिया भर के अन्य देशों में अस्थमा के बारे में वैश्विक जागरूकता करना है। उन्होंने बताया कि अस्थमा फेफड़ों के एयरवेज से जुड़ी सूजन संबंधी बीमारी है। इसमें व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत होती है, साथ ही कुछ तरह की शारीरिक गतिविधिया करना मुश्किल और लगभग नामुमकिन हो सकता है। अस्थमा के मरीजों के वायुमार्ग की परत में सूजन आ जाती है और आसपास की मांसपेशियों में तनाव आ जाता है, जिससे बलगम इन वायुमार्गों में भर जाता है, साथ ही यहां से गुजरने वाली हवा की मात्रा कम हो जाने से अस्थमा का अटैक आता है, जिसकी वजह से खांसी और छाती में जकड़न महसूस होती है। प्राचार्य सोनी ने बताया कि बीकानेर जिले में अस्थमा बढ़ने की वजह डस्ट माइट, बढ़ता प्रदूषण प्रमुख कारण हैं। अस्थमा के मरीज को सर्वाधिक तकलीफ अक्सर सुबह चार से छह बजे के बीच होती है। डॉ. सोनी ने बताया कि अस्थमा के लक्षण किस प्रकार के हैं, उसी के अनुसार इसका इलाज तय होता है। इंटरमीटेंट अस्थमा व्यक्ति की दैनिक दिनचर्या को प्रभावित नहीं करता है।

राजनीति की बजाए कुश्ती बचाने की लड़ाई में खिलाड़ियों का साथ दें बबीता फौगाट : रवि आजाद

भिवानी (हिंस)। भारतीय किसान यूनियन के नेता रवि आजाद बहलिया ने अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बबीता फौगाट पर जंतर-मंतर पर बैठे खिलाड़ियों को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस कुश्ती ने बबीता फौगाट को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई, उन कुश्ती व खिलाड़ियों के समर्थन में आना चाहिए, जबकि वे राजनीति करने में लगी हुई हैं। रवि आजाद ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, जो जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन कर रहे है, उनकी आवाज को सरकार सुने। वरना देशभर का किसान उनके साथ सड़कों पर आंदोलन करने को उतारू होगा। वही साथ-साथ में उन्होंने भाजपा नेता एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी योगेश्वर दत्त व बबीता फौगाट के बयानबाजी को लेकर

भी उनको आड़े हाथ लिया। आजाद ने कहा कि पहलवानों के आंदोलन को बदनाम और कमजोर करने की कोशिश करने वाली भाजपा नेता बबीता फौगाट समझें कि बहनों की इज्जत से प्यारी राजनीति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि पहलवान बबीता फौगाट चाहे कुछ भी कर लें, लेकिन खिलाड़ियों का साथ दिए बगैर चुनाव नहीं जीत सकती। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बबीता फौगाट ने खिलाड़ियों का साथ नहीं दिया तो आने वाले चुनाव में उनका प्रत्येक गांव से बहिष्कार किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि किसान का ट्रैक्टर तैयार खड़ा है या तो बृजभूषण को गिरफ्तार करो, अन्यथा ट्रैक्टरों से दिल्ली पर चढ़ाई करेंगे।

अब पंजाब में साढ़े सात बजे से दो बजे तक लगेंगे सरकारी दफ्तर

मुख्यमंत्री भगवंत मान व मंत्री सुबह साढ़े सात बजे पहुंचे दफ्तर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में मंगलवार से सभी सरकारी दफ्तरों का समय बदल गया है। राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान, मंत्रियों समेत सभी जिलों के कर्मचारी आज सुबह 7.30 बजे दफ्तर में पहुंचे। राज्य में गर्मी के मद्देनजर पहली बार सरकारी दफ्तरों के समय में बदलाव किया गया है। हालांकि, प्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार रात से बारिश होने के कारण तापमान में गिरावट भी आई है, लेकिन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज से 15 जुलाई तक दफ्तर सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर दो बजे तक खुलेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान सुबह 7.28 बजे पंजाब सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय पहुंच गए। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरकारी कर्मचारियों और आम जनता से पूछ कर लिया गया है। अगर यह प्रयोग सफल हुआ, तो सर्दी और गर्मियों में कार्यालयों के खुलने के समय में अंतर होगा। सीएम भगवंत मान ने लाइव होकर लोगों के सामने समय बदलने को लेकर अपनी बात रखी। मान ने कहा कि इस बार गर्मी बहुत ज्यादा पड़ने के आसार हैं। जब सुबह 7.30 बजे ऑफिस खुलेंगे, तो लोग सरकारी दफ्तरों में पहुंच कर दोपहर से पहले अपने काम करवाकर फ्री हो जाएगा। उसके बाद लोग अपने रोजमर्रा के कामों में जा सकते हैं। अभी तक कार्यालयों का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होता था, इसलिए लोगों को अपनी दिहाड़ी छोड़कर काम को चुनना पड़ता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले से एक दिन में सरकारी दफ्तरों से 350 मेगावॉट बिजली की खपत कम हो जाएगी। यानी कि एक महीने में 16 से 17 करोड़ और ढाई महीनों में 40 से 42 करोड़ तक की बचत होगी। पंजाब में बिजली की खपत का पीक आवर दोपहर 1.30 से 4 बजे तक होता है। सीएम ने साफ किया कि इस साल उद्योगों, घरों तथा कृषि क्षेत्र में किसी तरह का बिजली कट नहीं लगाया जाएगा। बदले हुए समय पर दफ्तर पहुंचे मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि देश के अन्य कई राज्यों ने भी इस बारे में पूछा है। दफ्तरों का समय बदलने से दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई आदि जैसे मेट्रो शहरों को लाभ मिलेगा। सीएम ने कहा कि फिलहाल पहले चरण में 15 जुलाई तक नया समय लागू किया गया है। इसके बाद आगे का फैसला लिया जाएगा।

दो सगे भाइयों की पत्नियां बच्चों सहित घर से गायब

कैथल (हिंस)। कलायत से दो विवाहित महिलाएं अपने बच्चों को साथ लेकर चुपचाप घर से चली गईं। दोनों महिलाएं घर से जाते हुए अपने चार बच्चों के साथ नगदी भी ले गईं। परिजनों ने थाने में दोनों की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई है। इस घटना के बाद तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। कलायत थाना में दी गई शिकायत में शहर की एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने बताया कि 30 अप्रैल की रात्रि उसके परिवार को जानकारी दिए बिना ही उसकी एवं उसके भाई की पत्नी नाबालिग दो लड़कों और दो लड़कियों को साथ में लेकर घर से चली गईं। सभी की तलाश के लिए पत्नी व भाभी के मायके में भी पता किया है, लेकिन वह यहां पर नहीं हैं।

जेईई मेंस में छाए हरियाणा सुपर-100 के विद्यार्थी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के स्कूल शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने कहा कि शिक्षा विभाग के संचालित सुपर-100 कार्यक्रम बैच में विद्यार्थियों का जेईई मेन्स की वर्ष 2021-23 का परिणाम बेहतर रहा है। सुपर-100 कार्यक्रम में शीर्ष पांच छात्रों का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री पाल ने मंगलवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सुपर-100 कार्यक्रम हरियाणा सरकार एवं विकल्प फाउंडेशन की एक पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतिस्पर्धा का माहौल प्रदान करना है। यह एक आवासीय कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आईआईटी और एनईईटी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को एक विशेष चयन प्रक्रिया के माध्यम से दो वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भाग बनाया जाता है, जिसमें प्रशिक्षण का कार्य विकल्प फाउंडेशन तथा अन्य सभी खर्च हरियाणा सरकार वहन कर रही है। कंवर पाल ने कहा कि सुपर-100 कार्यक्रम बैच 2021-23 से कुल 89 विद्यार्थी जेईई मेन्स की परीक्षा उत्तीर्ण कर जेई एडवांस के लिए क्वालीफाई हुए हैं। प्रथम स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों में 99 प्रतिशत से ऊपर के अंक लाने वाले दो विद्यार्थी हरियाणा के हैं। सिरसा से विकास की कुल 99.58 प्रतिशत उपलब्धि रही, जिसमे गणित की 99.79 प्रतिशत तथा भौतिक विज्ञान की 98.47 प्रतिशत और रसायन विज्ञान में 97.57

प्रतिशत से विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। मंत्री पाल ने कहा कि सुपर-कार्यक्रम में शीर्ष पांच छात्रों का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा है। सिरसा के विकास 99.58 प्रतिशत, हिसार के विकास कुमार 99.00 प्रतिशत, रोहतक के आदित्य मोहन 97.98 प्रतिशत, जींद के अजय कुमार 97.81 प्रतिशत और जींद के आकाश 97.22 प्रतिशत अंक लेकर अति उत्तम प्रदर्शन रहा है। उन्होंने कहा कि केवल छात्र ही नहीं बल्कि छात्राएं भी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन दिखा रही हैं, जींद जिले से महक ने 96.55 प्रतिशत और नेहा ने 95.64 प्रतिशत अंक प्राप्त करके परीक्षा उत्तीर्ण की है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि सुपर-100 कार्यक्रम की पूरी टीम और विद्यार्थियों को उनकी शानदार उपलब्धि और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हैं। इस प्रकार यह कार्यक्रम बहुत ही सफल एवं कारगर है, जिसके माध्यम से हरियाणा के विद्यार्थियों ने वांछित सफलता पाई है जो सरकार की शिक्षा नीति का परिणाम है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर जमे आरक्षण आंदोलनकारी

भरतपुर (हिंस)। आरक्षण आंदोलन के कारण 12 दिन बाद भी मंगलवार को आगरा-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद रहा। माली, सैनी, शाक्य, मौर्य, कुशवाह समाज बारह प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर 21 अप्रैल से हलैना गांव में हाईवे जाम कर आंदोलन कर रहा है। आंदोलन खत्म करने का फैसला मंगलवार को होगा। आंदोलनकारियों के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की सोमवार को राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के साथ दो दौर की वार्ता हुई। संयोजक मुरारीलाल सहित बदनसिंह, संदीप सैनी आदि नेताओं ने ओबीसी आयोग से हुई वार्ता को संतोषजनक बताया है। संयोजक मुरारीलाल ने कहा कि हम अपने मुद्दे पर आगे बढ़े हैं। किंतु आंदोलन के भविष्य की घोषणा मंगलवार की सुबह बेरी स्थित जाम स्थल पर की जाएगी। जानकारों का कहना है कि संघर्ष समिति के नेता प्रदर्शनकारियों के मूड को भांप कर निर्णय लेंगे। आंदोलन की मध्यस्थता निभा रहे सीआई आरएस सांखला सहित अधिकांश का मानना है कि आंदोलन मंगलवार की सुबह समाप्त हो सकता है। किंतु युवा प्रदर्शनकारी अभी भी आंदोलन को फाइनल निर्णय होने तक चलाने के लिए अडिग हैं।

सड़कों पर उतरे सरपंच, सीएम और मंत्रियों के फूंके पुतले

फतेहाबाद (हिंस)। ई-टेंडरिंग व राइट-टू-रिकॉल का विरोध कर रहे सरपंचों ने मंगलवार को फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन किया। सड़कों पर उतरे सरपंचों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन करते हुए सरपंच लघु सचिवालय पहुंचे और मुख्यमंत्री मनोहर लाल, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली के पुतले फूंके। प्रदर्शन का नेतृत्व हरियाणा सरपंच एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष रणबीर सिंह गिल ने किया। सरपंचों ने 30 मई को जींद में प्रदेशस्तरीय महारैली की भी घोषणा की। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि इस महारैली में प्रदेशभर से पंच-सरपंचों के अलावा ग्रामीण तबके के लोग भी शिरकत कर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। मंगलवार को फतेहाबाद में जिलेभर से काफी संख्या में सरपंच खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में एकत्रित हुए और वहां से रोष प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे। सरपंच एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष एवं जिले के गांव समैण के सरपंच रणबीर सिंह गिल ने कहा कि सरपंच पिछले 4 महीनों से देहात बचाओ आंदोलन चला रहे हैं लेकिन सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर नहीं है। ऐसे में आज प्रदेशभर में सभी जिलों में सरकार के पुतले फूंके जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरपंचों की दो मुख्य मांगें है, राइट-टू-रिकॉल कानून को या तो निरस्त किया जाए या फिर इसे विधायक और सांसदों पर भी यह लागू किया जाए।

मंत्री कटारूचक्क के बचाव में आए सीएम मान बोले नहीं मिला इस्तीफा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के खाद्य आपूर्ति मंत्री के वायरल वीडियो लेकर विपक्षी दलों ने सरकार को घेरा है, लेकिन मुख्यमंत्री भगवंत मान ने साफ किया है कि लालचंद कटारूचक्क ने न इस्तीफा दिया है और न ही उनके पास कोई वीडियो आया है। चंडीगढ़ सचिवालय में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क का बचाव किया। कांग्रेस के विधायक सुखपाल सिंह खैहरा ने सोमवार की शाम राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मुलाकात करके उन्हें एक वीडियो सौंपते हुए जांच की मांग की थी। यह वीडियो कथित तौर पर पंजाब के कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क का होने का दावा किया गया है। इस वीडियो में जिस व्यक्ति के कटारूचक्क होने का दावा किया जा रहा है, वह एक लड़के के साथ अनैतिक कार्य कर रहा है। खैहरा के बाद भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक ट्वीट करके मंत्री का नाम सार्वजनिक कर दिया। इस मुद्दे पर भगवंत मान ने कहा कि उनके पास कटारूचक्क का इस्तीफा नहीं आया है और न ही उन्होंने किसी तरह का वीडियो देखा है। भगवंत मान ने कहा कि खैहरा, सिरसा और मजीठिया तीनों एक जैसे ही हैं। कई बार वह आपस में सलाह नहीं कर पाते और तीनों एक ही बात बोल जाते हैं। मान ने कहा कि मनजिंदर सिंह सिरसा और सुखपाल खैहरा की एक जैसी तासीर है। दोनों पार्टियां बदलने और इस्तीफा देने के माहिर हैं। जालंधर में इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। दोनों बौखलाहट में बोलते रहते हैं।

पार्टी में नहीं कोई फूट, प्रदेश में अगली सरकार कांग्रेस की : अकरम खान

यमुनानगर (हिंस)। कांग्रेस सरकार में रहे पूर्व डिप्टी स्पीकर एवं पूर्व मंत्री अकरम खान ने आगामी चार मई को हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा की तैयारियों को लेकर बुड़िया चुंगी पर स्थित कांग्रेस पार्षद देवेंद्र सिंह के निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद प्रदेश में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें आगामी 4 मई को गांव लेदी में पार्टी की महासचिव एवं पूर्व सांसद कुमारी सैलजा शामिल होंगी। पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कुश्ती संघ के भाजपा सांसद बृजभूषण द्वारा पहलवानों पर लगाए गए आरोप निराधार और बेबुनियाद है। भाजपा सांसद बृजभूषण को पहले

इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच में साफ पता लग जाएगा कि इसमें सच्चाई क्या है। उन्होंने कहा कि इस बात पर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी चुप्पी साधे हैं। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री खट्टर इसी तरह के मामले में खेल मंत्री संदीप सिंह का पक्ष ले रहे है। उन्होंने कहा कि आज देश में किसान, मजदूर, व्यापारी, कर्मचारी और युवा हर वर्ग दुखी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में 2014 में जो रसोई सिलेंडर 4 सौ रुपए का था, लेकिन आज सिलेंडर साढ़े 1150 रूपये का हो गया है,आने वाले आगामी चुनाव में हमारी सरकार बनाने का मन जनता ने बना लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 5100 रुपए बुढ़ापा पेंशन देने का वादा किया था, आज बुढ़ापा पेंशन मात्र 2750 रूपये है। उन्होंने कहा कि पार्टी में कोई फूट नहीं है, व पार्टी संगठित होकर मजबूती से चुनाव लड़ेगी और हमारी सरकार बनेगी। इस मौके पर पार्षद देवेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

परिणीति चोपड़ा व इम्तियाज अली को लुधियाना कोर्ट ने आज किया तलब

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के लुधियाना की अदालत ने फिल्म अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, पंजाब गायक दलजीत दोसांझ व निर्माता इम्तियाज अली को एक फिल्म के सिलसिले में नोटिस जारी करके तीन मई को अदालत में पेश होने के निर्देश दिए हैं। लुधियाना कोर्ट ने दिवंगत निर्माता गुरदेव सिंह रंधावा के बेटे ईशजीत रंधावा और संजोत रंधावा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। यह पूरा विवाद पंजाब में 80 के दशक के प्रसिद्ध लोक गायक अमर सिंह चमकीला के जीवन पर बनी फिल्म को लेकर है। चमकीला की पत्नी गुरमेल कौर ने 12 अक्तूबर, 2012 को दोनों शिकायकर्ताओं के पिता को अपने पति की बायोपिक बनाने के अधिकार दिए थे। उन्हें 5 लाख रुपए भी मिले थे। बायोपिक बनाने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई थी। तीन नवंबर, 2022 को शिकायतकर्ता के पिता की मौत हो गई। याचिकाकर्ता ने जब बायोपिक बनाने का इंतजाम करना शुरू किया और गुरमेल कौर से संपर्क किया तो वह कोई न कोई बहाना बनाकर मामले को टालने लगी। बाद में उन्हें पता चला कि पहले से ही चमकीला और बीबी अमरजोत कौर पर एक फिल्म बन रही थी। मामला कोर्ट में पहुंचने के बाद से इस मामले को लेकर दो से तीन सुनवाई हो चुकी हैं। पहले इस फिल्म को थिएटर्स में रिलीज करने से रोका गया। इसके बाद इसे ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज करने पर विचार किया गया।

पीएम के विजन की वजह से विश्व में योग बना ऐतिहासिक इवेंट : सोनोवाल

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानन्द सोनोवाल ने कहा कि योग को विज्ञान की पद्धति मानकर आज दुनियाभर में अपनाया जा रहा है। देश के गांव-गांव तक योग की संस्कृति का प्रसार करने के लिए संकल्पित होकर कार्य किया जा रहा है। देश एवं दुनिया में प्रति वर्ष मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए इस बार काउंट डाउन की शृंखला में जयपुर में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल मंगलवार को सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन शिक्षा समिति में केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित *योग महोत्सव- 2023* कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में अब 50 दिन बाकी हैं। जयपुर में विशाल योग महोत्सव से काउंटडाउन शुरू हो गया है। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की वजह से आज योग को दुनियाभर में लोग अपना रहे हैं। 21 जून को दुनियाभर में योग दिवस मनाया जाएगा। इसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। इस वर्ष के आईडीवाई-2023 पर आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्र में कॉमन योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन अपने आप में एक नायाब उपलब्धि

होगी। सोनोवाल ने कहा कि योग महोत्सव से प्रत्येक राज्य में आयुष ग्राम के माध्यम से ग्रामीण आबादी को जोड़ने का प्रयास होगा। एक आयुष ग्राम दो-तीन गांवों का एक समूह होगा और इसमें औसतन 3 हजार से अधिक आबादी शामिल होगी। चिह्नित गांवों में योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति कर विशेष प्रशिक्षण के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा, ताकि प्रत्येक आयुष ग्राम 21 जून को कॉमन योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहे। ग्रामीणों इलाकों में योग का संदेश पहुंचाने के लिए कम्यूनिटी रेडियो नेटवर्क का उपयोग करते हुए देश के 2 लाख से अधिक गांवों में सीवाईपी प्रशिक्षण के लिए इस वर्ष सामान्य सेवा केंद्रों के नेटवर्क का भी उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि योग कोई थेरेपी भर नहीं है बल्कि आत्मविकास का सबसे बड़ा माध्यम है। मानसिक शांति एवं संतोष के लिए योग सर्वथा उपयोगी है। यौगिक दिनचर्या से जुड़कर जीवन की जटिलताओं को आसानी से हल किया जा सकता है। शास्त्रों में योग को स्वस्थ जीवन की कला और विज्ञान कहा गया है। योग को हमारे यहां शुरू से ही स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के साथ जीवन के एक आदर्श तरीके के रूप में स्वीकार किया गया है। योग का अभ्यास यदि नियमित रूप से किया जाए तो तन ही नहीं मन भी स्वस्थ रहता है। भारत की इस महान परंपरा को विश्व के लिए उपयोगी मानते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है, जो हमारी परंपरा और संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है। उन्होंने कहा कि योग जीवन का आदर्श तरीका है, जिसमें मन न केवल अपने लिए बल्कि पूरे विश्व के कल्याण के विचार से जुड़ा होता है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति में योग का पुराना साम्य रहा है। योग हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बने, इसके लिए देश में अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल मिश्र ने योग महोत्सव में भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम विलोम सहित विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास भी किया। योग महोत्सव में हजारों स्कूली छात्रों व अन्य लोगों ने भाग लिया।

गो फर्स्ट ने दो दिनों के लिए रोकी फ्लाइट बुकिंग: नकदी की समस्या से जूझ रही एयरलाइन, कंपनी की आधी से ज्यादा फ्लीट ग्राउंडेड

नई दिल्ली।
कैश की तंगी से जूझ रही एयरलाइन गोफर्स्ट ने अगले 2 दिन यानी 3 और 4 मई के लिए बुकिंग बंद कर दी है। तेल कंपनियों के बकाए का भुगतान नहीं कर पाने के चलते एयरलाइंस ने ये फैसला किया है। गो फर्स्ट कैश एंड कैरी मोड पर अपनी फ्लाइट ऑपरेट करता है। यानी एयरलाइंस को हर दिन के हिसाब से जितनी उड़ान भरनी है उसके मुताबिक फ्यूल के लिए पेमेंट करना पड़ता है।

इंजन की सप्लाई नहीं होने से कैश की समस्या – इंजन की सप्लाई से जुड़ी समस्या के कारण एयरलाइन इस स्थिति में पहुंची है। एयरक्राफ्ट इंजन मैन्युफैक्चरर प्रैट एंड व्हिटनी को गो फर्स्ट को इंजन की सप्लाई करनी थी, लेकिन उसने समय पर इसकी सप्लाई नहीं की। ऐसे में गो फर्स्ट को अपनी 61 प्लेन की प्लीट में से आधे से ज्यादा एयरक्राफ्ट ग्राउंडेड करने पड़े। फ्लाइट नहीं उड़ने के कारण उसके पास कैश की समस्या खड़ी हो गई और रोजाना के ऑपरेशन के लिए भी पैसे नहीं बचे। एयरलाइन के ए20 नियो एयरक्राफ्ट में इन इंजनों का इस्तेमाल होता है।

एयरलाइन ने अमेरिका की कोर्ट में याचिका लगाई – इंडियन एविएशन रेगुलेटर के आंकड़ों से पता चलता है कि फ्लाइट के ग्राउंडेड होने के कारण मार्च में गो फर्स्ट की बाजार हिस्सेदारी जनवरी में 8.4प्रतिशत से गिरकर 6.9प्रतिशत हो गई है। एयरलाइन ने इसे लेकर अमेरिका की डेलावेयर कोर्ट में पिटीशन भी दाखिल की है। एयरलाइन ने दावा किया है कि अगर इंजनों की जल्द सप्लाई नहीं की गई तो वह दिवालिया हो जाएगी।

दिवाला समाधान कार्यवाही के लिए भी आवेदन – एयरलाइन ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल दिल्ली के समक्ष स्वैच्छिक दिवाला समाधान कार्यवाही के लिए एक आवेदन भी दायर किया है। एयरलाइन चीफ कौशिक खोना ने कहा इंजनों की सप्लाई नहीं होने के कारण एयरलाइन ने अपने बेड़े के 28 विमानों को ग्राउंडेड कर दिया। इससे फंड की किल्लत हो गई। उन्होंने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है, लेकिन कंपनी के हितों की रक्षा के लिए ऐसा करना जरूरी है। एयरलाइन ने इस घटनाक्रम के बारे में सरकार को सूचित कर दिया है और डीजीसीए को एक डिटेल्ड रिपोर्ट भी सौंपेगी।

2005 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए उड़ी थी पहली फ्लाइट – गो फर्स्ट वाडिया ग्रुप की बजट एयरलाइन है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार 29 अप्रैल 2004 को गो फर्स्ट की शुरुआत हुई थी। नवंबर 2005 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए पहली फ्लाइट ऑपरेट की। एयरलाइन के बेड़े में 59 विमान शामिल हैं। इनमें से 54 विमान ए320 और 5 विमान हैं। गो फर्स्ट 35 डेस्टिनेशन के लिए अपनी फ्लाइट ऑपरेट करता है। इसमें से 27 डोमेस्टिक और 8 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

भारत इस साल करेगा जम्मू कश्मीर में मिले लिथियम भंडार की नीलामी, ईवी उद्योग को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली । भारत सरकार जम्मू कश्मीर में हाल ही में मिले लिथियम भंडार की इसी साल नीलामी कर सकती है। केंद्रीय खनन सचिव ने इसके संकेत दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार केंद्रीय खनन मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने कहा है कि भारत 2023 में जम्मू कश्मीर में मिले लिथियम ब्लॉक्स की नीलामी करेगी। भारद्वाज ने कहा, लिथियम भंडार नीलामी के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार को लेन-देन सलाहकार की सिफारिश की है। इस साल की शुरुआत में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने पहली बार जम्मू-कश्मीर में लिथियम भंडार की खोज की थी। जीएसआई ने जम्मू और कश्मीर (यूटी) के रियासी जिले के सलाल-हैमाना क्षेत्र में 5.9 मिलियन टन के लिथियम भंडार का पता लगाया था। हाल के दिनों में लिथियम दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलने के कारण जम्मू कश्मीर में मिला लिथियम भंडार देश के लिए काफी अहम है। लिथियम वर्तमान में एक महत्वपूर्ण तत्व है। लिथियम एक है अलौह धातु है और ईवी बैटरी में प्रमुख घटक के तौर पर इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग अन्य बैटरी भंडारण प्रणालियों जैसे बिजली क्षेत्र में भी किया जाता है। लिथियम आयन बैटरी का उपयोग पवन टरबाइन और सौर पैनलों में किया जाता है। विश्व बैंक के एक अध्ययन से पता चलता है कि लिथियम (एलआई) और कोबाल्ट जैसी महत्वपूर्ण धातुओं की मांग 2050 तक लगभग 500 बढ़ जाएगी। प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में कहा था कि अगर भारत जम्मू-कश्मीर में हाल ही में खोजे गए लिथियम रिजर्व का उपयोग करेगा तो यह इलेक्ट्रिक वाहन खंड में दुनिया का नंबर एक ऑटोमोबाइल निर्माता बन सकता है।

4 महीने के हाई पर बेरोजगारी दर: अप्रैल में ये बढ़कर 8.11प्रतिशत पर पहुंची, शहरों में गांवों से ज्यादा हालत खराब

नई दिल्ली। भारत में बेरोजगारी दर में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के मुताबिक अप्रैल में ये बढ़कर 8.11प्रतिशत पर पहुंच गई है। इससे पहले मार्च में बेरोजगारी दर 7.80प्रतिशत पर थी। वहीं फरवरी में ये 7.45प्रतिशत रही थी। अप्रैल में शहरी बेरोजगारी 8.51प्रतिशत से बढ़कर 9.81प्रतिशत हो गई। हालांकि अप्रैल में ग्रामीण बेरोजगारी में मामूली गिरावट देखने को मिली है। यह 7.34प्रतिशत हो गई, जो एक महीने पहले 7.47प्रतिशत थी। रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल महीने में लगभग 87प्रतिशत लोग अपना रोजगार सुरक्षित रखने में सफल रहे। इसका कारण है कि इस महीने में अतिरिक्त 2.21 करोड़ नई नौकरियां आईं। इसके अलावा अप्रैल में 2.5 करोड़ लेवर फोर्स बढ़ी है। इसके बाद देश में कुल लेवर फोर्स 46.7 करोड़ पर पहुंच गई है।

वॉट्सऐप ने मार्च में बैन किए 47 लाख अकाउंट: इनके यूजर्स ने भारतीय कानून या वॉट्सऐप के नियमों का किया उल्लंघन

नई दिल्ली। वॉट्सऐप ने मार्च 2023 में यूजर्स की शिकायतों और नियमों के आधार पर भारत में 47 लाख

से ज्यादा अकाउंट को बैन कर दिया है। वॉट्सऐप की मंथली रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने 1 मार्च से 31 मार्च 2023 के बीच वॉट्सऐप ने 4,715,906 भारतीय यूजर्स के अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया है। इन अकाउंट्स को भारतीय कानून और वॉट्सऐप के नियमों का उल्लंघन करने पर बैन किया गया है। रिपोर्ट्स से यह भी पता चला है कि वॉट्सऐप को 4,720 शिकायतें मिली थीं। इनमें से 4,316 शिकायत में अकाउंट बैन करने की अपील की थी, लेकिन वॉट्सऐप ने केवल 585 के खिलाफ कार्रवाई की है। इससे पहले फरवरी में वॉट्सऐप ने 46 लाख भारतीय यूजर्स पर प्रतिबंध लगाया था। इससे पहले जनवरी में 29 लाख अकाउंट, दिसंबर में 36 लाख अकाउंट और नवंबर में 37 लाख अकाउंट बैन किए थे। कंपनी के मुताबिक अगर कोई गैर-कानूनी, अश्लील, मानहानि से जुड़ा, धमकाने, डराने या परेशान करने, नफरत फैलाने या फिर किसी को उकसाने वाला कंटेंट अपने वॉट्सऐप पर शेयर करता है, तो उसका अकाउंट बैन कर दिया जाता है।

2022-23 में जीएसटी से सरकार को रिकॉर्ड 18.10 लाख करोड़ कमाई, पहले की तुलना में 16प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली।
अर्थव्यवस्था में तेजी के साथकारोबारी गतिविधियों में उछाल से सरकार को वित्त वर्ष 2022-23 में जीएसटी से रिकॉर्ड 18.10 लाख करोड़ रुपये की कमाईहुई।यह 2021-22 में जीएसटी से जुटाई गई14.83 लाख करोड़ की राशि से 22 फीसदी अधिक है। 2020-21 में जीएसटी वसूली 11.36 लाख करोड़ रुपये रही थी। दरअसल, देश में जीएसटी प्रणाली एक अप्रैल, 2017 को लागू हुई थी। उस वित्त वर्ष यानी 2017-18 में अगस्त, 2017 से मार्च, 2018 के बीच जीएसटी से सरकार को 7.19 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। उद्योग मंडल एसोचैम के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, अप्रैल में रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 की शानदार शुरुआत है। उपभोक्ता मांग में तेजी के साथ जीएसटी संग्रह का आंकड़ा देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि का संकेत है।

20 अप्रैल को सर्वाधिक एकदिनी संग्रह – 20 अप्रैल, 2023 को जीएसटी के रूप में रिकॉर्ड एकदिनी कमाई हुई। इस दिन 9.8 लाख लेनदेन के जरिये 68,228 करोड़ जुटाए गए। अप्रैल में घरेलू लेनदेन से मिलने वाला कर एक साल पहले की तुलना में 16 फीसदी अधिक रहा।

9 करोड़ ई-वे बिल का सृजन – वित्त मंत्रालय ने जीएसटी के आंकड़े जारी करते हुएकहा कि मार्च, 2023 में कुल 9 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए, जो फरवरी, 2023 के मुकाबले 11 फीसदी अधिक है। उस समय कुल 8.1 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुएथे।

अप्रैल में राज्यवार कमाई

- उत्तर प्रदेश 10,320 करोड़
- हरियाणा 10,035 करोड़

- दिल्ली 6,320 करोड़
- मध्यप्रदेश 4,267 करोड़
- पंजाब 2,316 करोड़
- उत्तराखंड 2,148 करोड़
- हिमाचल 957 करोड़
- जम्मू-कश्मीर 803 करोड़
- चंडीगढ़ 255 करोड़
- महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 33,196 करोड़ रुपये की जीएसटी वसूली

कुल 84,304 करोड़ रुपये का हुआ निपटान – वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सरकार ने अप्रैल, 2023 के दौरान केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) से 45,864 करोड़ रुपये और 37,959 करोड़ रुपये राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद केंद्र व राज्यों का अप्रैल में कुल राजस्व केंद्रीय जीएसटी के मामले में 84,304 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी के संदर्भ में 85,371 करोड़ रुपये रहा।

पेट्रोल-डीजल : कृषि गतिविधियों में उछाल से बढ़ी बिक्री – रबी फसलों की कटाई का समय होने और आर्थिक गतिविधियों में उछाल से अप्रैल, 2023 में डीजल की मांग सालाना आधार पर 6.7 फीसदी बढ़कर 71.5 लाख टन पहुंच गई। इस तरह, कुल ईंधन खपत में डीजल का हिस्सा बढ़कर करीब 40 फीसदी पहुंच गया। वहीं, पेट्रोल की बिक्री अप्रैल में करीब 2.5 फीसदी बढ़कर 26.4 लाख टन पहुंच गई। लेकिन, मासिक आधार पर पेट्रोल की बिक्री में 0.5 फीसदी की मामूली गिरावट रही। विमान ईंधन की मांग 15.4 फीसदी बढ़ गई, जबकि रसोई गैस की बिक्री 2.7 फीसदी की गिरावट रही।

बिजली खपत में लगातार दूसरे महीने रही गिरावट – देश में बिजली खपत लगातार दूसरे महीने घटी है। अप्रैल, 2023 में यह 1.1 फीसदी घटकर 130.57 अरब यूनिट रह गई। विभिन्न इलाकों में हो रही बारिश से एसी, कूलर जैसे उपकरणों का इस्तेमाल कम होने से बिजली खपत घटी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल, 2022 में खपत 132.02 अरब यूनिट और अप्रैल, 2021 में 117.08 अरब यूनिट रही थी। मार्च, 2023 में यह 126.82 अरब यूनिट रही थी।

प्रमुख वाहन कंपनियों में 10प्रतिशत से अधिक तेजी – एसयूवी की मांग में मजबूती से देश की प्रमुख वाहन कंपनियों मारुति सुजुकी, ह्यूंडई मोटर और टाटा मोटर्स की थोक बिक्री में अप्रैल में 10 फीसदी से अधिक तेजी रही। प्रमुख वाहन कंपनियों ने अप्रैल के थोक बिक्री आंकड़े जारी किए। इसके मुताबिक, बीते महीने कुल वाहन बिक्री 13 फीसदी वृद्धि के साथ 3.31 लाख इकाई पहुंच गई। मारुति सुजुकी इंडिया की घरेलू यात्री वाहन बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 1,37,320 इकाई पहुंच गई।एक साल पहले की समान अवधि में उसने 1,21,995 वाहन बेचे थे। ह्यूंडई मोटर इंडिया की घरेलू बाजार में थोक बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 49,701 इकाई पहुंच गई, जो साल भर पहले 44,001 इकाई थी। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की थोक बिक्री घरेलू बाजार में 13 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 47,007 इकाई पहुंच गई।अप्रैल, 2022 में कंपनी ने कुल 41,587 वाहनों की आपूर्ति की थी।

कोयला उत्पादन : 8.67प्रतिशत बढ़कर 7.30 करोड़ टन – देश का कोयला उत्पादन इस साल अप्रैल में सालाना आधार पर 8.67 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 7.30 करोड़ टन पहुंच गया। अप्रैल, 2022 में यह 6.72 करोड़ टन रहा था। कोल इंडिया का उत्पादन अप्रैल, 2023 में 7.67 फीसदी बढ़कर 5.76 करोड़ टन रहा। कोयला मंत्रालय ने खदान क्षमता के बेहतर उपयोग के जरिये बाजार में अतिरिक्त कोयला जारी करने का रास्ता साफ किया है। इससे उत्पादन बढ़ा है।

2023 के वैश्विक विकास में भारत-चीन की रहेगी आधी हिस्सेदारी, एशिया की विकास दर 4.6 प्रतिशत होगी

नई दिल्ली ।
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार एशिया-प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि दर 2022 में दर्ज 3.8 प्रतिशत से बढकर 2023 में 4.6 प्रतिशत होने का अनुमान है। जारी अपनी क्षेत्रीय आर्थिक परिदृश्य-एशिया व प्रशांत रिपोर्ट में वाशिंगटन स्थित कोष ने कहा है कि यह क्षेत्र वैश्विक वृद्धि में करीब 70 प्रतिशत का योगदान देगा। रिपोर्ट के अनुसार एशिया और प्रशांत क्षेत्र 2023 में दुनिया के प्रमुख क्षेत्रों में सबसे ज्यादा गतिशील होंगे और इसमें चीन व भारत का सबसे अहम योगदान होगा। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र की इन दो सबसे बड़ी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का इस साल वैश्विक विकास में लगभग आधे का योगदान होगा। शेष एशिया और प्रशांत क्षेत्र बाकी बचे आधे के पांचवें हिस्से का योगदान देंगे। एशियाई अर्थव्यवस्था की चाल भारत और चीन के विकास से प्रेरित होगी रिपोर्ट में कहा गया है, एशिया की गतिशीलता मुख्य रूप से चीन में सुधार और भारत में लचीली वृद्धि से प्रेरित होगी। हालांकि, शेष एशिया में विकास दर 2023 में अन्य क्षेत्रों के अनुरूप सबसे नीचे रहने की उम्मीद है। आईएमएफ ने कहा कि 2023 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष प्रतीत होता है क्योंकि वैश्विक विकास में गिरावट आई है। इसका कारण मौद्रिक नीति में सख्ती (ब्याज दरों में लगातार वृद्धि के माध्यम से) और यूक्रेन में रूस के युद्ध का आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा लगातार मुद्रास्फीति का दबाव और अमेरिका व यूरोप में वित्तीय क्षेत्र की हालिया समस्याएं पहले से ही जटिल आर्थिक परिदृश्य को कठिन बना रही है। इस बीच प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की दुनिया के सबसे प्रमुख उधारदाताओं में से एक सिलिकॉन वैली बैंक दस मार्च को ढह गया। बीते फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को भी नियामकों ने सीज कर लिया। ये हालिया घटनाक्रम वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रति और अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं। अमेरिका में कई बैंकों के डूबने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल मंडराए सिलिकॉन वैली बैंक समेत अमेरिका के कुछ क्षेत्रीय बैंकों के डूबने से वैश्विक बैंकिंग उद्योग में हलचल मच गई है। अर्थव्यवस्थाओं पर इसके संक्रमण के प्रभाव की आशंका पैदा हो गई है।

वाइस मीडिया दिवालिया होने की कगार पर पहुंचा, रिपोर्ट में दावा- संभावित खरीदारों की तलाश जारी

नई दिल्ली ।
मीडिया वेबसाइट वाइस एंड मदरबोर्ड की मूल कंपनी वाइस मीडिया ग्रुप दिवालिया होने की अर्जी दाखिल करने की कगार पर पहुंच गई है। रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है। मामले से परिचित दो लोगों के हवाले से कहा है कि इसकी फाइलिंग आने वाले हफ्तों में की जा सकती है।

पिछले कुछ महीनों से खरीदार की तलाश कर रही कंपनी – रिपोर्ट के मुताबिक, वाइस दिवालिया घोषित करने से बचने के लिए पिछले कुछ महीनों से कंपनी को खरीदने के लिए खरीदार की तलाश कर रही है। खबरों के अनुसार पांच कंपनियां कथित तौर पर दिवालिया होने की स्थिति में वाइस को खरीदने में रुचि रखती हैं। हालांकि, मामले से परिचित लोगों के अनुसार, वाइस को किसी अन्य कंपनी की ओर से अधिग्रहित किए जाने की संभावना बहुत कम है। यदि कंपनी दिवालियापन के लिए आवेदन करती है, तो ऋण-धारक फोर्ट इन्वेस्टमेंट ग्रुप कंपनी को नियंत्रित कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दिवालियापन की स्थिति में डिज्नी और फॉक्स सहित वाइस के अन्य निवेशकों को निवेश रिटर्न नहीं मिलेगा।

दिवालियापन फाइलिंग की स्थिति में भी चलता रहेगा कंपनी का परिचालन – वाइस मीडिया ग्रुप रणनीतिक विकल्पों और योजना के व्यापक मूल्यांकन में लगा हुआ है। वाइस ने एक बयान में कहा कि कंपनी, उसके बोर्ड और हितधारक कंपनी के लिए सबसे अच्छा रास्ता खोजने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। किसी भी दिवालियापन फाइलिंग की स्थिति में कंपनी के सामान्य रूप से परिचालन जारी रखने की उम्मीद है। वाइस की वैल्युएशन 2017 में 5.7 बिलियन डॉलर हो गई थी जब निजी इक्विटी फर्म टीबीजी ने कंपनी में 450 मिलियन डॉलर का निवेश किया था। हालांकि 2021 में यह घटकर 3 बिलियन डॉलर हो गई। बताया कि वाइस का मूल्यांकन अब 2017 के अंश के आधार पर किया जा रहा है ।

एआई के जनक जेफ्री हिंटन ने गूगल से दिया इस्तीफा, तकनीक के खतरों को लेकर चेताया

न्यूयॉर्क ।
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक माने जाने वाले जेफ्री हिंटन ने गूगल से इस्तीफा दे दिया है। गॉडफादर ऑफ एआई कहे जाने वाले हिंटन ने गूगल छोड़ने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि जिस तकनीक को विकसित करने में मदद की, उसके खतरों को लेकर आगाह करते हुए उन्होंने पिछले सप्ताह गूगल में अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

जेफ्री हिंटन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एआई आधारित कई प्रोडक्ट को विकसित करने में हिंटन की अग्रणी भूमिका रही है। उन्होंने गूगल के एआई विकसित करने के प्रोजेक्ट के लिए एक दशक तक काम किया, लेकिन उन्हें प्रौद्योगिकी और इसे आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका के बारे में चिंता सता रही थी।

कंप्यूटिंग का नोबेल पुरस्कार पा चुके हैं जेफ्री हिंटन – जेफ्री हिंटन अपने उत्तम कार्य के लिए कंप्यूटिंग का नोबेल पुरस्कार पा चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि मैं खुद को

दिलासा देता हूं कि अगर मैंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को लेकर काम नहीं किया होता, तो कोई और करता। सबसे जरूरी बात यह है कि इस तकनीक को हम गलत इस्तेमाल या बुरे लोगों के हाथों में जाने से कैसे रोक सकते हैं। बता दें कि हिंटन 10 साल से ज्यादा समय तक गूगल के कर्मचारी रहे। आगे हिंटन ने कहा कि एआई के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को रोकना असंभव हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप इतनी नकली इमेज और टेक्स्ट वाली दुनिया होगी कि कोई भी यह नहीं बता पाएगा कि सच क्या है जो कि काफी भयानक हो सकता है।

चैटजीपीटी के आने से एआई तकनीक को मिला बढ़ावा – तकनीकी दिग्गज जेफ्री हिंटन और उनके दो छात्रों द्वारा शुरू की गई एक कंपनी के अधिग्रहण के बाद वे गूगल में शामिल हो गए, जिनमें से एक छात्र ओपनएआई में मुख्य वैज्ञानिक बन गया। हिंटन और उनके छात्रों ने एक न्यूरल नेटवर्क विकसित किया था जो हजारों तस्वीरों का विश्लेषण करने के बाद खुद को कुत्तों, बिल्लियों और फूलों जैसी सामान्य वस्तुओं की पहचान करना सिखाता था। यह वह कार्य है जिसके कारण अंततः चैटजीपीटी और गूगल बार्ड का निर्माण हुआ। वहीं गूगल के चीफ साइंटिस्ट, जेफ डीन ने हिंटन द्वारा रखी गई चिंताओं पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि इस तरह के खतरे को कम करने के हम एआई तकनीक को लेकर एक जिम्मेदार दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसा कि हम देख रहे हैं कि एआई ने पिछले कुछ समय से तकनीक के क्षेत्र में काफी तेजी से पैर पसारे हैं। रोबोट से लेकर अन्य तकनीकी कामों में एआई को उपयोग हो रहा है।

अडाणी ग्रीन-टोटल गैस का मुनाफा बढ़ा, एनडीटीवी का गिरा

चौथी तिमाही के नतीजों के बाद ग्रीन और टोटल गैस के शेयरों में तेजी, एनडीटीवी 2.22प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली।
अडाणी टोटल गैस ने मार्च 2023 को समाप्त तिमाही के नतीजे घोषित किए। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 21प्रतिशत बढ़कर 97.91 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एक साल पहले की समान तिमाही में मुनाफा 81.09 करोड़ रुपए था। कंपनी का रेवेन्यू 10.2प्रतिशत बढ़कर 1,114.8 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले यह 1,012 करोड़ रुपए था। बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 0.25 रुपए प्रति शेयर के डिविडेंड की भी सिफारिश की है। कंपनी के शेयरों में 12 रुपए या 1.27प्रतिशत की तेजी देखी गई। ये 957.00 रुपए पर पहुंच गए। कंपनी ने कहा कि उसने 126 नए सीएनजी स्टेशन बनाए हैं। अब उसके कुल सीएनजी स्टेशन 460 हो गए है। वहीं कुल पीएनजी होम बढ़कर 7.04 लाख पर पहुंच गए हैं। कंपनी ने 1.24 लाख से ज्यादा नए घर जोड़े हैं। इंडस्ट्रियल और कॉमर्शियल कनेक्शन के 867 नए कंज्यूमर बने हैं। ये अब बढ़कर 7435 हो गए है।

अडाणी ग्रीन का मुनाफा बढ़ा, एनडीटीवी का घटा – इससे पहले अडाणी ग्रुप की फर्म

अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एनडीटीवी ने चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे घोषित किए थे। इस तिमाही में अडाणी ग्रीन का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 319प्रतिशत बढ़कर 507 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले साल की समान तिमाही में अडाणी ग्रीन का मुनाफा 121 करोड़ रुपए रहा था।

कंपनी का रेवेन्यू भी 78प्रतिशत बढ़कर 2,598 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जो पिछले साल की समान अवधि में 1,461 करोड़ रुपए था। रिजल्ट के बाद कंपनी के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि हमने एफीसिएंसी, परफॉर्मेंस और कैपेसिटी डेवलपमेंट में नए इंडस्ट्रीज स्टैंडर्ड स्थापित किए हैं।

एनडीटीवी का मुनाफा 97.6प्रतिशत घटा – अडाणी ग्रुप की मीडिया कंपनी एनडीटीवी का मुनाफे कमजोर एड डिमांड के कारण 97.6प्रतिशत गिर गया। एनडीटीवी ने 31 मार्च को समाप्त तिमाही के लिए 59 लाख रुपए का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज किया। एक साल पहले यह 24.16 करोड़ रुपए था। अडाणी ग्रुप की एनडीटीवी में कुल हिस्सेदारी 64.71प्रतिशत है। मार्च तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 35.5प्रतिशत घटकर 66.96 करोड़ रुपए पर आ गया जो एक साल पहले की समान तिमाही में 103.8 करोड़ था। नतीजों पर गौतम अडाणी ने कहा, अडाणी ग्रुप का ये सौभाग्य है कि हमें एनडीटीवी को वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर और टैलेंट के साथ आगे बढ़ाने और इसे एक मल्टी-प्लेटफॉर्म ग्लोबल न्यूज आर्गनाइजेशन में बदलने का मौका मिला है।

अडाणी ग्रीन के शेयरों में तेजी, एनडीटीवी में गिरावट – रिजल्ट के बाद अडाणी ग्रीन के शेयरों में शानदार तेजी देखी जा रही है। अडाणी ग्रीन 951 रुपए पर बंद हुआ था। ये 994.75 रुपए पर खुला 5प्रतिशत चढ़कर 998.55 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि बाद में ये थोड़ा नीचे आया और 2.73प्रतिशत बढ़कर 977 रुपए पर बंद हुआ।

एनडीटीवी का स्टॉक लगभग 5प्रतिशत नीचे 180.60 रुपए पर खुला। बाद में स्टॉक में थोड़ी रिकवरी देखने को मिली। ये 4.20 रुपए या 2.22प्रतिशत गिरकर 185.35 रुपए पर बंद हुआ। इस साल अब तक एनडीटीवी के स्टॉक में 45.45प्रतिशत की गिरावट आई है।

धूम 4 में जॉन अब्राहम व शाहरुख की फिर जमेगी जोड़ी

– अफवाह व कुछ का दावा, लीड रोल में होंगे शाहरुख खान

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड की सबसे फेमस फ्रेंचाइजी धूम से कई बड़े एक्टर्स का नाम जुड़ा है। धूम के पहले पार्ट में जॉन अब्राहम और उनकी बाइक सबके लिए जुनून बन गई। दूसरे पार्ट में ऋतिक रोशन और उनके नए अवतार ने दिल जीता, जबकि तीसरे में आमिर खान को पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में दिखाया गया। आश्चर्य की बात नहीं है कि फ्रेंचाइजी में चौथे पार्ट के लिए कास्टिंग के बारे में कई अफवाहें चल रही हैं, कुछ का दावा है कि इसमें शाहरुख खान को लीड रोल में लिया जाएगा। हालांकि, इस पर कोई सही जानकारी नहीं है, ये भी कहा जा रहा है कि जॉन अब्राहम भी इसमें होंगे। इस साल की शुरूआत में जॉन अब्राहम ने शाहरुख खान की पठान में जबरदस्त काम किया। विलन के रोल में उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। लोगों ने जॉन का ये अंदाज बहुत पसंद किया। मीडिया के अनुसार अब यशराज फिल्म्स उन्हें एक बार फिर निगेटिव रोल में लेना चाहता है, तो इसमें कुछ गलत नहीं है। किसी भी अफवाह की तुलना में इसमें अधिक सच्चाई हो सकती है। दिलचस्प बात यह है कि जॉन अब्राहम के धूम फ्रैंचाइजी में वापसी करने के पीछे का कारण यह है कि अगर आपको याद है, तो धूम का पहला पार्ट काफी दिलचस्प था। फिल्म में जॉन का कैरेक्टर मर चुका था या वह भाग गया था, इसका पता नहीं चल पाया। इस चीज को देखते हुए उन्हें धूम फ्रेंचाइजी में वापसी करते हुए देखा जा सकता है। हालांकि, जॉन अब्राहम के धूम 4 के साथ धूम फ्रैंचाइजी में लौटने की चर्चा जोर पकड़ रही है, लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

चारू असोपा को नहीं मिल रहा था किराए का घर, अकेली बेटी की मां होना बनी मुसीबत

चारू वन बीएचके से 2 बीएचके में हो रही हैं शिफ्ट

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस चारू असोपा अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। वो बेटी जियाना के साथ अकेली रहती हैं और एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने लिए घर ढूंढ़ने की मुसीबत के बारे में मीडिया से बात की। चारू अब तक 1 बीएचके में रह रही थीं, अब 2 बीएचके में शिफ्ट हो रही हैं। हालिया बातचीत में उन्होंने शेयर किया कि मुंबई में एक घर खोजने से लेकर शिफ्ट होने तक यह आसान नहीं है। मैं घरों की तलाश कर रही थी और मेरे साथ कुछ बहुत अजीब हुआ। हर दिन मैं बाहर जा रही थी और एक घर की तलाश कर रही थी। यह बहुत हेक्टिक था। अदाकारा चारू असोपा ने कहा कि घर खोजने की राह आसान नहीं थी, क्योंकि वह एक एक्ट्रेस हैं और अब एक सिंगल मदर भी हैं। उल्लेखनीय है कि वह पिछले साल से पति राजीव सेन से अलग रह रही हैं और उनकी एक बेटी ज़ियाना है, जो 15 महीने की है। चारू ने कहा कि मैंने इसे एक सिंगल मदर के रूप में मुसीबतों का सामना किया है। मुझे एक फ्लैट पसंद आया, लेकिन वे बहुत अजीब लोग थे। उन्हें पता चला कि मैं एक सिंगल मदर हूं और अपनी बेटी के साथ अकेली रहूंगी। यह उन्हें सही नहीं लगा। चारु को घर बदलने की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि उनकी बेटी जियाना तेजी से बड़ी हो रही है। चारू ने आगे कहा, ये बहुत छोटा सा घर है। मैं वन बीएचके में रहती हूं। पहले मुझे लगता था कि यह मेरे और जियाना के लिए परफेक्ट है। लेकिन अब मुझे लगता है कि जियाना ने चलना शुरू कर दिया है। वह बिना कुछ देखे दौड़ती है और उसे चोट लग सकती है। मैं एक बहुत बड़े घर में शिफ्ट नहीं हो रही हूं, लेकिन यह कम से कम 2 बीएचके है, जहां एक कमरा है जो उसके खेलने के लिए हो सकता है। इंटरव्यू में चारू ने सिंगल मदर होकर रिवीलिंग कपड़े पहनने के फैसले का सामना करने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि लोग भद्दे कमेंट्स लिखते हैं, जिससे उन्हें हैरानी होती है कि ये किस मानसिकता से आते हैं।

ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष से जुड़ा कृति सेनन का लुक रिलीज, 16 जून को प्रदर्शित होगी फिल्म

– प्रभास राम के रूप में तो कृति सीता के रूप में दिखाई देंगी

मुंबई (ईएमएस)। निर्देशक ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष 16 जून को प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता प्रभास और अभिनेत्री कृति सेनन राम और सीता के रूप में दिखाई देंगे। सैफ अली खान फिल्म में रावण, सनी कौशल लक्ष्मण और देवदत्त हनुमान के रूप में दिखाई देंगे। आदिपुरुष के जरिये ओम राउत रामायण को एक नए नजरिये से पेश करने जा रहे हैं। हाल ही में आदिपुरुष से जुड़ा कृति सेनन का लुक रिलीज हुआ है, जिसने काफी प्रशंसा प्राप्त की है। दर्शकों ने कृति सेनन के पोस्टर को देखकर उनकी भी बहुत तारीफ की है। देखते ही देखते आदिपुरुष का यह पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कृति सेनन ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से आदिपुरुष से जुड़ा अपना लुक साझा किया। इस पोस्टर को शेयर करते हुए कृति सेनन ने लिखा कि अमर है नाम, जय सिया राम। इस पोस्टर में कृति सेनन की आंखों में इंतजार दिखाई दिया, लेकिन कृति सेनन के लुक्स का सिलसिला यहीं खत्म नहीं हुआ। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से एक और पोस्टर साझा किया, जिसमें देवी सीता बनीं कृति सेनन की आंखों में आंसू दिखाई दिये। इस पोस्टर को शेयर करते हुए कृति सेनन ने लिखा कि जानकी, जय सिया राम। इन सबसे इतर प्रभास और कृति सेनन ने आदिपुरुष का लिरिकल मोशन पोस्टर भी साझा किया है। इसमें प्रभास के साथ-साथ कृति सेनन का भी मूवी से जुड़ा जबरदस्त लुक देखने को मिला। इसे शेयर करते हुए कृति सेनन ने लिखा कि सीता राम चरित अति पावन। आदिपुरुष के पोस्टर देखने के बाद फैंस तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने कृति की तारीफ करते हुए लिखा कि कृति सेनन का अब तक का सबसे बेस्ट लुक। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा कि यह कृति सेनन की सबसे अच्छी मूवी होने वाली है। जय श्री राम। एक यूजर ने आदिपुरुष को ब्लॉकबस्टर बताते हुए लिखा कि ब्लॉकबस्टर मूवी लोड हो रही है। प्रभास और कृति सेनन की आदिपुरुष इसी साल 16 जून को रिलीज होने वाली है। बताया जा रहा है कि मूवी के प्रमोशन भी जल्द ही शुरू होने वाले हैं।

गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी 5 मई को होगी रिलीज

गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी की तीसरी और अंतिम किस्त जल्द ही रिलीज होने वाली है। दुनियाभर से दर्शकों की फिल्म के लिए एक्साइटमेंट देखी जा रही है। फैंस बेसब्री से अपनी फेवरेट फिल्म का इंतजार कर रहे हैं! गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी 5 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। एमसीयू के साथ निर्देशक जेम्स गन की आखिरी यात्रा है, लेकिन फिर भी उनकी एक उल्लेखनीय और यादगार यात्रा रही है। एक इंटरव्यू में जेम्स ने कहा कि वह हमारे अपने भारतीय अभिनेता जूनियर एनटीआर के साथ काम करना चाहते हैं।

दरअसल, निर्देशक से पूछा गया कि क्या वह किसी भारतीय अभिनेता को गार्जियंस ब्रह्मांड में पेश कर सकते हैं, तो वह कौन होगा। इसी का जवाब देते हुए निर्देशक ने कहा कि वह आरआरआर एक्टर जूनियर एनटीआर के साथ काम करना पसंद करेंगे। उन्होंने एनटीआर की तारीफ करते हुए कहा कि, वह काफी अद्भुत और कूल हैं। जेम्स गुन का यह बयान वैश्विक स्तर पर भारतीय सिनेमा की बढ़ती लोकप्रियता और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों पर इसके प्रभाव का एक वसीयतनामा है।

दीपिका के साथ पहली बार दिखेंगी सिंघम अगेन में करीना

बाजीराव सिंघम के रूप में होगी अजय देवगन की धमाकेदार एंट्री

मुंबई (ईएमएस)। रोहित शेट्टी ने सूर्यवंशी की अपार सफलता और सर्कस की अपार असफलता के बाद अपनी अगली फिल्म सिंघम अगेन की तैयारी शुरू कर दी है। इस फिल्म का संकेत उन्होंने सूर्यवंशी के अन्तिम दृश्य में दिया था, जहां अजय देवगन जैकी श्रॉफ को ललकारते हुए कहते हैं कि आ रहा हूं मैं तेरे को नेस्तनाबूद करने। इस फिल्म की शूटिंग इस वर्ष के अन्त में शुरू होगी और यह आगामी वर्ष स्वतंत्रता दिवस सप्ताह में प्रदर्शित की जाएगी। इस फिल्म में एक बार फिर बाजीराव सिंघम के रूप में अजय देवगन की धमाकेदार एंट्री होने वाली है। फिल्म के ऐलान से ही रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स के प्रशंसाक उछल पड़े थे। अपने प्रशंसकों का क्रेज अगले लेवल पर पहुंचाने के लिए निर्देशक रोहित शेट्टी ने ये भी ऐलान किया कि इस बार उनकी इस कॉप यूनिवर्स की फिल्म में लेडी कॉप की भी एंट्री होगी, जिसके बाद उन्होंने इस रोल के लिए अदाकारा दीपिका पादुकोण के नाम का भी खुलासा कर दिया था। चर्चा है कि अजय देवगन और रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर सिंघम अगेन में अदाकारा करीना कपूर खान भी शामिल कर ली गई हैं। करीना कपूर खान इस फिल्म फ्रेंचाइजी के दूसरे पार्ट में भी दिखाई दी थीं। मीडिया के अनुसार अदाकारा करीना कपूर फिल्म के तीसरे पार्ट में भी अजय देवगन के अपोजिट लीड रोल में नजर आएंगी। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि उनका किरदार अवनी कामत का ही होगा या फिर इसमें कोई बदलाव होगा। दिलचस्प बात यह है कि अदाकारा दीपिका पादुकोण पहले से ही सिंघम अगेन का हिस्सा बन चुकी हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस लेडी कॉप का कैरेक्टर प्ले करेंगी। ऐसे में करीना कपूर खान और दीपिका पादुकोण पहली दफा साथ में स्क्रीन स्पेस शेयर करती दिख सकती हैं। वहीं रोहित शेट्टी की इस फिल्म में उनके कॉप यूनिवर्स के दूसरे स्टार्स रणवीर सिंह और अक्षय कुमार भी कैमियो करते दिख सकते हैं।

सामंथा का नया विज्ञापन खींच रहा लोगों का ध्यान

साउथ की स्टार सामंथा रुथ प्रभु ने एक नए विज्ञापन में शादी और समाज के बारे में बात की। सामंथा ने इसे कैप्शन दिया: दुनिया खीचेगी नीचे, लेकिन तुम्हें उठना होगा बेबी! वीडियो की शुरूआत में नजर आता है कि सामंथा दुल्हन के रूप में एक मंडप में बैठी हुई है। वहां मौजूद मेहमान लड़कियों को सही उम्र में शादी करने वाली टिप्पणी करते है। सामंथा को फिर यह कहते हुए सुना जाता है: शादी टाइम पे नहीं, मर्जी से होनी चाहिए। वीडियो सामंथा के काम से देर से आने पर वॉचमैन पूछता है: कौन सा काम रात के 12 बजे खत्म होता है। जिस पर सामंथा कहती हैं कि यह आधी रात को भी खत्म नहीं होता है। आखिरी सेगमेंट में एक एक्शन फिल्म करने के बारे में है, जहां को-स्टार कहता है कि वह हीरो है और फिल्म में एक्शन वही करेगा। इसका करारा जवाब देते हुए सामंथा कहती हैं, पर इस फिल्म की हीरो तो मैं हूं। विज्ञापन के आखिर में सामंथा कहती है: सब की सुनोगे तो खुद की कब करोगे। विज्ञापन में सामन्था ने महिलाओं की अपनी मर्जी से शादी करने से लेकर, लेट नाइट शिफ्ट और एक्शन सीन्स तक, एक्ट्रेस ने इन सब के बारे में बात की।

मेरी लव स्टोरी मेरे साथ कब्र में जाएगी : सलमान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने एक इंटरव्यू में अपने लव अफेयर को लेकर बड़ा बयान दिया है। सलमान ने कहा, मेरी लव स्टोरी मेरे साथ कब्र में जाएगी। सलमान के इस बयान के बाद हर तरफ इसकी चर्चा हो रही है। इस इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कई बातें बताईं। हालांकि, सलमान की किसी का भाई किसी की जान बॉक्स ऑफिस पर अपना जादू दिखाने में नाकाम होती नजर आ रही है। फिल्म एक हफ्ते के अंदर 100 करोड़ रुपये भी नहीं बटोर सकी। सलमान हाल ही में एक मीडिया शो में नजर आए थे। इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कई बातें बताईं। सलमान ने आगे कहा, कुछ लोग नशे में कुछ भी कहते हैं, मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा वगैरह-वगैरह। लेकिन जब मैं शराब पीता हूं तो कहता हूं... जाने दो... लेकिन कभी-कभी हर कोई गलती कर बैठता है। इस इंटरव्यू में सलमान ने अपने लव अफेयर को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। सलमान ने कहा, मेरी लव स्टोरी मेरे साथ कब्र में जाएगी। सलमान के इस बयान के बाद हर तरफ इसकी चर्चा हो रही है। सलमान ने अब तक बॉलीवुड में कई लोगों को लॉन्च किया है। हालांकि, सलमान पर कई एक्टर्स का करियर खत्म करने के भी आरोप लगे। इन आरोपों पर सलमान खान ने कहा, बॉलीवुड में मैं बहुत कम लोगों के संपर्क में हूं। जब मैं किसी के साथ काम करता हूं, तो मैं केवल उसी व्यक्ति से बात करता हूं। मैं हर बार पार्टी भी नहीं करता। फिल्म जगत में मेरे जो दोस्त हैं, वे वरिष्ठ हैं और कुछ मेरे बचपन के दोस्त हैं... मेरे पास किसी से बहस करने का समय नहीं है।

बॉडीगार्ड की शादी में शामिल हुए कार्तिक आर्यन, तस्वीरें वायरल

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन हमेशा चर्चा में रहते हैं। वह हाल ही में बॉडीगार्ड सचिन अंजारलेकर के शादी समारोह में शामिल हुए। बॉडीगार्ड की शादी में कार्तिक बेहद प्लेन आउटफिट में पहुंचे थे। उन्होंने पीले रंग की शर्ट और जींस पहन रखी थी। कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बॉडीगार्ड की शादी की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा, सचिन और सुरेखा को शादी की शुभकामनाएं। कार्तिक आर्यन की इन फोटोज पर फैंस ने भी कमेंट किए हैं और अब ये तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गयी हैं। कार्तिक सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। वह इस समय अपनी फिल्म सत्यप्रेम की कथा, आशिकी-3 और कैप्टन इंडिया की शूटिंग में व्यस्त हैं। कार्तिक बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के साथ फिल्म सत्यप्रेम की कथा में स्क्रीन शेयर करेंगे।

फिल्म 'वेड' में रितेश और जेनेलिया की एक्टिंग के कायल हुए विवेक ओबेरॉय

अभिनेता रितेश देशमुख की फिल्म वेड बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। दर्शकों की तरह कई सेलेब्रिटीज ने भी इस फिल्म की तारीफ की। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने भी हाल ही में हॉटस्टार पर फिल्म देखी और इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने रितेश और जेनेलिया की तारीफ की है। पिछले साल के अंत के रिलीज हुई फिल्म वेड को देखने के लिए दर्शक सिनेमाघरों में उमड़ पड़े। दर्शकों का भरपूर प्यार पाने वाली फिल्म वेड कुछ दिनों पहले डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई है। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने भी हाल ही में हॉटस्टार पर फिल्म देखी। इसके बाद ओबेरॉय ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है। विवेक ओबेरॉय वेड देखकर अभिभूत हैं। विवेक ओबेरॉय ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी में कहा, वेड जैसी फिल्म बनाने के लिए रितेश और जेनेलिया पर गर्व है, जो भावनाओं को बखूबी दिखाती है। जिन लोगों ने फिल्म वेड नहीं देखी है, उन्हें इसे हॉटस्टार पर देखना चाहिए। इस स्टोरी को शेयर करते हुए रितेश देशमुख ने विवेक ओबेरॉय का शुक्रिया अदा किया है। रितेश ने अपने निर्देशन की शुरूआत फिल्म वेड से की, जो 30 दिसंबर, 2022 को रिलीज हुई थी। जेनेलिया देशमुख की यह पहली मराठी फिल्म है। रितेश-जिनिलिया की फिल्म के गानों का क्रेज आज भी कायम है।

सनी सिंह को कॉमेडी करते देखने एक्साइटेड है फैंस

बॉलीवुड एक्टर सनी सिंह के फैन उन्हें फिर से कॉमेडी करते देखने के लिए काफी एक्साइटिड हैं। सनी सिंह और टीवी स्टार अवनीत कौर जल्द ही फिल्म लव की अरेंज मैरिज में एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की घोषणा हाल ही में की गई थी। वहीं, सनी सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की है। जिसमें वह अपनी को स्टार अवनीत कौर के साथ ठुमके लगाते नजर आ रहे हैं। सनी सिंह ने इंस्टाग्राम जो रील शेयर की है, उसमें वह दिलजीत दोसांझ के पॉपुलर गाने एक पर अपना दिल बहलाए पर अवनीत के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। सनी सिंह ने ब्लैक टी-शर्ट और ब्लू डेनिम पहनी हुई है। अवनीत कौर भी कैजुअल आउटफिट में काफी अच्छी लग रही हैं। दोनों एक साथ सेम स्टेप करते हुए काफी एंजॉय कर रहे हैं। वीडियो को अपने सोशल मीडिया पर लाइव करते हुए सनी ने कैप्शन में लिखा है- सिंह और कौर।

सूडोकु नवताल- 6419

मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6418 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्दजाल - 7166

प्र	अ	मे	रि	का	स	मा	न	न	प	क	
न	का	क	वि	इं	डो	ने	ग	ति	मा	न	
अ	दा	श	ल	मा	ग	स	द	ह	प	का	
जी	ग	ल	मा	ब	न	स	पा	ह	लि	ल	
त	अ	अ	सौ	न	जा	मे	ह	मा	न	दे	
अ	भि	नु	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां	
ग	मा	ल	मा	व	प	ला	य	मा	न	ग	
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला	
क	या	बा	तें	व	न	ई	मा	न	जू	दे	
र	प्र	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स	अ	प	श	
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र	

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'मान' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अनुमान, प्रकाशमान, ईमान, मेहमान, प्रतिमान, विमान, पलायमान, समान, गतिमान, अभिमान

शब्दजाल - 7165 का हल

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	व
रा	वि	ली	प्रे	व	जी	स	द	ज	कां	इ
चु	म	ल	बा	दी	छ	स	आ	ब	ख	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	ति	ल	ल	चा	न	क्रो	धी	झ	चे
या	ल	द	र	रा	झ	ली	ती	ण	घ	र
द	ब	र्नि	ग	ट्रे	न	बै	स	बा	व	स
क	एं	ऊ	ई	द	ब	के	फ	चो	श	क
रा	म	ब	ल	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	म	प	द
क	ड	ल	प	या	क	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6119

	7	3	4		6	1
1	37		29	2	29	
6		5			4	
	38	4	29		29	
		1		7	2	3
7	33	2	32		37	
3			4	1	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6118 का हल

2	3	1	4	6	7	5
7	30	2	25	2	34	4
4	5	6	3	1	7	2
6	34	3	35	5	33	6
1	2	7	6	4	5	3
5	32	5	42	3	32	7
3	5	4	6	7	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

टेस्ट रैंकिंग में टीम इंडिया बनी नंबर-1: दूसरे स्थान पर फिसली ऑस्ट्रेलियाई टीम, डब्लूटीसी फाइनल से पहले भारत के तीन बड़े खिलाड़ी चोटिल

नई दिल्ली ।
टीम इंडिया टेस्ट में नंबर-1 बन गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ताजा टेस्ट टीम रैंकिंग जारी की। जहां टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर टॉप पर पहुंच गई है। इस साल की शुरुआत में टीम इंडिया ने लगातार चौथी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी बरकरार रखने में सफलता हासिल की थी और ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से टेस्ट सीरीज में हराया था। भारत को 25 मैचों में 3031 पॉइंट्स मिले हैं। उसकी रेटिंग 121 है। वहीं ऑस्ट्रेलिया को 23 मैचों के 2679 पॉइंट्स मिले हैं। उसे 116 रेटिंग मिली है। इस तरह भारत पहले और ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है। जबकि दक्षिण अफ्रीका चौथे नंबर पर है। न्यूजीलैंड फिलहाल पांचवें पायदान पर है। आईसीसी की एनुअल रैंकिंग अपडेट से पहले ऑस्ट्रेलिया 122 अंकों के साथ शीर्ष पर था और भारत उससे तीन अंकों 119 से पीछे था। यह अपडेट मई 2020 के बाद टीमों के प्रदर्शन को ध्यान में रख किया गया है। आईसीसी की एनुअल रैंकिंग में मई 2020 से मई 2022 से पहले खत्म हुई सीरीज की वेटेज 50प्रतिशत और मई 2022 के बाद की सभी सीरीज का वेटेज 100प्रतिशत होता है।

7 जून से खेला जाएगा डब्लूटीसी का फाइनल मुकाबला - भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इसके लिए दोनों ही देशों की टीमों को ऐलान हो चुका है। भारत रोहित शर्मा की अगुआई में फाइनल में उतरेगा। वहीं डब्लूटीसी फाइनल से पहले टीम इंडिया के तीन बड़े खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं। जिसमें केएल राहुल, शार्दूल ठाकुर और जयदेव उनादकट का नाम शामिल है। शार्दूल तो आईपीएल -16 के बाकी बचे सीजन से बाहर हो गए हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में शामिल जयदेव उनाकट भी चोटिल हो गए। उन्हें ट्रेनिंग सेशन में चोट लगी जब वह जमीन पर गिर गए। वहीं केएल राहुल आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में चोटिल हो गए।

डब्लूटीसी 2023 फाइनल के लिए टीम इंडिया - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएल राहुल, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और जयदेव उनादकट।

टीम इंडिया को जय शाह ने दी बधाई - जय शाह ने ट्वीट किया, 'टीम इंडिया को टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 पोजिशन पर पहुंचने के लिए बधाई।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल ने पहली बार एशिया कप के लिए क्वालीफाई किया: यूएई को हराकर की एंट्री, भारत-पाकिस्तान से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली । नेपाल क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार एशिया कप 2023 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नेपाल ने काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में एसीसी पुरुषों के प्रीमियर कप के फाइनल में संयुक्त अरब अमीरात को सात विकेट से हराया। इस मैच में गुलशन झा ने 84 गेंदों में नाबाद 67 रनों की पारी खेली। गुलशन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। एशिया कप 2023 के लिए पांच टीमें पहले से ही क्वालीफाई कर चुकी हैं। अब नेपाल इस टूर्नामेंट में खेलने वाली छठी टीम बन गई है। पांच टीमों में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीम शामिल है। इस बार का एशिया कप सितंबर के शुरुआती सप्ताह में होना है। 13 दिनों तक चलने वाले 6 टीमों के टूर्नामेंट में फाइनल समेत कुल 13 मैच होंगे। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। पहली बार एशिया कप का आयोजन साल 1984 में हुआ था। एशिया कप के 39 साल के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम है। एशिया कप की मेजबानी फिलहाल पाकिस्तान के पास है। हालांकि, अभी यह तय नहीं हो पाया है कि एशिया कप के मुकाबले कहां खेले जाएंगे। हुए मुकाबले में यूएई की टीम 33.1 ओवर में 117 रन ही बना सकी, वहीं बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम ने 30.3 ओवर में तीन विकेट खोकर 118 रन बनाकर यूएई को इस टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पिछली बार इस टूर्नामेंट में यूएई की टीम ने भी क्वालीफाई किया था, वह इस कप में पहुंचने वाली छठी टीम थी।

शुभमन गिल स्पिनर्स को पढ़ने में मास्टर हैं : हरभजन सिंह

अहमदाबाद । आईपीएल तालिका में शीर्ष पर चल रहा गुजरात टाइटंस अपने घरेलू नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सबसे नीचे चल रही टीम दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगा। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली गुजरात टीम लगातार यह साबित कर रही है कि वह आईपीएल में एक ताकत क्यों है। गुजरात की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। हालांकि युवा ओपनर शुभमन गिल अपनी टीम को अच्छी शुरूआत दे रहे हैं जो इस फॉर्मेट में किसी भी टीम के लिए जरूरी है। युवा भारतीय ओपनर अपने लगातार प्रदर्शन से सभी तरफ से तारीफें बटोर रहा है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने जोर देकर कहा कि पंजाब का यह क्रिकेटर लम्बे समय तक सभी फॉर्मेट में भारतीय क्रिकेट की सेवा करेगा। हरभजन ने कहा, अगले कुछ वर्षों में सभी निगाहें शुभमन गिल पर होंगी। वह क्रिकेट बॉल के परफेक्ट टाइमर दिखाई देते हैं। वह बड़ी पारियां खेलेंगे और सभी फॉर्मेट में भारत के लिए खेलेंगे। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए प्रदर्शन ने उन्हें काफी आत्मविश्वास दिया होगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि गिल जिस तरह स्पिनरों पर जवाबी प्रहार करते हैं, वह उन्हें विशेष खिलाड़ी बनाता है उन्होंने कहा, जब स्पिनर आक्रमण पर आते हैं तो शुभमन गिल विकेट पर टिके रहते हैं और यह गुजरात के लिए अच्छा है। वह स्पिनरों को अच्छे से पढ़ते हैं और अनावश्यक खतरा नहीं उठाते।

अमेरिका में कोविड टीका की अनिवार्यता हो रही खत्म, जोकोविच खेल सकते हैं यूएस ओपन

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर एक सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच इस साल यूएस ओपन में खेल सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए कोविड-19 टीकाकरण अनिवार्यता को हटाने की घोषणा कर दी है। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन टीका नहीं लेने के चलते यूएस ओपन सहित कई टूर्नामेंटों से चूक गए थे। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, हम घोषणा कर रहे हैं कि प्रशासन 11 मई को संघीय कर्मचारियों, संघीय कांट्रैक्टर और अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों के लिए कोविड-19 वैक्सीन की अनिवार्यता समाप्त कर देगा। उसी दिन कोविड-19 सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल भी समाप्त हो जाएगा। सर्बियाई खिलाड़ी ने इस साल की शुरूआत में अमेरिकी अधिकारियों से कोविड टीका नहीं लेने के बावजूद संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने के लिए विशेष अनुमति मांगी थी। हालांकि, उनको प्रवेश से वंचित कर दिया गया और इस तरह मार्च में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन से वो हट गए।

विराट-गंभीर 10 साल बाद मैदान पर फिर भिड़े

कोहली ने मैदान से सीना ठोका, इशारा किया; नवीन से दूसरी बार झगड़े तो गंभीर भी आ गए

लखनऊ।
लखनऊ में आईपीएल के मैच में विराट कोहली और गौतम गंभीर की टसल एक बार फिर देखने को मिली। दोनों एक दूसरे के सामने आ गए। 5 मिनट तक तीखी नोक-झोंक होती रही। मामला इतना बढ़ गया कि लखनऊ के कप्तान केएल राहुल और सीनियर खिलाड़ी अमित मिश्रा को बीच बचाव करना पड़ा। इसके बाद भी कोहली और गंभीर एक-दूसरे से नाराज दिखे। इससे पहले 2013 में भी दोनों में तीखी बहस हुई थी। मैच के दौरान विराट ने जूता दिखाकर नवीन उल-हक पर स्लेजिंग भी की। इस विवाद के बाद लखनऊ के मेंटॉर गौतम गंभीर और आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली पर आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने पर मैच फीस का 100प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। लखनऊ के गेंदबाज नवीन-उल-हक पर भी मैच फीस का 50प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। कोहली और नवीन ने अपनी गलती मान ली है।

कोहली ने लिखा- ना तथ्य, ना ही सत्य - विराट ने मैच के बाद इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इसे सफाई के तौर पर देखा जा रहा है। लिखा, जो भी कुछ हम सुनते हैं, वे विचार होते हैं, तथ्य नहीं। हम जो कुछ भी देखते हैं वह एक दृष्टिकोण है, सत्य नहीं। इसके नीचे मार्कस ऑरेलियस का नाम लिखा है

नवीन ने लिखा- आपको वही मिलता है जो आप डिजर्व करते है - मैच के बाद नवीन उल-हक ने भी इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाई है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा- आपको वही मिलता है जो आप डिजर्व करते हैं। ऐसा ही होना चाहिए और ऐसा ही होता है। इसे भी उस नोक-झोक से जुड़ा माना जा रहा है।

वे 3 पल, जिसकी वजह से झगड़ा हुआ - चौथे ओवर में विराट ने सीना ठोका, इशारा किया: लखनऊ की टीम बल्लेबाजी कर रही थी। मैच का चौथा ओवर था। करुणाल पंडया और आयुष बदोनी बल्लेबाजी कर रहे थे। ग्लेन मैक्सवेल की तीसरी गेंद पर पंड्या ने लॉन्ग पर शॉट मारा। उधर, विराट ने कैच लपक लिया। इसका जश्न मनाते हुए विराट ने स्टैंड्स की तरफ देखकर अपना सीना ठोका। इसके बाद मुंह पर उंगली रखकर इशारा किया। डगआउट में बैठे गौतम ये सब देख रहे थे। 16वें ओवर के बाद विराट ने नवीन को इशारा किया: 16वें ओवर के बाद विराट स्टंप के पीछे से दौड़ते हुए आए और नवीन को देखकर कुछ इशारा किया। इस पर नवीन उल-हक भी उनके करीब आ गए और दोनों में बहस शुरू हो गई। इस बीच विराट ने अपने जूते की तरफ भी इशारा किया और उसमें से मिट्टी निकाली। बाकी खिलाड़ियों ने बीच-बचाव की कोशिश की तो कोहली और अमित मिश्रा के बीच भी बहस हो गई। आरसीबी के दिनेश कार्तिक और अंपायर ने आकर दोनों को अलग किया। मैच के बाद नवीन-विराट हाथ मिला रहे थे: मैच खत्म होने के बाद लखनऊ और बेंगलुरु के खिलाड़ी जब हाथ मिला रहे थे, इस दौरान नवीन-उल-हक और विराट के बीच बहस शुरू हो गई। आरसीबी के खिलाड़ी विराट को लेकर चले गए। विराट फिर लखनऊ के ऑलराउंडर काइल मेयर्स के साथ बातचीत करने लगे। तभी गंभीर आकर मेयर्स को अपने साथ लेकर जाने लगे। उसी दौरान गंभीर कुछ-कुछ कहने लगे। कोहली ने जवाब दिया। बहस बढ़ गई और दोनों खिलाड़ी भिड़ गए। अंपायर और सीनियर्स खिलाड़ी अमित मिश्रा और लखनऊ कोचिंग स्टाफ के सदस्य विजय दहिया ने बीच-बचाव किया।

बेंगलुरु में गौतम ने मुंह पर उंगली रखकर चुप रहने का इशारा किया था - 10 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस सीजन के 15वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को उसके घर में जाकर हराया था। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आरसीबी ने 212 रन बनाए थे। मैच की आखिरी गेंद पर लखनऊ ने लक्ष्य हासिल कर लिया था। इस जीत के बाद लखनऊ के मेंटॉर गौतम गंभीर ने आरसीबी के फैंस की तरफ मुंह पर उंगली रखकर चुप रहने का इशारा किया था।

दोनों में 10 साल पहले 2013 में भी मैच के बाद भी बहस हुई थी - दस साल पहले यानी 2013 में हुए आईपीएल के छठे सीजन के मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच ग्राउंड पर नोक-झोंक हुई थी। तब विराट कोहली आरसीबी में ही थे, जबकि गौतम गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे।

कभी गौतम ने अपना मैन ऑफ द मैच विराट को दिया था - साल 2009 में गौतम गंभीर ने अपना मैन ऑफ द मैच विराट को दे दिया था। दरअसल, श्रीलंका के खिलाफ मैच था। गौतम ने नाबाद 150 रनों की पारी खेली थी और उनको मैन ऑफ द मैच चुना गया था। इस मैच में विराट (107) ने अपने ओडीआई करियर का पहला शतक बनाया था। गंभीर ने अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान आगे आकर विराट को यह अवॉर्ड सौंप दिया। उस मैच में टीम इंडिया ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया था।

एशिया कप कैंसिल हो सकता है

पाक मीडिया का दावा- पाकिस्तान के बिना भारत 5 देशों का टूर्नामेंट करा सकता है

इस्लामाबाद।
इस साल सितंबर में पाकिस्तान में होने वाला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट कैंसिल हो सकता है। यह दावा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हवाले से पाकिस्तानी वेबसाइट पाकिस्तान क्रिकेट ने किया है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि एशिया कप कैंसिल होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पांच देशों के टूर्नामेंट का आयोजन कर सकता है। इसमें पाकिस्तान को छोड़कर एशिया की अन्य सभी टीमें हिस्सा ले सकती हैं। एशिया कप कैंसिल हो सकने की खबर आने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से इस मसले पर बात की। पीसीबी के एक अधिकारी ने इस खबर को अफवाह बताया है। उन्होंने कहा कि इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। आईसीसी के कैलेंडर में 2023 में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। बीसीसीआई ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि भारतीय टीम खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना, क्योंकि अपनी बिगड़ी हुई आर्थिक स्थिति संवारने के लिए उसे एशिया कप से ही उम्मीद है। हालांकि पाकिस्तान ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का प्रस्ताव भी दिया है। इसके मुताबिक भारत के मैच बाहर करा दिए जाएंगे और बाकी टूर्नामेंट पाकिस्तान में होगा। भारत अगर फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी पाकिस्तान के बाहर होगा। इस पर बीसीसीआई की ओर से कोई साफ बयान नहीं आया है। बीच में यह खबर आई थी कि बांग्लादेश और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल का विरोध किया है।

वंतिका अग्रवाल अंतर्राष्ट्रीय मास्टर बनने वाली 11वीं भारतीय महिला, अब एशियन गेम्स में करेंगी कमाल

नई दिल्ली ।
एशियन गेम्स से पहले भारत की चेस खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल शानदार लय में चल रही हैं। उन्होंने पिछले दो महीनों में चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले हैं। इस दौरान उन्होंने फाइड रेटिंग (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज संघ) में 61 अंक हासिल किए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर वह देश की तीसरी सबसे बेहतरीन रैंकिंग वाली खिलाड़ी बन गई हैं। अब वंतिका से ऊपर सिर्फ कोनेरू हंपी और हरिका द्रोणवल्ली हैं। हंपी देश की शीर्ष रैंकिंग वाली महिला खिलाड़ी हैं। वहीं, हरिका दूसरे स्थान पर हैं। महिला ग्रैंड मास्टर वंतिका के पास 2428 रेटिंग अंक हैं, जबकि हरिका के पास 2501 और हंपी के पास 2567 अंक हैं। वंतिका ने बुडापेस्ट में अपना तीसरा और अंतिम आईएम मानदंड हासिल किया और शतरंज में अंतर्राष्ट्रीय मास्टर खिताब हासिल करने वाली 11वीं भारतीय महिला बन गई हैं। उनका चयन चीन के हांग्जो में होने वाले एशियाई खेलों के लिए किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में भी उनसे काफी उम्मीदें होंगी।

मेनोरका ओपन में बनी चैंपियन

वंतिका पिछले महीने स्पेन में मेनोरका ओपन में महिला चैंपियन बनी थी। उन्होंने जनवरी 2023 में कोहलापुर में आयोजित राष्ट्रीय महिला चैंपियनशिप में कांस्य पदक और फरवरी 2023 में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के लिए स्वर्ण पदक भी जीता है। वह 2022 में 44वें शतरंज ओलंपियाड में भारत की दूसरी टीम के लिए पहले बोर्ड में खेली थीं और आईएम मानदंड हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी थीं।

2021 में बनी थीं महिला ग्रैंड मास्टर

वंतिका ने 2021 में महिला ग्रैंड मास्टर का खिताब हासिल किया था और राष्ट्रीय महिला चैंपियन बनीं थीं। उन्होंने इसी साल फाइड बिनेंस बी स्कूल कप में अपनी स्कूल एसआरसीसी के लिए स्वर्ण पदक जीता था। 2020 में वह चेस ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। वंतिका को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मानित कर चुके हैं और खेल में उनकी उत्कृष्टता के लिए पूर्व भारतीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति पुरस्कार से भी उन्हें सम्मानित किया था।

हेजलवुड को आईपीएल के मुकाबले एशेज को प्राथमिकता देनी चाहिए: माइकल क्लार्क

नई दिल्ली ।
पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के मौजूदा आईपीएल में खेलने के फैसले से खुश नहीं हैं और उनका मानना है कि तेज गेंदबाज को आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और एशेज पर ध्यान देना चाहिए। हेजलवुड टखने की चोट के कारण लगभग चार महीने तक मैदान से बाहर रहे थे। उन्होंने क्रिकेट मैदान पर सफल वापसी की जब उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ तीन ओवर डाले और 15 रन पर दो विकेट लिए। हेजलवुड को यह चोट जनवरी में सिडनी में टेस्ट मैच के दौरान लगी थी और उसके बाद से वह खेल के किसी भी प्रारूप में नहीं खेले। उन्हें भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए चुना गया था लेकिन सीरीज के मध्य में उन्हें उनके रिहैबिलिटेशन के लिए स्वदेश वापस भेज दिया गया था। आईपीएल में वापसी से हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया के आगामी छह टेस्ट के इंग्लैंड दौरे के लिए अपनी शारीरिक तैयारी दिखाना चाहते हैं। इस दौरे में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और एशेज शामिल है। 32 वर्षीय हेजलवुड उन चार तेज गेंदबाजों में शामिल हैं जिन्हें इंग्लैंड दौरे के पहले हाफ के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में रखा गया है। राष्ट्रीय चयनकर्ता इस बात से खुश हैं कि हेजलवुड ने अपनी गेंदबाजी की तैयारी के लिए आईपीएल का इस्तेमाल किया है जबकि क्लार्क का मानना है कि हेजलवुड को ऑस्ट्रेलिया में होना चाहिए और रेड बॉल क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। क्लार्क के हवाले से फॉक्स क्रिकेट ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि वह आईपीएल को प्राथमिकता क्यों दे रहे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में होना चाहिए और टेस्ट मैच क्रिकेट की तैयारी करनी चाहिए। मैं जानता हूं कि उनके पास वहां लोग होंगे। नेट्स में वह आईपीएल खिलाड़ियों से ज्यादा गेंदबाजी करेंगे ताकि टेस्ट क्रिकेट की तैयारी कर सकें। उन्होंने कहा, लेकिन मैं नहीं जानता कि तीन या चार ओवर करना एशेज सीरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ तैयारी होगी जबकि चोटों के कारण वह टेस्ट क्रिकेट से काफी समय बाहर रहे थे। क्लार्क ने कहा, उन्हें वापसी करते देखना सुखद है। इस बात में कोई संदेह नहीं लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट फैंस के लिए , आप उन्हें एशेज सीरीज में सर्वश्रेष्ठ पर देखना चाहते हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि आईपीएल से जुडी बड़ी राशि के कारण किसी खिलाड़ी के लिए इससे इंकार करना मुश्किल होगा। वह नहीं जानते कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस मामले में हस्तक्षेप किया होगा और हेजलवुड को आईपीएल में खेलने से रोका होगा।

क्लार्क ने कहा, वे अब ऐसा कर सकते हैं और आपको जाने से रोक सकते हैं। जब तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया यह न कहे कि ठीक है आईपीएल आपको आठ सप्ताह के लिए 30 लाख डॉलर दे रहा है हम आपको 30 लाख डॉलर देते हैं। आप यहीं रहो और हमारे साथ प्रशिक्षण करो।

बृजभूषण बोले- पहलवानों के विरोध में टुकड़-टुकड़े गैंग शामिल, शाहीन बाग की तरह बढ़ रहा मामला

नई दिल्ली ।
भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने आरोप लगाया कि पहलवानों का विरोध शाहीन बाग मामले की तरह बढ़ रहा है और विरोध करने का लक्ष्य वह नहीं बल्कि भाजपा बनती जा रही है है। बृजभूषण शरण सिंह ने पूछा कि पहलवानों की मांग पर एफआईआर दर्ज होने के बावजूद जंतर-मंतर पर विरोध समाप्त क्यों नहीं हुआ साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस प्रदर्शन की फंडिंग की जा रही है। पर्दे के पीछे से प्रदर्शनकारियों को आर्थिक सहायता मुहैया कराई जा रही है।

पहलवानों का लक्ष्य मेरा इस्तीफा नहीं भाजपा है - बृजभूषण ने कहा- टुकड़े-टुकड़े गैंग, जो ताकतें शाहीन बाग में सक्रिय थीं, किसान आंदोलन में सक्रिय थीं, पीएम मोदी पर समय-समय पर हमले करने वाले, पार्टी पर हमले करने वाले, वो सारी ताकतें पहलवानों के आंदोलन में दिखाई दे रही हैं। मैं शुरू से ही कह रहा हूं कि उनका लक्ष्य मेरा इस्तीफा नहीं है। यह उनका बहाना है। जब उनकी मांग पर एफआईआर दर्ज की गई है और जिस तरह से वे राजनीतिक दलों को आमंत्रित कर रहे हैं, उनका लक्ष्य पार्टी (भाजपा) है। प्रियंका गांधी पहुंचीं, उनके पति पहुंचे, मलिक साहब (सत्यपाल मलिक) पहुंचे, केजरीवाल पहुंचे। जिस तरह से लोग साथ आ रहे हैं, प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल हो रहा है...क्या यह खिलाड़ियों का आंदोलन है नहीं है। दिल्ली का शाहीन बाग 2019 में नागरिकता विरोधी (संशोधन) अधिनियम के विरोध के दौरान सुर्खियों में आया था। प्रदर्शनकारियों ने कुछ महीनों के लिए नागरिकता कानून के खिलाफ सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन किया था। इसके कारण लंबे समय तक ट्रैफिक डायवर्ट किया गया था।

बृजभूषण बोले- मेरी जान को खतरा - उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पूछा कि क्या सामान्य खिलाड़ी मामलों के लिए महंगे वकील रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन के पीछे उद्योगपति हैं। बृजभूषण ने कहा- कुछ उद्योगपति मुझे हर तरह से नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, वे पैसे उड़ा रहे हैं। मुझे लगता है कि जब उद्योगपति मेरे खिलाफ सैकड़ों करोड़ों खर्च कर सकते हैं, तो मेरी जान को भी खतरा है। उन्होंने बृजभूषण सिंह के पीछे पड़ने का फैसला किया है।

शाहीन बाग की तरह फैल रहा है आंदोलन - उन्होंने कहा- पहलवानों की मांग थी कि एफआईआर होनी चाहिए। यह दर्ज हो गई है, लेकिन उनका आंदोलन खत्म नहीं हो रहा है। क्या आंदोलन में पैसे खर्च नहीं होते हैं धीरे-धीरे यह शाहीन बाग की तरह फैल रहा है। धीरे-धीरे वे यूपी और हरियाणा को बांटना चाहते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि ज्यादातर पहलवान उत्तर प्रदेश में दो जाति समूहों और हरियाणा में एक जाति समूह से थे। बृजभूषण ने कहा- मैं चाहता हूं कि इन दोनों राज्यों के लोग इन खिलाड़ियों से पूछें कि वे नेशनल्स क्यों नहीं होने दे रहे हैं मैंने कैडेट नेशनल किया, उन्होंने इसका विरोध किया। जूनियर्स के लिए नेशनल्स, अंडर-15 और अंडर-23 अब तक हो जाना चाहिए था। खिलाड़ियों के लिए माता-पिता त्याग कर रहे हैं। विरोध करने वाले पहलवान जंतर-मंतर पर अभ्यास कर रहे हैं। वे सभी बड़े नाम हैं, उन्हें ट्रायल की अनुमति भी मिल सकती है, लेकिन उन बच्चों का क्या जिनके माता-पिता त्याग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें खेलने को नहीं मिल रहा क्योंकि महासंघ की गतिविधियों को चार महीने के लिए बंद कर दिया गया है।

मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है - महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न और शोषण के आरोपों को लेकर दिल्ली पुलिस ने डब्लूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया जैसे शीर्ष भारतीय पहलवान डब्लूएफआई प्रमुख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का हिस्सा हैं। बृजभूषण ने कहा कि दिल्ली पुलिस आरोपों की जांच कर रही है और जांच के नतीजे का इंतजार किया जाना चाहिए। सांसद ने कहा कि उन्होंने निरीक्षण समिति को एक कथित तौर पर प्रदर्शन में शामिल एक खिलाड़ी का कथित ऑडियो दिया था। उन्होंने कहा कि यह उनके खिलाफ साजिश है और वह इस्तीफा क्यों दें। बृजभूषण ने कहा कि उन्हें कुछ आरोपों की जानकारी नहीं है और उन्हें नहीं पता कि उन्हें किसने लगाया है। इस साल जनवरी में देश के कुछ प्रमुख पहलवानों के नेतृत्व में एक विरोध प्रदर्शन के बाद खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई और उसके प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह और अन्य कोचों के खिलाफ लगाए गए।

दुनिया में हर साल 300 मिलियन टन से ज्यादा प्लास्टिक तैयार हो रहा है। हमारे जीवन में घुसपैठ कर चुके प्लास्टिक का एक खतरनाक पहलू यह है कि इससे तैयार कोई भी उत्पाद पूरी तरह से नष्ट नहीं होता। प्लास्टिक को किसी भी तरीके से नष्ट या खत्म करने अथवा कहीं डंप करने के बावजूद उसका घातक असर पर्यावरण में मौजूद रहता है। प्लास्टिक कचरे को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए वैज्ञानिक पिछले कुछ दशकों से गंभीर प्रयासों में जुटे हैं और हाल ही में उन्हें इस दिशा में बड़ी सफलताएं भी मिली हैं।

प्लास्टिक को खत्म करने की जुगत...

अब पैसों से खरीदें खुशी...

पैसा जो काम की सारी चीजे दिला सकता है, लेकिन एक चीज नहीं दिला सकता, वो है खुशी। ऐसा बड़े बुजुर्गों का मानना था। लेकिन एक नए शोध ने इस कहावत को झुठला दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पैसे के सही इस्तेमाल से आप खुशियां भी खरीद सकते हैं। शोध में कहा गया है कि अगर आप अपने व्यक्तित्व के अनुसार पैसा खर्च करते हैं, तो इससे आपको वास्तव में खुशी का अहसास होगा। साथ ही अपनी जरूरतों के मुताबिक खर्च करने से आपकी जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। ब्रिटेन स्थित कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोध में पता चला है कि पैसा और संपूर्ण व्यक्तित्व के बीच हमेशा से ही कमजोर संबंध रहा है। शोध वास्तविक लेन-देन के आंकड़ों को खंगालते हुए इस तथ्य की नई जमीन तैयार करता है कि खर्च हमारी खुशी को बढ़ा सकता है। बशर्ते इसका इस्तेमाल सही वस्तुओं और सेवाओं पर किया जाए जो हमारे व्यक्तित्व के लिए उपयुक्त होने के साथ ही हमारी मनोवैज्ञानिक जरूरतों को भी पूरा करती हों।

तनाव कम करने में मददगार है चॉकलेट खाना

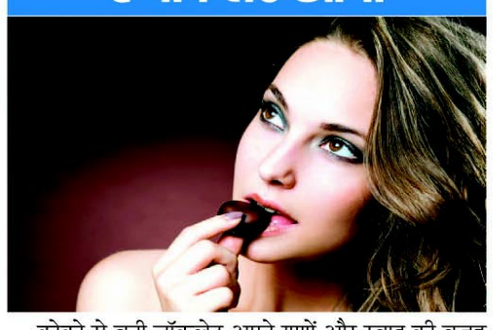

कोको से बनी चॉकलेट अपने गुणों और स्वाद की वजह से लगभग 100 सालों से ही टेस्टी ड्रिंक्स और चॉकलेट बार के रूप में फेमस रही है। चॉकलेट प्रेमी जानते हैं कि चॉकलेट मूड अच्छा रखने के साथ ही तनाव भी दूर करती है। इसके अलावा इसे खाने के और क्या-क्या फायदे हो सकते हैं इनके बारे में जानेंगे...।

दिल के लिए लाभदायक

साल 2010 में हुए एक सर्वे से पता चला है कि यह हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है, इसलिए चॉकलेट खाने से दिल की बीमारियों के होने की संभावना काफी कम हो जाती है। वहीं यूरोपीय सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी द्वारा किए गए शोध में पाया गया है कि ज्यादा मात्रा में चॉकलेट खाने से दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। मूड अच्छा बनाए चॉकलेटऑस्ट्रेलियाई रिसर्चर्स द्वारा साल 2015 में किए गए स्टडीज के अनुसार, कोको का इस्तेमाल हेल्दी लोगों में शांति और संतोष बढ़ाता है। इसके अलावा यह मेंटली परफॉर्मेंस को बेहतर कर थकान कम करने में मदद करता है।

ज्यादा ठंडा पानी न पीएं...

गर्मी के मौसम का सबसे ज्यादा प्रभाव शरीर पर पड़ता है और हम इसे ठंडा रखने के लिए कई उपाय भी करते हैं. ठंडा पानी पीना सबसे सरल उपाय होता है लेकिन क्या आप जानते हैं आपकी यह आदत आपके दिल को नुकसान पहुंचा सकती है। ठंडा पानी भोजन की पाचन प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करता है क्योंकि इससे रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं। इससे पाचन की प्रक्रिया धीमी पड़ने से खाना ठीक से नहीं पचता और हमें इसके पोषक तत्व भी नहीं मिल पाते। बर्फ का पानी या तेज ठंडा पानी पीने से हृदय की गति कम हो जाती है। ठंडा पानी वेगस तंत्रिका को उत्तेजित करता है। वेगस तंत्रिका 10वीं कपाल तंत्रिका है और यह शरीर के स्वायत्त तंत्रिका प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो शरीर के अनैच्छिक कार्यों को नियंत्रित करती है। वेगस तंत्रिका हृदय की गति को कम करने में मध्यस्थता करती है और ठंडा पानी इस तंत्रिका को उत्तेजित करता है जिसके कारण हृदय की गति कम हो जाती है।

प्लास्टिक कचरा गलियों-सड़कों-खेतों से लेकर नदियों और समुद्रों तक में यह प्रवाहित हो रहा है। आप धरती के किसी भी कोने में चले जाएं प्लास्टिक कचरा जरूर दिखेगा। समुद्रों में जिस तरह से प्लास्टिक कचरा बढ़ता जा रहा है, उसे देखते हुए यह आशंका प्रबल हो रही है कि वर्ष 2050 तक समुद्र में यह इतना ज्यादा बढ़ जाएगा कि मछलियों से ज्यादा तादाद में प्लास्टिक कचरा मौजूद होगा। इससे निबटने के लिए वैज्ञानिक पिछले कुछ दशकों से गंभीर प्रयासों में जुटे हैं और हाल ही में इस दिशा में एक बड़ी कामयाबी मिली है। क्योटो यूनिवर्सिटी की रिसर्च टीम एक बार कचरे के ढेरों में कुछ उम्मीदें तलाश रही थी। उन्होंने प्लास्टिक को कुतरनेवाले कुछ माइक्रोब देखे। करीब 250 सैंपल्स पर पांच वर्षों तक शोध करने के बाद उन्होंने कुछ बैक्टीरिया को अलग किया, जो पीईटी यानी पॉली-इथिलीन टेरेफ्थालेट में जीवित रह सकते हैं। दरअसल, 'पीईटी' एक कॉमन प्लास्टिक है, जिसका इस्तेमाल बोतलों और अनेक सिंथेटिक कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। प्लास्टिक खानेवाले माइक्रोब्स का धरती पर अस्तित्व कई वर्षों पहले ही खोज लिया गया था। लेकिन, हालिया खोजी गई चीजों में कुछ महत्वपूर्ण फर्क पाये गये हैं। जैसे एक शोध में यह साबित हुआ है कि इस कार्य के लिए उपयोगी माइक्रोब्स को आसानी से पैदा किया जा सकता है।

एंजाइम की भी पहचान

वैज्ञानिकों ने 'आइडियोनेला सेकेनसिस' नामक यह एंजाइम की भी पहचान की है जो 'पीइटी' को नष्ट करने में सक्षम पाया गया है। सभी जीवित चीजों में एंजाइम्स होते हैं, जिनका इस्तेमाल जरूरी केमिकल रिएक्शंस को गति देना होता है। कुछ एंजाइम्स हमारे भोजन को पचाने में मदद करते हैं। इन जरूरी एंजाइम्स के बिना शरीर कुछ खास प्रकार के भोजन से पोषक चीजें नहीं हासिल कर सकता है। उदाहरण के तौर पर लैक्टोज नहीं पचा पाने वाले लोगों में एंजाइम नहीं होते, जो डेयरी उत्पादों में पाये जोने वाले लैक्टोज शुगर को तोड़ते हैं। कोई भी इन्सान सेल्यूलोज नहीं पचा सकता, जबकि माइक्रोब्स ऐसा कर सकते हैं। 'आइडियोनेला सेकेनसिस' में कुछ ऐसे सक्षम एंजाइम पाये गये हैं, जिन्हें बैक्टीरिया पर्यावरण में पैदा करते हैं। क्योटो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया के डीएनए में जीन की पहचान की है, जो पीईटी को पचानेवाले एंजाइम के लिए उत्तरदायी होते हैं। इस प्रकार वे ज्यादा से ज्यादा एंजाइम बनाने में सक्षम पाये गये हैं और ये दर्शाते हैं कि महज ये एंजाइम ही इन पीईटी को पूरी तरह से नष्ट कर सकते हैं।

वास्तविक रिसाइकलिंग

इस शोध ने प्लास्टिक रिसाइकलिंग और परिशोधन का एक नया नजरिया दिया है। मौजूदा समय में अधिकांश प्लास्टिक बोतलों को वास्तविकता में रिसाइकिल नहीं किया जाता है। इन्हें पिघला कर और कुछ सुधार करके प्लास्टिक के कठोर उत्पाद बनाये जाते हैं। लेकिन पैकेजिंग कंपनियां ज्यादातर फ्रेश प्लास्टिक का इस्तेमाल करती हैं, जिन्हें पेट्रोलियम पदार्थों से हासिल होनेवाले रसायनों से बनाया जाता है। पीईटी-डाइजेस्टिंग एंजाइम्स ने ही प्लास्टिक के रिसाइकल की वास्तविक राह तैयार की है। कूड़े-कचरे के साथ मिला कर इनके जरिये सभी प्रकार के प्लास्टिक बोतलों और अन्य आइटम्स को वास्तविक रूप से खत्म किया जा सकता है। इस प्रकार इन घातक रसायनों से आसानी से निबटा जा सकता है। साथ ही वास्तविक रिसाइकलिंग सिस्टम के जरिये फ्रेश प्लास्टिक बनाया जा सकता है।

प्लास्टिक खाने वाले वर्म्स

वैज्ञानिकों ने पशुओं की आंत में पाये जानेवाले एक ऐसे बैक्टीरिया की भी पहचान की है, जिसे प्लास्टिक को जैविक तरीके से खत्म करने में कामयाब पाया गया है । इससे पर्यावरण को प्लास्टिक के घातक असर से बचाया जा सकेगा। अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और चीन की बेहांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कुछ ऐसे मीलवर्म की तलाश की है, जो अनेक प्रकार के पॉलिस्टिरीन और स्टाइरोफोम को खाने और उसे पचाने में सक्षम पाये गये हैं। इन वर्म्स की आंत में प्लास्टिक जैविक तरीके से पच जाता है और इसका पूरी तरह से अपघटन हो जाता है। इस शोध से प्लास्टिक से पैदा होने वाली वैश्विक समस्याओं को खत्म करने को एक नयी दिशा मिलने की उम्मीद जगी है।

पानी में घुलने वाला प्लास्टिक

इटली की एक कंपनी ऐसा प्लास्टिक बना रही है, जो पानी में घुल सकता है। यह कंपनी चुकंदर से निकलने वाले कचरे से प्लास्टिक बनाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि चुकंदर के उत्पादन से निकलने वाले बाइ-प्रोडक्ट से बनने वाला प्लास्टिक पर्यावरण के लिए कोई खतरा नहीं बनेगा। इसके अलावा पेट्रोलियम पदार्थों से बनने वाले प्लास्टिक पर निर्भरता को कम करने में कामयाबी मिल सकती है। इटली की एक छोटी कंपनी 'बायो ऑन' जैव प्लास्टिक के क्षेत्र में नवीनतम प्रयास का प्रतिनिधित्व कर रही है। इटली के शहर मिनेर्बियो में सबसे बड़ी चीनी उत्पादक कंपनी 'को प्रो बी' चुकंदन से चीनी बनाती है। चुकंदर से चीनी बनने के बाद यह कंपनी कचरे के तौर पर जिन चीजों को फेंक देती है, 'बायो ऑन' उसी से प्लास्टिक का निर्माण करती है।

बैक्टीरिया कुतरेंगे बोतल

वैज्ञानिकों ने ऐसे बैक्टीरिया तैयार किये हैं, जो प्लास्टिक कचरे को खत्म करेंगे। शुरू में इन्हें रिसाइकलिंग सेंटर में कचरे के ढेरों में डाला जाएगा, जहां ये डंप किये गये प्लास्टिक बोतलों को कुतरने का काम करेंगे। हाल ही में इसका परीक्षण किया गया है और विकसित किये गये बैक्टीरिया को इस कार्य के लिए उपयुक्त पाया गया है। दरअसल, प्लास्टिक को मुख्य रूप से पेट्रोलियम पदार्थों से निकलने वाले कृत्रिम रेजिन से बनाया जाता है। रेजिन में अमोनिया और बेंजीन को मिला कर प्लास्टिक के मोनोमर बनाये जाते हैं। इसमें क्लोरीन, फ्लोरिन, कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन और सल्फर के अणु होते हैं। लंबे समय तक अपघटित न होने के अलावा प्लास्टिक अनेक अन्य प्रभाव छोड़ता है, जो इनसान की सेहत के लिए हानिकारक हैं।

मिलावटी दूध से कैसे बचें...?

देश के तीन में से दो लोग डिटर्जेंट, कॉस्टिक सोडा, यूरिया और पेंट वाल दूध पीते हैं। देश में बिकने वाला 68 प्रतिशत दूध देश की खाद्य उत्पाद नियंत्रक संस्था एफएसएसएआई के मापदंडों पर खरा नहीं उतरता।

देश के 200,000 गांव से दूध एकत्रित करके बेचा जाता है। मिलावटी दूध से बचने का सबसे सटीक तरीका दूध उबालना है, जिससे सभी बैक्टीरिया मर जाते हैं। पिछले साल अमेरिका सरकार की एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2016 में बढ़ती आबादी के अनुपात में दूध की खपत में 5 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ यह 62.75 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। मिलावटी दूध का शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है। यूरिया, कॉस्टिक सोडा और इसमें मौजूद फोरमेलिन से गैस्ट्रोएंट्रटिटिस से लेकर इम्पेयरमेंट, दिल के रोग, कैंसर और मौत तक हो सकती है।

पानी की मिलावट

डिटर्जेंट से पाचन तंत्र की गड़बडियां और फूड पॉयजनिंग हो सकती है। उच्च एल्केलाइन से शरीर के तंतु क्षतिग्रस्त और प्रोटीन नष्ट हो सकते हैं। इन खतरों को देखते हुए बचाव जरूरी है। एफएसएसएआई के ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक, दूध में पानी की मिलावट सबसे ज्यादा होती है, जिससे इसकी पौष्टिकता कम हो जाती है। अगर पानी में कीटनाशक और भारी धातुएं मौजूद हों तो ये सेहत के लिए खतरा है। दूध को उबालना इसका हल है।

इसके साथ ही 46 प्रतिशत सैंपल लो सॉलिड नॉट फैट की श्रेणी के पाए गए, जिसकी मुख्य वजह पानी की मिलावट है। गरमी के मौसम में दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए प्रयोग किए जाते स्किमड मिल्क पाउडर के 548 नमूनों में से 477 नमूनों में ग्लूकोज पाया गया। दूध के रख-रखाव और पैकेजिंग के समय साफ-सफाई का ध्यान न रखे जाने की वजह से आस पास प्रयोग हुआ डिटर्जेंट दूध में चला जाता है। कई बार यह जान बूझ कर डाला जाता है। 8 प्रतिशत नमूनों में डिटर्जेंट पाया गया।

इस तरह करें जांच

- **पानी:** ढलान वाली सतह पर दूध की एक बूंद डालें। शुद्ध दूध की बूंद धीरे-धीरे सफेद लकीर छोड़ते हुए जाएगी, जबकि पानी की मिलवाट वाली बूंद बिना कोई निशान छोड़े बह जाएगी।
- **स्टार्च:** लोडीन का टिंक्चर और लोडीन सॉल्यूशन में कुछ बूंदे डालें, अगर वह नीली हो जाएं तो समझे कि वह स्टार्च है।
- **यूरिया:** एक चम्मच दूध को टेस्ट ट्यूब में डालें। उसमें आधा चम्मच सोयाबीन या अरहर का पाउडर डालें। अच्छी तरह से मिला लें। पांच मिनट बाद, एक लाल लिटमस पेपर डालें, आधे मिनट बाद अगर रंग लाल से नीला हो जाए तो दूध में यूरिया है।
- **डिटर्जेंट:** 5 से 10 एमएल दूध को उतने ही पानी में मिला कर हिलाएं। अगर झाग बनता है तो इसमें समझिए डिटर्जेंट है।
- **सिन्थेटिक दूध:** सिन्थेटिक दूध का स्वाद कड़वा होता है, उंगलियों के बीच रगड़ने से साबुन जैसा लगता है और गर्म करने पर पीला हो जाता है। सिन्थेटिक दूध में प्रोटीन की मात्रा है या नहीं, इसकी जांच दवा की दुकान पर मिलने वाली यूरीज स्ट्रिप से की जा सकती है। इसके साथ मिली रंगों की सूची दूध में यूरिया की मात्रा बता देगी।

फिल्मों में तकनीक का ओवरडोज...

63वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा हो चुकी है। हॉलीवुड की तरह अब बॉलीवुड की फिल्मों में भी तकनीक का कमाल देखा जा सकता है। किसी फिल्म में यह वाकई कमाल लगता है तो कहीं-कहीं ओवरडोज भी महसूस होता है। कहानी की मांग के बिना जबरन ठूंसा गया यह ओवरडोज फिल्म को फ्लॉप भी करा देता है। इस बारे में पिछले कई साल से फिल्म टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रहे तन्मय मसूरकर कहते हैं कि हम फिल्म टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निरंतर कुछ नया करने की कोशिश कर रहे हैं। अब यह तो फिल्मकारों की जिम्मेदारी है कि वे उसका कितना सटीक उपयोग करते हैं। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि फिल्म निर्माण में साउंड से लेकर स्पेशल इफेक्ट्स तक हर टेक्नोलॉजी एक सही सब्जेक्ट की मांग करती है। फिल्म के सब्जेक्ट में बेवजह इसका इस्तेमाल करने का कोई मतलब नहीं है।

सब्जेक्ट की मांग: बात वाजिब है। इसके लिए हॉलीवुड फिल्मों का अच्छा उदाहरण दिया जा सकता है। वहां ज्यादातर फिल्में ही ऐसी बनती हैं, जिसमें टेक्नोलॉजी के उपयोग की पूरी संभावना रहती है। और जहां सब्जेक्ट इस बात की डिमांड नहीं करता, वहां के फिल्मकार इस बात से साफ बचते हैं। इसके लिए टाइटैनिक का एक उदाहरण देना ही काफी होगा। इस तीन घंटे से ज्यादा लंबी रोमांटिक फिल्म के सब्जेक्ट में रोमांस इस कदर भरा हुआ है कि इसमें फिल्म टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल सिर्फइसके कैनवस को विस्तृत रंग देता है। भारतीय फिल्मकारों को भी इसी तरह से सोचना चाहिए। बाहुबली में इसका उपयोग दर्शनीय लगता है। पर पीकू में ऐसी कोई टेक्नोलॉजी सिर्फ निरर्थक होगी। क्योंकि पीकू एक सब्जेक्ट बेस्ड फिल्म है।

तकनीक एक हथियार: संजय लीला भंसाली की फिल्म बाजीराव मस्तानी भी ऐसी फिल्म है, जिसमें वीएफएक्स सहित दूसरी तकनीक का काफी इस्तेमाल किया गया। भंसाली टेक्नोलॉजी के हिमायती हैं। वे कहते हैं कि फिल्म मेकिंग में टेक्नोलॉजी के बढ़ते महत्व से मैं भी इंकार नहीं करता हूं। मगर यह फिल्म के हर सीन की जरूरत के मुताबिक होना चाहिए। बाजीराव मस्तानी के युद्ध दृश्यों में मैंने टेक्नोलॉजी का खुलकर उपयोग किया। पर इसका यह मतलब नहीं है कि लड़ाई के सीन को हमने सिर्फ वीएफएक्स स्टुडियो में फिल्माया है। इसके वॉर सीन की हमने एक महीने तक शूटिंग की थी। क्योंकि मेरा यह मानना है कि टेक्नोलॉजी सिर्फ फिल्म के सुंदर फिल्माकंन के लिए जरूरी है। वरना फिल्म तो डायरेक्टर का मीडियम होती है। टेक्नोलॉजी तो महज उसके काम का एक हथियार है। स्पेशल इफेक्ट्स तकनीक की मदद से इसके सारे फ्रेम को और ज्यादा भव्य बनाया गया।

पुरानी फिल्में हैं उदाहरण: आज ज्यादातर फिल्मों में ही तकनीक का कमाल देखने को मिल जाता है। हां, छोटे बजट की फिल्में इस तकनीक से थोड़ा बचती हैं, क्योंकि वीएफएक्स और दूसरी तकनीक का इस्तेमाल खर्चीला है। देखा जाये तो फिल्मों के जन्म के साथ ही फिल्म तकनीक को बढ़ावा मिलने लगा था। कभी महबूब खान, के.आसिफ, वी.शांताराम, राज कपूर आदि दिग्गज फिल्मकारों की नजर फिल्म के तकनीकी पक्ष पर भी होती थी। एक बार झनक-झनक पायल बाजे की शूटिंग से पहले वी.शांताराम के छायाकार जी.बालकृष्ण ने एक खास तरह के लेंस का हवाला देते हुए उनसे कहा था कि यदि यह मिल जाए तो अगली फिल्म की शूटिंग में बहुत सुविधा हो जाएगी। वी.शांताराम यानी अण्णा के जेहन में यह बात बैठ गई। उन दिनों वह लंदन जाने वाले थे। लौटते वक्त वह उस लेंस को अपने साथ ले आए थे।

बड़जात्या नहीं लेते सहारा

वर्तमान में ग्लोबल हो चुके फिल्मोद्योग ने समय के साथ ताल मिलाकर तकनीक के हर बदलाव को बखूबी अंजाम देना सीख लिया है। लेकिन फिल्मकार सूरज बड़जात्या तकनीक के ज्यादा गुलाम नहीं हैं। हालांकि उनकी फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में उन्होंने न चाहते हुए भी इस तकनीक का उपयोग किया है। इस फिल्म के छायाकार वी. मानिकनंदन इससे पहले रा-वन, ओम शांति ओम, मैं हूं ना, ये जवानी है दीवानी जैसी कई बड़ी फिल्मों का छायांकन कर चुके हैं। मानिकनंदन के मुताबिक सूरज उन निर्देशकों से भिन्न हैं जो अपने दृश्यों को संभालने के लिए तकनीक का सहारा लेते हैं। वे कहते हैं कि हम भारतीय छायाकार विदेशी तकनीशियनों से किसी भी मामले में कमतर नहीं हैं। सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह है कि ये सारा कमाल हम बहुत सीमित साधन में कर दिखाते हैं।'

कैसी-कैसी तकनीक

डीआई तो सिर्फ एक तकनीक का नाम हुआ। वरना आज फिल्म की शूटिंग के दौरान चिप, वीएफएक्स, क्रोमा, एनीमेशन, ग्रीडी, ऑन लाइन एडिटिंग या स्मोक आदि ढेरों तकनीकी शब्दों को सुनना बेहद रूटीन सा हो गया है। मजेदार बात तो यह है कि ऐसी ढेरों तकनीक ने एक्शन से लेकर म्यूजिक रिकॉर्डिंग तक हर जगह अपनी जगह बना ली है। आज इस तकनीक की मदद से फिल्मों की भव्यता को एक बुलंदी दी जा रही है। स्पेशल इफेक्ट्स के सारे साधन स्टुडियो में उपलब्ध होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम** ● **फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**